ESTD 2010

THE TEMPLE TOURS.com

SPIRITUAL PILGRIMAGE TOURS • ESTD 2010

सूर्य राशियाँ

आपकी राशि, आपका व्यक्तित्व

बारह राशियों का संपूर्ण चरित्र-चित्रण

प्रेम • स्वभाव • रिश्ते • करियर

The Temple Tours | thetempletours.com | +91 89207 91374 | info@thetempletours.com

(Linda Goodman की प्रसिद्ध शैली से प्रेरित — मूल हिंदी लेखन)

दो शब्द

आसमान में चमकते सितारे सदियों से इंसान को मोहित करते आए हैं। हम सब किसी न किसी महीने में जन्म लेते हैं, और उस समय सूर्य जिस राशि में होता है, वही हमारी 'सूर्य राशि' (Sun Sign) कहलाती है। यही राशि हमारे स्वभाव, हमारी प्रवृत्तियों और हमारे जीवन-रंग की एक झलक देती है।

यह पुस्तक उसी विचार पर आधारित है जिसे विश्वप्रसिद्ध ज्योतिषी-लेखिका लिंडा गुडमैन (Linda Goodman) ने अपनी अमर कृति 'Sun Signs' में इतनी आत्मीयता से प्रस्तुत किया था — कि हर राशि एक जीता-जागता किरदार है, जिसे हम अपने आस-पास रोज़ देखते हैं। यहाँ प्रस्तुत सामग्री उसी भावना से प्रेरित है, पर पूरी तरह मूल हिंदी लेखन है।

हर अध्याय में आप पाएँगे — उस राशि का परिचय, उसका व्यक्तित्व, उस राशि के पुरुष और स्त्री का स्वभाव, प्रेम व रिश्तों में उसका रंग, करियर व धन की दिशा, और अंत में उसकी खूबियाँ, कमज़ोरियाँ तथा एक छोटा-सा जीवन-मंत्र।

ध्यान रहे — ज्योतिष कोई जंजीर नहीं, एक दर्पण है। यह बताता है कि हम किस मिट्टी के बने हैं, पर उस मिट्टी से क्या गढ़ना है, यह हमेशा हमारे अपने हाथ में रहता है। इस पुस्तक को अपने और अपनों को बेहतर समझने का एक आनंददायक साधन मानिए।

— शुभकामनाओं सहित, The Temple Tours

अनुक्रम

1. **मेष** (Aries) — 21 मार्च – 19 अप्रैल
2. **वृषभ** (Taurus) — 20 अप्रैल – 20 मई
3. **मिथुन** (Gemini) — 21 मई – 20 जून
4. **कर्क** (Cancer) — 21 जून – 22 जुलाई
5. **सिंह** (Leo) — 23 जुलाई – 22 अगस्त
6. **कन्या** (Virgo) — 23 अगस्त – 22 सितंबर
7. **तुला** (Libra) — 23 सितंबर – 22 अक्टूबर
8. **वृश्चिक** (Scorpio) — 23 अक्टूबर – 21 नवंबर
9. **धनु** (Sagittarius) — 22 नवंबर – 21 दिसंबर
10. **मकर** (Capricorn) — 22 दिसंबर – 19 जनवरी
11. **कुंभ** (Aquarius) — 20 जनवरी – 18 फ़रवरी
12. **मीन** (Pisces) — 19 फ़रवरी – 20 मार्च

राशि 1

मेष

Aries • मेढ़ा (The Ram)

तिथि	21 मार्च – 19 अप्रैल
तत्व	अग्नि
स्वामी ग्रह	मंगल
स्वभाव	चर (Cardinal)
शुभ रंग	लाल
शुभ अंक	9, 1

ज़रा कल्पना कीजिए कि एक भीड़भाड़ वाले कमरे में अचानक एक झोंका-सा आता है। दरवाज़ा खुलता है और कोई व्यक्ति अंदर नहीं आता, बल्कि एक पूरी आँधी प्रवेश करती है। आवाज़ थोड़ी ऊँची, क़दम तेज़, आँखों में वह चमक जो कहती है कि 'चलो, अब कुछ होगा।' यही है मेष राशि का जातक। वह दुनिया को धीरे-धीरे समझने नहीं आया, वह उसे जीतने आया है। हर सुबह उसके लिए एक नई शुरुआत है, हर चुनौती एक खुला निमंत्रण। आप उसकी ऊर्जा से थक सकते हैं, पर उससे ऊब कभी नहीं सकते।

मंगल जिसका स्वामी हो, उसके लहू में आग का तत्व यूँ ही नहीं बहता। मेष अग्नि राशि है — और चर स्वभाव की, यानी हमेशा गति में, हमेशा आगे। यह वह व्यक्ति है जो विचार आते ही 'अभी' कर डालना चाहता है। प्रतीक्षा शब्द उसके शब्दकोश में सबसे अंत में आता है, और तब भी अनिच्छा से। मेढ़ा अपने सींगों के बल पर पहाड़ से टकरा जाता है, चोट खाता है, फिर भी दोबारा वही करता है — क्योंकि हार मानना उसके स्वभाव में लिखा ही नहीं गया।

पर इस आग के नीचे एक भोला-सा बच्चा छिपा बैठा है। मेष जातक राशिचक्र का पहला अध्याय है, नवजात शिशु जैसा — सरल, आत्मकेंद्रित, और दुनिया को पहली बार देखती आँखों जैसा निष्कपट। वह छल नहीं जानता, इसलिए छल को पहचान भी नहीं पाता। आप उसे आसानी से ठग सकते हैं, पर उसका दिल कभी नहीं जीत पाएँगे यदि आपकी आँखों में सच्चाई न हो। उसकी हर बात माथे पर लिखी होती है; इस आदमी से रहस्य की उम्मीद मत रखिए।

कैसे पहचानें

मेष जातक को पहचानना मुश्किल नहीं। सिर अक्सर थोड़ा आगे झुका, जैसे किसी अदृश्य दीवार को टक्कर मारने के लिए तैयार हो। चाल में एक झपट, एक जल्दी — मानो हर गंतव्य उससे एक मिनट दूर हो और वह उसे आधे में पाना चाहता हो। माथे पर अक्सर एक हल्की रेखा, भौंहों के बीच, जो उसके निरंतर सोचने और लड़ने की गवाही देती है। बातचीत में वह आगे झुक आता है, आँखों में आँखें डालकर बोलता है, और जब उत्साहित हो तो हाथ हवा में तलवार की तरह चलते हैं।

किसी समारोह में वह दीवार से टिककर खड़ा रहने वाला व्यक्ति नहीं। वह कमरे के बीचोंबीच होगा, किसी बहस का केंद्र, या किसी नए परिचय को हँसाता हुआ। उसे ध्यान चाहिए — चापलूसी नहीं, पर उपेक्षा बिलकुल नहीं। यदि कोई और बहुत देर तक चर्चा का विषय बना रहे, तो आप देखेंगे मेष का पैर हिलने लगता है, उँगलियाँ मेज़ पर ताल देने लगती हैं। उसका धैर्य एक पतला धागा है, और प्रतीक्षा उसके लिए किसी सज़ा से कम नहीं।

उसकी पोशाक प्रायः सादी पर तीखी होती है — चटक लाल, साफ़ रेखाएँ, कुछ ऐसा जो भीड़ में अलग दिखे पर अपने में सहज रहे। बोलने का ढंग सीधा है, घुमाव-फिराव से उसे चिढ़ है। यदि उसे कुछ पसंद नहीं, तो आपको अनुमान नहीं लगाना पड़ेगा — वह कह देगा, कभी-कभी ज़रूरत से ज़्यादा साफ़गोई से। पर इसी सीधेपन में उसका सौंदर्य है। उसके पास दिखावे का समय नहीं; जो है, सामने है, और वह उसी पर गर्व करता है।

व्यक्तित्व

मेष जातक के भीतर एक स्थायी अधीरता बसती है — किसी नई पहाड़ी पर पहले चढ़ने की, किसी विचार को पहले जीने की। वह नेतृत्व का जन्मजात भूखा है, पर सत्ता के लिए नहीं, बल्कि इसलिए कि पीछे चलना उसे घुटन देता है। आदेश लेना उसके लिए सबसे कठिन परीक्षा है। फिर भी जब कोई सच्चे दिल से उससे मदद माँगता है, तो वही जिद्दी मेढ़ा पिघलकर पूरी ताक़त झोंक देता है। उसका अहंकार बड़ा है, पर उसके पीछे छिपी उदारता उससे भी बड़ी।

उसका सबसे बड़ा विरोधाभास यही है — बाहर से वह विजेता दिखता है, भीतर से उसे लगातार आश्वासन चाहिए कि वह सचमुच श्रेष्ठ है। आलोचना उसे चुभती है, अपेक्षा से कहीं गहरी। पर वह उसे दिखाएगा नहीं; वह सिर ऊँचा करके आगे बढ़ जाएगा और रात के एकांत में अकेले उस घाव को सहेगा। उसका डर असफलता नहीं, बल्कि नगण्य हो जाना है। जिस दिन उसे लगे कि उसकी कोई ज़रूरत नहीं, उस दिन उसकी सारी आग बुझ-सी जाती है।

वह क्रोधित होता है तो आसमान काँपता है — पर वह तूफ़ान देर तक नहीं ठहरता। मेष का गुस्सा बारूद जैसा है, एक चिंगारी में भड़कता और उतनी ही तेज़ी से बुझता हुआ। पाँच मिनट बाद वह वही बात भूलकर आपके कंधे पर हाथ रख देगा, हैरान कि आप अब भी नाराज़ क्यों हैं। वह बैर पालना नहीं जानता; प्रतिशोध की धीमी आग उसके स्वभाव के विपरीत है। जो बीत गया वह उसके लिए सचमुच बीत गया, और वह आगे की ओर मुँह करके खड़ा रहता है।

पैसे के मामले में मेष खुले हाथ का है, कभी-कभी लापरवाही की हद तक। वह कमाता है तेज़ी से और खर्च उससे भी तेज़ी से — किसी मित्र पर, किसी नई धुन पर, किसी ऐसी चीज़ पर जिसने पल भर के लिए उसकी आँखें चमका दीं। बचत की योजनाएँ उसे उबाऊ लगती हैं। पर मुसीबत में वह वही व्यक्ति है जो बिना हिसाब लगाए अपनी जेब खाली कर देगा। उसके लिए धन साधन है, साध्य नहीं; वह उसे जोड़ने में नहीं, जीने में यक़ीन रखता है।

मेष पुरुष

मेष पुरुष प्रेम में वैसे ही उतरता है जैसे युद्ध में — पूरे जोश, पूरी आग के साथ। वह जिसे चाहता है उसका पीछा एक शूरवीर की तरह करता है, फूल, संदेश, अप्रत्याशित आश्चर्य, सब कुछ। पर सावधान — उसे जीतने की प्रक्रिया जितनी रोमांचक लगती है, उतनी ही जल्दी आसान जीत उसे ऊब भी सकती है। वह एक ऐसी स्त्री चाहता है जो उसकी प्रशंसा करे पर उसके सामने झुके नहीं; जो उसका हाथ थामे पर अपनी पहचान भी रखे। पूरी तरह समर्पित स्त्री उसे जल्दी निराश कर देती है।

काम में वह अगुआ है — पहले विचार लाने वाला, पहले शुरू करने वाला, और अक्सर पहले थक जाने वाला, क्योंकि बारीक अंत तक टिकना उसका धर्म नहीं। उसे बड़े सपने चाहिए, और उन सपनों में उसका नाम सबसे ऊपर। उसका अहंकार उसकी ताक़त भी है और कमज़ोरी भी; तारीफ़ उसे पहाड़ चढ़ा देती है और उपेक्षा उसे गिरा देती है। यदि आप उसके साथ काम करते हैं, तो उसके विचार की प्रशंसा करिए — फिर देखिए वह आपके लिए असंभव को भी संभव कर दिखाता है।

अपने घर में वह राजा बनना चाहता है, पर एक भोला राजा। वह बड़ी-बड़ी घोषणाएँ करेगा, बड़े फ़ैसले अपने नाम लेगा, पर भीतर से वह उसी स्त्री पर निर्भर है जो उसके अहंकार को सहलाए और साथ ही ज़मीन पर भी रखे। उसकी ईर्ष्या तीव्र होती है; अपनी प्रिया की ओर किसी और का देखना उसे बर्दाश्त नहीं। पर उसका प्रेम उतना ही सच्चा और भड़कीला है — वह आपके लिए दुनिया से लड़ जाएगा, बस उससे ठंडे, गणना भरे प्रेम की उम्मीद मत रखिए।

मेष स्त्री

मेष स्त्री एक विरोधाभास है जिसे समझने में पुरुष उम्र भर लगा देते हैं। वह स्वतंत्र है, साहसी है, अपने फ़ैसले ख़ुद लेती है — और फिर भी भीतर से चाहती है कि कोई हो जो उससे अधिक मज़बूत हो, जिसका वह सम्मान कर सके। कमज़ोर पुरुष उसे ऊबा देता है; वह ऐसे साथी की तलाश में है जो उसकी बराबरी कर सके पर उसे दबा न सके। वह आपके आगे-आगे चलेगी, पर मन ही मन चाहेगी कि आप उसका हाथ थामकर साथ-साथ दौड़ें।

प्रेम में वह उतनी ही सीधी है जितनी हर बात में। वह इशारों में बात नहीं करती; यदि उसे आप पसंद हैं, तो आपको पता चल जाएगा। पर उसका भोलापन उसे चोट भी दिलाता है — वह अपना दिल पूरा खोल देती है और छल को आख़िर तक नहीं पहचान पाती। एक बार धोखा खाकर भी वह

सतर्क नहीं होती; अगली बार फिर पूरे विश्वास से प्रेम करती है। उसकी इस अदम्य आशावादिता में एक विचित्र पवित्रता है, जो उसे बार-बार चोट खाकर भी निर्मल बनाए रखती है।

रसोई हो या दफ़्तर, वह हर जगह अपनी छाप छोड़ती है, पर एकरसता उसका शत्रु है। उससे यह उम्मीद मत कीजिए कि वह चुपचाप वर्षों एक ही ढर्रे में जिए। उसे नई चुनौतियाँ चाहिए, अपनी अलग दुनिया चाहिए। यदि आप उसे प्रशंसा देंगे, उसके साहस का सम्मान करेंगे, और साथ ही उसे यह एहसास दिलाएँगे कि वह आपके लिए अनमोल है, तो वह आपके लिए आसमान से तारे तोड़ लाएगी। उसका प्रेम भड़कता हुआ है, गुनगुना नहीं — और जब वह आपकी है, तो पूरी तरह आपकी है।

मेष बालक

मेष शिशु पालने में भी आराम से नहीं लेटता — वह पहले बैठने, पहले चलने, पहले दौड़ने की जल्दी में रहता है, और इस जल्दबाज़ी में अक्सर माथे पर चोट के निशान बना लेता है। उसकी इच्छाशक्ति प्रचंड है; जो चाहिए, वह अभी चाहिए, और मना करने पर उसका विरोध आसमान सिर पर उठा लेता है। पर उसका गुस्सा भी उतनी ही तेज़ी से बुझता है। वह बच्चा है जो हर चीज़ छूकर, गिरकर, टकराकर सीखता है, और आप उसे रोककर नहीं, बल्कि सही दिशा देकर ही सँभाल सकते हैं।

इस बच्चे को कुचलिए मत — उसकी आग को मारने की कोशिश उसे विद्रोही बना देगी। उसकी ऊर्जा को खेल, दौड़, और स्वस्थ प्रतियोगिता में मोड़िए। उसे जीतना सिखाइए, पर हारकर फिर खड़े होना भी। उसे यह समझाइए कि दूसरों की भावनाएँ भी हैं, क्योंकि वह स्वभाव से थोड़ा आत्मकेंद्रित होता है — दुर्भावना से नहीं, बस इसलिए कि उसकी दुनिया अभी उसी के इर्द-गिर्द घूमती है। प्यार और स्पष्ट सीमाओं का संतुलन उसे एक तेजस्वी और भरोसेमंद इंसान बनाएगा।

मेष : बॉस के रूप में

मेष मालिक के साथ काम करना किसी तेज़ धारा में तैरने जैसा है — रोमांचक, थकाऊ, और कभी उबाऊ नहीं। वह सुबह दस नए विचार लेकर आता है और शाम तक उम्मीद करता है कि वे क्रियान्वित हो चुके हों। योजना की बारीकियाँ उसे बोर करती हैं; वह बड़ी तस्वीर देखता है और चाहता है कि बाक़ी लोग कोनों को भर दें। उसके अधीन काम करने वालों को तेज़ होना पड़ता है, पर बदले में वे एक ऐसे नेता को पाते हैं जो किसी से डरता नहीं और अपनी टीम के लिए लड़ जाता है।

वह आपकी छोटी ग़लती पर भड़क सकता है, पर उस गुस्से के पीछे कोई कपट नहीं होता — पाँच मिनट बाद वह भूल जाएगा। जो उससे न डरकर सीधी बात करते हैं, उनका वह सम्मान करता है; चापलूस उसे कुछ समय भाते हैं पर अंततः ऊबा देते हैं। उसे पीठ पीछे की राजनीति से चिढ़ है। यदि आप मेहनती हैं, उसके विचारों में जान फूँकते हैं, और उसका श्रेय नहीं छीनते, तो वह आपको दिल खोलकर आगे बढ़ाएगा। बस उससे धैर्य और सूक्ष्म प्रबंधन की उम्मीद मत रखिए।

मेष : कर्मचारी के रूप में

मेष कर्मचारी आपकी कंपनी का सबसे प्रबल इंजन हो सकता है — बशर्ते आप उसे चुनौती दें। नीरस, दोहराव वाला काम उसे मुरझा देता है, पर एक कठिन लक्ष्य के सामने वह दिन-रात एक कर देता है। वह आदेशों की लंबी सूची से चिढ़ता है; उसे 'यह करो, ऐसे करो' नहीं, बल्कि 'यह पहाड़ है, इसे जीतो' कहिए, फिर देखिए। वह श्रेय का भूखा है, पर वह श्रेय वह अपनी मेहनत से कमाना भी जानता है। उसे एक ख़ास ज़िम्मेदारी सौंप दीजिए, और वह उसे अपना साम्राज्य बना लेगा।

उसकी कमज़ोरी उसका सब्र है, या यूँ कहें उसका अभाव। वह किसी परियोजना को धूमधाम से शुरू करता है पर अंतिम, उबाऊ चरण में उसका उत्साह डगमगा सकता है — वहाँ उसे एक स्थिर साथी की ज़रूरत होती है जो काम को अंत तक पहुँचाए। पदोन्नति में देरी उसे बेचैन कर देती है; वह जल्दी ऊपर चढ़ना चाहता है। पर उसकी ईमानदारी बेमिसाल है — वह आपकी पीठ पीछे साज़िश नहीं करेगा। जो उसके साहस को पहचानता है और उसे बढ़ने की जगह देता है, उसे मेष में एक निष्ठावान योद्धा मिलता है।

प्रेम और विवाह

मेष प्रेम में आधे-अधूरे मन से नहीं उतरता। उसके लिए प्यार कोई धीमी, सुलगती लौ नहीं, बल्कि एक भड़कती हुई अग्नि है जो पूरे आकाश को रोशन कर दे। वह आपको आदर्श रूप में देखता है, आपको किसी देवी या नायक के आसन पर बिठा देता है — और यही उसकी सबसे बड़ी ख़ुशी

और सबसे गहरी पीड़ा का कारण है। जब वास्तविकता उसके सपने से टकराती है, तो वह आहत होता है। पर सच्चा प्रेमी वही है जो उसे यह सिखाए कि असली इंसान सपने से भी सुंदर होता है।

उसे जीतकर रखना चाहते हैं? तो उसे कभी पूरी तरह जीता हुआ महसूस मत होने दीजिए। मेष पीछा करने में जीता है, और एकरसता उसका सबसे बड़ा शत्रु है। थोड़ा रहस्य रखिए, अपनी ख़ुद की दुनिया रखिए, उसे हर रोज़ थोड़ा-सा फिर से जीतना पड़े — तब उसकी रुचि कभी नहीं ठंडी होगी। उसकी प्रशंसा कीजिए, पर झूठी नहीं; वह दिखावटी तारीफ़ को सूँघ लेता है। और सबसे बढ़कर, उसके साहस का सम्मान कीजिए, क्योंकि अपने अहंकार के पीछे वह एक ऐसा बच्चा है जिसे आश्वासन चाहिए।

विवाह में उससे ठंडी समझदारी की उम्मीद मत रखिए, पर वफ़ादारी की रखिए। वह झगड़ेगा, ऊँची आवाज़ में, दरवाज़े पटककर — पर उसका गुस्सा तूफ़ान की तरह आता और जाता है, बैर बनकर नहीं ठहरता। वह माफ़ी माँगने में देर करता है पर माफ़ करने में नहीं। उसकी ईर्ष्या को धैर्य से सँभालिए, उसकी जल्दबाज़ी को कोमलता से। यदि आप उसे यह यक़ीन दिला दें कि आप उसके साथ हैं, उसके ख़िलाफ़ नहीं, तो वह आपके लिए दुनिया से लड़ जाएगा — और जीवन भर उसी पहले दिन की आग से आपको चाहता रहेगा।

स्वास्थ्य

मेष राशि का संबंध सिर और मस्तिष्क से जोड़ा जाता है, और सचमुच यह जातक अपनी अधिकांश शिकायतें वहीं से पाता है — सिरदर्द, तनाव से उपजी जकड़न, या जल्दबाज़ी में लगी छोटी-मोटी चोटें। उसकी ऊर्जा प्रचंड है, पर वह उसे एक झटके में खर्च कर देता है और फिर अचानक थककर बैठ जाता है। उसका शरीर उसके मन की तरह तेज़ चलता है, इसलिए विश्राम उसके लिए दवा से कम नहीं। ख़ुद को धीमा करना उसके लिए सबसे कठिन और सबसे ज़रूरी अभ्यास है।

उसके लिए सबसे अच्छी सेहत का नुस्ख़ा है — अपनी आग को रचनात्मक राह दे देना। नियमित शारीरिक गतिविधि, खेल या तेज़ सैर उसकी बेचैन ऊर्जा को सही दिशा देती है, और साथ ही गुस्से व तनाव को भी बहा ले जाती है। उसे जल्दबाज़ी और लापरवाही से बचना चाहिए, ख़ासकर वाहन और औज़ार चलाते समय। पर्याप्त नींद, ठंडे दिमाग़ का अभ्यास, और बीच-बीच में सच्चा विश्राम — यही उसकी जीवनशक्ति को लंबे समय तक धधकता रखते हैं। यह सामान्य सुझाव है, किसी रोग की चिकित्सकीय सलाह नहीं।

> प्रसिद्ध हस्तियाँ: रजनीकांत, अजय देवगन, लियोनार्डो दा विंची, चार्ली चैपलिन, लेडी गागा, और रेने डेकार्त।

खूबियाँ

- अदम्य साहस
- जन्मजात नेतृत्व
- बेबाक ईमानदारी
- अथक ऊर्जा
- नई राह बनाने का जोश
- उदार और खुले दिल वाला
- हार न मानने का जज़्बा

सावधानियाँ

- अधीरता और जल्दबाज़ी
- तीखा अहंकार
- क्षणिक पर तीव्र क्रोध
- आत्मकेंद्रित सोच
- धैर्य का अभाव
- लापरवाह खर्च
- अधूरा छोड़ने की प्रवृत्ति

अपनी आग को बुझाइए मत, बस उसे दिशा दे दीजिए — वही आग जो जलाती है, राह भी रोशन करती है।

राशि 2

वृषभ

Taurus • बैल (The Bull)

तिथि	20 अप्रैल – 20 मई
तत्व	पृथ्वी
स्वामी ग्रह	शुक्र
स्वभाव	स्थिर (Fixed)
शुभ रंग	हरा, गुलाबी
शुभ अंक	6

किसी भीड़भाड़ वाले कमरे में जहाँ हर कोई बातों की आँधी में बहा जा रहा हो, एक व्यक्ति ऐसा भी होगा जो शांत बैठा, धीरे-धीरे अपनी चाय की चुस्की ले रहा होगा, और उसकी आँखों में वह स्थिरता होगी जो किसी पुराने बरगद के पेड़ में होती है। यही आपका वृषभ है। वह जल्दबाज़ी नहीं करता, वह हाँफता नहीं, वह दौड़ता नहीं। वह बस 'है' — ठोस, मौजूद, और अडिग। दुनिया उसके चारों ओर घूमती रहे, पर वह अपनी जगह से टस-से-मस नहीं होता।

वृषभ का जीवन इंद्रियों का उत्सव है। उसे रेशम का स्पर्श पसंद है, अच्छे भोजन की महक उसे मोह लेती है, मधुर संगीत उसके भीतर तक उतर जाता है, और सुंदर चीज़ों को देखकर उसका मन भर जाता है। शुक्र उसका स्वामी है, इसलिए उसमें सौंदर्य और सुख की गहरी भूख है — पर वह इसे भड़कीले ढंग से नहीं दिखाता। उसका सुख आराम-कुर्सी, गरम कंबल, और भरे पेट में बसता है। आप उसे लालची मत समझिए; वह केवल जीवन को जी-भर के स्वाद लेना चाहता है।

लेकिन इस मखमली शांति के नीचे एक बैल छिपा बैठा है। महीनों तक वह आपकी हर बात सहता रहेगा, मुस्कुराता रहेगा, झुकता रहेगा — और फिर एक दिन, बिना किसी चेतावनी के, वह सिर झुकाकर सींग तान लेगा। तब न तर्क काम आता है, न आँसू, न मनुहार। वृषभ का क्रोध दुर्लभ है, पर जब आता है तो भूचाल की तरह आता है। यही उसका विरोधाभास है — दुनिया का सबसे सहनशील प्राणी, जो एक हद के बाद दुनिया का सबसे अटल प्राणी बन जाता है।

कैसे पहचानें

वृषभ को पहचानना कठिन नहीं। उसकी देह में एक ठोसपन होता है — गर्दन प्रायः मज़बूत और भरी हुई, कंधे चौड़े, और चलने में वह धरती पर पैर जमाकर चलता है, मानो हर कदम सोच-समझकर रख रहा हो। उसकी आँखें बड़ी, शांत और स्वप्निल होती हैं, जिनमें एक गहरी निश्चिंतता तैरती है। वह हड़बड़ी में कहीं नहीं पहुँचता; आप उसे दौड़ते हुए शायद ही कभी देखें। उसकी पूरी मुद्रा कहती है — 'मैं यहाँ हूँ, और मैं कहीं नहीं जा रहा।'

बातचीत में वृषभ धीमा और नापा-तुला है। वह तब तक चुप रहेगा जब तक कहने को कुछ ठोस न हो, और जब बोलेगा तो उसकी आवाज़ में अक्सर एक मधुर, गहरी गूँज होगी। कई वृषभ बेहद सुरीला गाते हैं। पार्टी में वह कोने की आरामदेह कुर्सी ढूँढ़ लेता है, अच्छे खाने की मेज़ के पास टिक जाता है, और वहीं से पूरी महफ़िल को मुस्कुराते हुए निहारता रहता है। वह केंद्र में आने के लिए छटपटाता नहीं; लोग खुद उसके पास खिंचे चले आते हैं।

उसके शांत चेहरे को कमज़ोरी मत समझिए। उसकी सहमति को बार-बार खींचने की कोशिश कीजिए, उसकी राय बदलने पर ज़ोर डालिए — और आप देखेंगे कि वह मुस्कुराता तो रहेगा, पर उसका जबड़ा हल्का-सा कस जाएगा, और उत्तर वही रहेगा जो पहले था। यह जिद नहीं, यह उसकी जड़ है। हवा का हर झोंका पेड़ की पत्तियाँ हिला सकता है, पर तना अपनी जगह खड़ा रहता है। वृषभ वही तना है।

व्यक्तित्व

वृषभ की आत्मा का केंद्र है — सुरक्षा। उसे ठोस ज़मीन चाहिए, पक्की छत चाहिए, बैंक में थोड़ी जमा-पूँजी चाहिए, और रिश्तों में भरोसे की वह नींव चाहिए जो हिले न। अनिश्चितता उसे भीतर तक बेचैन कर देती है। इसीलिए वह जल्दबाज़ी में फैसले नहीं लेता; वह हर चीज़ को तौलता है, सूँघता है, छूकर देखता है, और तब आगे बढ़ता है। आपको यह सुस्ती लग सकती है, पर असल में यह उसकी गहरी समझदारी है — वह वही बोता है जो टिकता है।

उसका सबसे बड़ा गुण और सबसे बड़ा दोष एक ही है — स्थिरता। एक बार जो ठान लिया, वह पत्थर की लकीर है। यही उसे वफ़ादार, भरोसेमंद और अटल बनाता है; और यही उसे ज़िद्दी, अनम्य और बदलाव से डरने वाला भी बनाता है। नई राहों से उसे घबराहट होती है। वह पुरानी कमीज़, पुराने दोस्त, और पुराने रास्ते से चिपका रहता है, क्योंकि परिचित चीज़ें उसे सुरक्षित महसूस कराती हैं। उसे आगे बढ़ाने के लिए धक्का नहीं, धैर्य चाहिए।

वृषभ का सबसे गहरा डर है — अभाव। गरीबी, अकेलापन, अस्थिरता — ये उसके दुःस्वप्न हैं। इसीलिए वह संग्रह करता है, बचाता है, जोड़ता है। पर वह कंजूस नहीं; अपने प्रियजनों पर वह खुले दिल से ख़र्च करता है, बस फ़िज़ूलख़र्ची उसे चुभती है। वह व्यावहारिक है, स्वप्नदर्शी नहीं। हवाई किले उसे लुभाते नहीं; वह ईंट-दर-ईंट असली घर बनाना चाहता है। और जब वह बना लेता है, तो उसकी सुंदरता और मज़बूती देखते ही बनती है।

उसके भीतर एक कोमल, स्नेहिल हृदय धड़कता है जिसे वह जल्दी किसी को नहीं दिखाता। बच्चों, जानवरों, बाग़-बग़ीचे और परिवार के लिए उसका प्रेम असीम है। वह दिखावे का प्रेमी नहीं — वह करके दिखाता है। आपके बीमार पड़ने पर वह लंबे भाषण नहीं देगा, चुपचाप गरम सूप बनाकर सिरहाने रख देगा। उसकी भावनाएँ धीमी आँच पर पकती हैं, पर एक बार पक जाएँ तो आजीवन गरम रहती हैं। उसे जीतना कठिन है, पर खोना लगभग असंभव।

वृषभ पुरुष

वृषभ पुरुष प्रेम में जल्दबाज़ी नहीं करता। वह आपको देखता रहेगा, परखता रहेगा, और जब मन बना लेगा तो धीरे-धीरे, पर पूरी निष्ठा से आगे बढ़ेगा। उसका प्रेम-निवेदन कविताओं की आतिशबाज़ी नहीं होता; वह स्थिर, गरम और भरोसेमंद होता है। वह आपको अच्छे रेस्तराँ ले जाएगा, उपहार देगा, और आपके आराम का ख़याल रखेगा। पर एक बार उसने आपको अपना मान लिया, तो उसकी निष्ठा अडिग है — और बदले में वह आपसे भी वैसी ही वफ़ादारी चाहता है, बिना किसी समझौते के।

काम में वह कछुआ है — धीमा पर अटल। वह तेज़ दौड़ने वालों को आराम से पीछे छोड़ देता है, क्योंकि वह कभी रुकता नहीं और कभी हार नहीं मानता। उसे आर्थिक सुरक्षा प्रिय है, इसलिए वह मेहनत से कमाता है और समझदारी से जोड़ता है। उसका अहं शांत है, पर है ज़रूर — उसे सार्वजनिक रूप से नीचा दिखाना, या उसके फ़ैसलों पर भरी महफ़िल में सवाल उठाना, उसे भीतर तक चोट पहुँचाता है, भले ही चेहरे पर वह कुछ न दिखाए।

जीवनसंगिनी में वह स्त्रीत्व, गरमाहट और स्थिरता चाहता है। उसे ऐसी साथी पसंद है जो उसका घर सुंदर बनाए, उसकी सादगी समझे, और उसकी ईर्ष्या को न जगाए — क्योंकि वृषभ पुरुष का स्वामित्व-भाव गहरा है। वह आपको साझा करना पसंद नहीं करता। बदले में वह आपको एक मज़बूत, सुरक्षित और स्नेह से भरा संसार देगा, जहाँ आप निश्चिंत होकर सिर रख सकें। बस उसे नज़रअंदाज़ मत कीजिए, और उसके भरोसे को कभी मत तोड़िए — क्षमा उसके स्वभाव में देर से आती है।

वृषभ स्त्री

वृषभ स्त्री में एक शांत, मोहक गरिमा होती है। वह सौंदर्य की पुजारिन है — उसका घर सुरुचिपूर्ण होगा, उसकी रसोई से उठती ख़ुशबू आपको रोक लेगी, और उसकी उपस्थिति में एक ठंडक होगी जो तूफ़ानों में भी ठहरी रहती है। वह नाटक और हिस्टीरिया से दूर रहती है; मुसीबत में वह घबराकर बिखरती नहीं, बल्कि चट्टान बनकर सबको सँभाल लेती है। उसका प्रेम भड़कीला नहीं, गहरा और स्थायी होता है — एक बार दिया तो जीवन-भर के लिए।

पर इस कोमलता के नीचे वही बैल का स्वभाव है। उसे आदेश देकर, धकेलकर, या डराकर आप कुछ नहीं करा सकते। ज़ोर डालिए और वह अपने पैर ज़मीन में और गहरे गाड़ देगी। उसे स्नेह और धैर्य से जीता जा सकता है, बल से कभी नहीं। वह व्यावहारिक है, पैसे की कद्र जानती है, और हवाई सपनों पर भरोसा नहीं करती। फिर भी उसका रोमानी हृदय अच्छे उपहार, मीठे शब्द और कोमल स्पर्श को गहराई से सराहता है।

वह वफ़ादार है और बदले में पूरी वफ़ादारी चाहती है। उसकी ईर्ष्या शांत पर सच्ची है — उसके साथी का ध्यान किसी और की ओर भटके, तो वह सहती तो जाएगी, पर भूलती नहीं। माँ के रूप में वह बेजोड़ है — पोषण करने वाली, सुरक्षा देने वाली, और बच्चों को व्यावहारिक मज़बूती सिखाने वाली। उसके साथ जीवन कोई आतिशबाज़ी नहीं, बल्कि एक गरम अलाव है — जो शोर नहीं करता, पर उम्र-भर आपको गरमाता रहता है।

वृषभ बालक

वृषभ शिशु प्रायः शांत, गोल-मटोल और संतोषी होता है। वह घंटों चुपचाप खेलता रहेगा, और जब तक भूखा या असहज न हो, शायद ही रोए। पर उसकी ज़िद बचपन से ही प्रकट होती है — जो खिलौना उसने पकड़ लिया, वह उसका है, और छीनने की कोशिश कीजिए तो आप उसके फेफड़ों की ताक़त से परिचित हो जाएँगे। उसे रुटीन प्रिय है; अचानक बदलाव उसे बेचैन कर देता है। उसे प्यार, स्पर्श और सुरक्षा की भरपूर ज़रूरत है।

इस बच्चे को धक्का देकर नहीं, धैर्य से बढ़ाइए। उसे चीज़ें सीखने में समय लगता है, पर एक बार सीख ले तो भूलता नहीं। उसकी जिद से लड़ने के बजाय उसे प्यार से मनाइए — डाँट और ज़ोर उसे और अड़ियल बना देंगे। उसकी सौंदर्य और संगीत की समझ को पोषित कीजिए; उसे बाग़, रंग और मधुर ध्वनियाँ दीजिए। उसे पैसे की क़दर सिखाइए, क्योंकि यह उसकी स्वाभाविक प्रतिभा बनेगी। और सबसे बढ़कर, उसे यह भरोसा दीजिए कि उसका संसार सुरक्षित है।

वृषभ : बॉस के रूप में

वृषभ बॉस तूफ़ानी नेता नहीं, स्थिर आधारशिला होता है। वह बड़े-बड़े वादे नहीं करता, पर जो कहता है वह निभाता है। उसका दफ़्तर सुव्यवस्थित होगा, उसके फ़ैसले सोच-समझकर लिए जाएँगे, और वह जोखिमों से बचकर ठोस ज़मीन पर चलेगा। वह अपने कर्मचारियों के प्रति उदार और सुरक्षात्मक है — आपका भला चाहता है, आपके वेतन का ख़याल रखता है। पर उसे जल्दबाज़ी और लापरवाही से चिढ़ है; उसके सामने 'शॉर्टकट' का नाम मत लीजिए।

उसे क्रोधित करना कठिन है, पर असंभव नहीं — और जब वह भड़कता है, तो दफ़्तर हिल जाता है। उसकी सबसे बड़ी अपेक्षा है वफ़ादारी और मेहनत। चापलूसी उस पर ज़्यादा असर नहीं करती; उसे परिणाम चाहिए, ठोस और टिकाऊ। उसके सामने धैर्य रखिए, उसकी रफ़्तार का सम्मान कीजिए, और उसकी व्यवस्था को मत उलटिए। बदले में वह आपको एक स्थिर, सुरक्षित और भरोसेमंद नौकरी देगा, जहाँ आप वर्षों निश्चिंत होकर टिक सकते हैं।

वृषभ : कर्मचारी के रूप में

वृषभ कर्मचारी हर मालिक का सपना है — मेहनती, टिकाऊ और भरोसेमंद। वह घड़ी देखकर भागने वालों में से नहीं; जो काम सौंपा गया, उसे वह पूरी निष्ठा से, अंत तक करेगा। वह चमक-दमक नहीं दिखाता, पर वह वही खंभा होता है जिस पर पूरा विभाग टिका रहता है। उसे बार-बार नौकरी बदलना पसंद नहीं; वह एक जगह जड़ें जमाकर वहीं तरक़्क़ी करना चाहता है। उसकी विश्वसनीयता ही उसकी सबसे बड़ी पूँजी है।

पर उसे हड़बड़ी में मत डालिए और उसकी रफ़्तार का सम्मान कीजिए। उसे अंतिम क्षण के तनाव से घृणा है। उसकी मेहनत को सराहिए, उसकी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित कीजिए, और उसे ठोस ज़िम्मेदारी दीजिए — वह सोना उगल देगा। पर उसे बेवजह तंग कीजिए, उसका हक़ मारिए, या उसे बार-बार धकेलिए, तो वह सिर झुका लेगा। तब न प्रलोभन काम आएगा, न धमकी। एक बार उसका मन उतर गया, तो उसे वापस मनाना लगभग नामुमकिन है।

प्रेम और विवाह

वृषभ प्रेम को हल्के में नहीं लेता। उसके लिए यह कोई मौसमी खेल नहीं, बल्कि जीवन-भर का करार है। वह धीरे-धीरे प्यार में उतरता है, पर एक बार उतर गया तो पूरी आत्मा से। उसका प्रेम ठोस है — आप उसे छू सकते हैं, उस पर टिक सकते हैं। वह आपको सुरक्षा देगा, आराम देगा, गरमाहट देगा। उसे आडंबर नहीं, सच्चाई चाहिए। बनावटी नख़रे और जलन भरे खेल उससे मत खेलिए; वह सीधेपन और निष्ठा की भाषा समझता है।

उसे जीतकर रखने का रहस्य सरल है — उसे सुरक्षित महसूस कराइए। उसके भरोसे को कभी मत तोड़िए, उसे दूसरों के साथ साझा करने पर मजबूर मत कीजिए, और उसकी इंद्रियों को सहलाइए। अच्छा भोजन पकाइए, घर को सुंदर रखिए, उसे स्पर्श और स्नेह दीजिए। उसकी प्रशंसा कीजिए, पर सच्ची। उसकी धीमी रफ़्तार को कोसिए मत; उसकी स्थिरता ही आपका सबसे बड़ा सहारा बनेगी। बस उसे यह विश्वास दीजिए कि आप कहीं नहीं जा रहीं।

पर सावधान रहिए उसकी दो कमज़ोरियों से। पहली — उसका स्वामित्व-भाव, जो कभी-कभी दम घोंटने लगता है; उसे प्यार से समझाइए कि भरोसा ही प्रेम की जड़ है। दूसरी — उसकी ज़िद और जड़ता, जो रिश्ते को ठहरा हुआ बना सकती है। उसे कोमलता से नई राहों की ओर खींचिए, धकेलिए मत। उसका क्रोध दुर्लभ है पर भयानक — उसे उस सीमा तक मत ले जाइए। उसे प्रेम और धैर्य से सींचिए, और वह आपको ऐसी निष्ठा देगा जो जीवन की हर आँधी झेल जाएगी।

स्वास्थ्य

वृषभ की देह आम तौर पर मज़बूत और सहनशील होती है — वह जल्दी बीमार नहीं पड़ता, पर जब पड़ता है तो ठीक होने में समय लेता है। उसका संवेदनशील क्षेत्र प्रायः गला, गर्दन और कंठ माना जाता है, इसलिए मौसम बदलने पर इन्हें गरम रखना उसके लिए सुखद रहता है। उसका आराम और स्वादिष्ट भोजन के प्रति प्रेम कभी-कभी आलस्य और अधिक भोजन की ओर खींच ले जाता है, जिससे वज़न और सुस्ती की प्रवृत्ति बढ़ सकती है।

उसके लिए सबसे अच्छी आदत है — नियमित गति। थोड़ी रोज़ की सैर, बाग़बानी, हल्का व्यायाम उसकी देह और मन दोनों को संतुलित रखते हैं, क्योंकि वह स्वभाव से प्रकृति के निकट है। संतुलित भोजन और थोड़ा संयम उसके लिए वरदान है। भावनात्मक रूप से उसे चिंताओं को भीतर दबाने के बजाय बाहर निकालना सीखना चाहिए, और अपने प्रिय संगीत व सौंदर्य में सुकून ढूँढ़ना चाहिए। यह सामान्य सलाह है; किसी भी स्वास्थ्य समस्या में योग्य चिकित्सक से ही परामर्श लें।

> प्रसिद्ध हस्तियाँ: रवींद्रनाथ टैगोर, सत्यजित राय, मेहदी हसन, विलियम शेक्सपियर, क्वीन एलिज़ाबेथ द्वितीय, ऑड्रे हेपबर्न।

खूबियाँ

- अटल धैर्य
- गहरी वफ़ादारी
- व्यावहारिक समझ
- स्थिरता और भरोसा
- मेहनती स्वभाव
- सौंदर्य की पारखी दृष्टि
- शांत सहनशीलता

सावधानियाँ

- हठीला स्वभाव
- बदलाव से डर
- स्वामित्व-भाव
- भावनाओं में जड़ता
- आराम-प्रियता और आलस्य
- दुर्लभ पर भयानक क्रोध
- भौतिक वस्तुओं से अति-लगाव

धैर्य आपकी ताक़त है, पर जड़ता आपका बंधन — जड़ें गहरी रखिए, मगर डालियों को नई हवाओं में लहराने दीजिए।

राशि 3

मिथुन

Gemini • जुड़वाँ (The Twins)

तिथि	21 मई – 20 जून
तत्व	वायु
स्वामी ग्रह	बुध
स्वभाव	द्विस्वभाव (Mutable)
शुभ रंग	पीला, हरा
शुभ अंक	5

मिथुन से मिलना ऐसा है जैसे एक ही व्यक्ति से एक साथ दो लोगों से बात करना। अभी वह आपके सामने मुस्कुराते हुए कह रहा था कि उसे पहाड़ बहुत प्रिय हैं, और अगली ही साँस में वह समुद्र के किनारे बसने के सपने बुन रहा होगा। आप उलझन में पड़ जाएँगे, पर वह बिलकुल नहीं। उसके भीतर दो जुड़वाँ बैठे हैं — एक जो बोलता है, और एक जो उसी समय कुछ और सोचता है। इसी से उसकी हर बात में एक चमक, एक हल्की-सी शरारत और एक बेचैन-सी जिंदादिली घुली रहती है।

बुध इसका स्वामी है, इसलिए शब्द इसके खिलौने हैं। मिथुन बातों से खेलता है जैसे बच्चा रंगीन गेंदों से। वह आपको हँसा देगा, फिर सोचने पर मजबूर कर देगा, फिर अचानक विषय बदलकर किसी और दुनिया में ले जाएगा। उसकी जुबान तेज़ है, दिमाग उससे भी तेज़, और दोनों की दौड़ में अक्सर वह खुद भी पीछे रह जाता है। वायु तत्व उसे हल्कापन देता है — वह कहीं टिकता नहीं, हवा की तरह हर खिड़की से अंदर आता है और हर दरवाज़े से निकल जाता है, बिना किसी पर बोझ बने।

इसे समझना आसान नहीं, क्योंकि जिस पल आप सोचते हैं कि अब समझ गए, वही पल उसके बदलने का होता है। पर यही उसका जादू है। वह कभी उबाऊ नहीं होता, कभी ठहरा हुआ नहीं लगता। उसके साथ बिताया हर घंटा एक नई कहानी होती है। आप शिकायत कर सकते हैं कि वह स्थिर नहीं, पर यह भी सच है कि उसके बिना ज़िंदगी कुछ फीकी, कुछ धीमी-सी लगने लगती है। मिथुन वसंत की वह हवा है जो आपको याद दिलाती है कि दुनिया अभी ख़त्म नहीं हुई।

कैसे पहचानें

मिथुन को भीड़ में पहचानना मुश्किल नहीं। वह वही है जिसके हाथ बोलते समय हवा में नाचते रहते हैं, जिसकी आँखें कमरे के एक कोने से दूसरे कोने तक फुर्ती से घूमती हैं, मानो कुछ छूट न जाए। उसका शरीर अक्सर छरहरा, हरकतें तेज़ और चंचल होती हैं। बैठा भी हो तो पैर हिलता रहेगा, उँगलियाँ मेज़ पर ताल देती रहेंगी। एक जगह स्थिर बैठना उसके लिए सज़ा है। चेहरे पर एक सजग, जिज्ञासु-सी चमक रहती है, जैसे वह हर वक्त किसी नई बात की टोह में हो।

किसी पार्टी में मिथुन को ढूँढिए — वह कभी एक कोने में चुपचाप खड़ा नहीं मिलेगा। वह यहाँ दो मिनट, वहाँ तीन मिनट, हर समूह में थोड़ी देर रुककर बात छेड़ता, हँसी बिखेरता आगे बढ़ता रहेगा। वह नामों, चेहरों और किस्सों को आश्चर्यजनक तेज़ी से याद रखता है। आप पाएँगे कि उसने पूरे कमरे की नब्ज़ पकड़ ली है जबकि आप अभी अपना पहला घूँट ही पी रहे थे। पर ध्यान से देखिए — बीच-बीच में उसकी आँखों में एक दूरी-सी झलकती है, मानो वह यहाँ होकर भी कहीं और हो।

उसकी बातचीत में विषय ऐसे बदलते हैं जैसे रेडियो के स्टेशन। एक वाक्य राजनीति का, अगला किसी फ़िल्म का, फिर अचानक किसी पुरानी याद का। वह अधूरे वाक्य छोड़ देता है क्योंकि दिमाग पहले ही अगली बात पर पहुँच चुका होता है। उसकी हँसी हल्की और बार-बार आने वाली होती है। अगर कोई उसे बहुत देर तक एक ही गंभीर विषय में बाँधे रखे, तो आप उसके चेहरे पर बेचैनी की हल्की लकीरें देख सकते हैं — वह छटपटाने लगता है, जैसे पिंजरे में बंद कोई चिड़िया।

व्यक्तित्व

मिथुन का सबसे बड़ा सच यही है कि उसके भीतर दो लोग रहते हैं, और दोनों अक्सर एक-दूसरे से असहमत रहते हैं। एक हिस्सा रोमांच चाहता है, दूसरा सुरक्षा। एक आज ही सब कुछ बदल देना चाहता है, दूसरा पुरानी आदतों से चिपका रहता है। इसी आंतरिक खींचतान से उसका स्वभाव बनता है — वह आपसे किया वादा सच्चे मन से करता है, पर मूड बदलते ही उसे निभाना भूल भी सकता है। यह झूठ नहीं, यह उसकी दोहरी प्रकृति है। उसे समझने के लिए आपको उसके दोनों चेहरों को एक साथ अपनाना होगा।

उसकी प्रेरणा हमेशा जानने की भूख से आती है। मिथुन को नई जानकारी, नए लोग, नए अनुभव चाहिए — पैसे या शोहरत से ज़्यादा। वह किसी विषय में गहरे उतरने के बजाय दस विषयों की सतह छूकर आगे बढ़ता है, और हैरानी की बात यह कि वह हर एक के बारे में दिलचस्प ढंग से बात कर लेता है। उसका दिमाग एक खुली खिड़की है जिससे हर हवा आती-जाती रहती है। पर यही उसकी कमज़ोरी भी है — वह शुरू बहुत करता है, पूरा थोड़ा-सा करता है, और बीच-अधूरे कामों का ढेर पीछे छोड़ता जाता है।

उसका सबसे गहरा डर है — ऊब। नीरसता उसके लिए मौत के समान है। एक जैसी दिनचर्या, एक जैसे चेहरे, एक जैसी बातें — इनसे वह घुटने लगता है। इसी डर से बचने के लिए वह लगातार बदलाव खोजता है, कभी नौकरी, कभी शहर, कभी रिश्ते। दूसरों को यह चंचलता या गैर-ज़िम्मेदारी लग सकती है, पर असल में यह उसके भीतर की एक बेचैन ऊर्जा है जिसे ठहराव बर्दाश्त नहीं। उसे ठहरना नहीं, बहना आता है, और वह बहते रहने में ही अपनी सबसे सच्ची ख़ुशी पाता है।

तर्क के मामले में मिथुन का कोई सानी नहीं। वह बहस में आपको ऐसे घुमा देगा कि आप अपनी ही बात से उलट जाएँगे, और हँसते हुए मान भी जाएँगे। पर भावनाओं की गहराई में उतरना उसके लिए कठिन है। वह दिमाग से जीता है, दिल से कम। जब दर्द बहुत गहरा हो, तो वह मज़ाक की ओट में छिप जाता है, क्योंकि भावनाओं का सामना करने से ज़्यादा आसान उसे उन पर हँस देना लगता है। उसकी असली कोमलता को देखने के लिए आपको उसके शब्दों के पीछे झाँकना सीखना होगा।

मिथुन पुरुष

मिथुन पुरुष एक पहेली है जिसे सुलझाते-सुलझाते आप थक जाएँगे, पर उससे बोर कभी नहीं होंगे। वह आकर्षक, बातूनी और बेहद बुद्धिमान होता है। उसकी बातों में ऐसा रस होता है कि औरतें खिंची चली आती हैं। पर सावधान — आज जो वह आपसे प्रेम के वादे कर रहा है, उसमें कल थोड़ी ठंडक आ सकती है। यह बेवफ़ाई नहीं, उसके मन के दो हिस्सों की लड़ाई है। उसे बाँधने का तरीका एक ही है — उसे कभी ऊबने मत दीजिए, और कभी पूरी तरह पकड़ में मत आइए।

पैसे के मामले में वह उदार भी है और लापरवाह भी। आज वह आप पर खुले हाथ खर्च करेगा, कल किसी नई किताब या गैजेट पर सब उड़ा देगा। बचत और योजना उसकी मजबूती नहीं। वह वर्तमान में जीता है और भविष्य की चिंता को टालता रहता है। काम में वह तब तक शानदार है जब तक उसमें नयापन और चुनौती हो; ऊबते ही उसका मन उचट जाता है। आदर्श रूप से उसे ऐसा जीवनसाथी चाहिए जो व्यावहारिक हो और घर की डोर थामे रख सके, जबकि वह सपनों की उड़ान भरता रहे।

अपमान पर मिथुन पुरुष की प्रतिक्रिया दिलचस्प होती है। वह चिल्लाएगा नहीं, मुक्के नहीं तानेगा। वह शब्दों के तीर चलाएगा — इतने तीखे और इतने सटीक कि सामनेवाला बहुत देर तक तिलमिलाता रहे। उसका हथियार जुबान है, और वह इसका इस्तेमाल माहिर तलवारबाज़ की तरह करता है। पर गुस्सा उसका टिकाऊ नहीं — थोड़ी देर बाद वह सब भूलकर फिर हँसने-बोलने लगेगा, मानो कुछ हुआ ही न हो। बैर पालना उसके स्वभाव में नहीं; उसका मन इतनी तेज़ी से आगे बढ़ता है कि पुरानी कड़वाहट के लिए वहाँ जगह ही नहीं बचती।

मिथुन स्त्री

मिथुन स्त्री एक चमकती हुई रोशनी है — कभी इस रंग में, कभी उस रंग में। वह बुद्धिमान, हाज़िरजवाब और मनमोहक होती है। उसके साथ बातचीत कभी ख़त्म नहीं होती, क्योंकि उसके पास हर विषय पर कुछ न कुछ ताज़ा कहने को होता है। वह सुंदर भी हो सकती है और सादी भी, पर उसकी असली कशिश उसके दिमाग में है। जो पुरुष सिर्फ़ रूप देखता है, वह उसे समझ नहीं पाएगा। उसे चाहिए कोई ऐसा साथी जो उसके मन से प्रेम करे, उसकी उड़ान को कैद न समझे।

उसके कई रूप होते हैं और वह हर रूप में सच्ची होती है। एक दिन वह गृहिणी की तरह घर सँवारेगी, अगले दिन किसी कविता-गोष्ठी में खोई मिलेगी, फिर किसी नए काम में डूब जाएगी। उसे एक खाँचे में बाँधने की कोशिश मत कीजिए — वह उसी पल फिसल जाएगी। ईर्ष्या और कब्ज़े

की भावना उसका दम घोंट देती है। पर अगर आप उसे आज़ादी दें, उसकी जिज्ञासा का सम्मान करें, तो वह आपके जीवन में रंगों का ऐसा इंद्रधनुष भर देगी जिसकी आपने कल्पना भी न की होगी।

माँ के रूप में मिथुन स्त्री दोस्त ज़्यादा, अनुशासन देने वाली कम होती है। वह बच्चों के सवालों का जवाब धैर्य से देगी, उनके साथ खेलेगी, उन्हें किस्से सुनाएगी और हज़ार चीज़ें सिखाएगी। पर दिनचर्या और रोज़मर्रा की नीरस ज़िम्मेदारियाँ उसे थका देती हैं। घर में थोड़ी अव्यवस्था हो सकती है, पर वहाँ हँसी, किताबें और बातचीत की कोई कमी नहीं होगी। उसके बच्चे शायद समय पर खाना न पाएँ, पर वे दुनिया को सवालिया निगाह से देखना ज़रूर सीख जाएँगे।

मिथुन बालक

मिथुन बच्चा घर में एक छोटा-सा बवंडर होता है — फुर्तीला, बातूनी और हमेशा कुछ नया जानने को बेचैन। वह जल्दी बोलना सीखता है और फिर रुकता नहीं। उसके सवालों की झड़ी कभी ख़त्म नहीं होती — 'यह क्यों, वह कैसे, अगर ऐसा हो तो क्या'। एक खिलौने से वह जल्दी ऊब जाता है, इसलिए उसे एक नहीं, कई तरह की चीज़ों की ज़रूरत होती है। उसका दिमाग स्पंज की तरह सब सोख लेता है, पर एकाग्रता उसकी कमज़ोरी है — वह एक काम पूरा होने से पहले दूसरे में कूद पड़ता है।

इसे पालने का सबसे अच्छा तरीका है उसके दिमाग को लगातार खुराक देना — किताबें, पहेलियाँ, कहानियाँ, नई-नई बातें। उसे डाँट-फटकार से नहीं, तर्क और बातचीत से समझाइए, क्योंकि वह बहुत समझदार होता है। उसे एक काम पूरा करना सिखाना सबसे बड़ी चुनौती होगी, पर सबसे ज़रूरी भी। अगर बचपन में ही उसे थोड़ा ठहराव और अनुशासन सिखा दिया जाए, तो उसकी बिखरी प्रतिभा एक तेज़ धार में बदल सकती है। उसे कभी कैद महसूस न होने दें, पर दिशा ज़रूर दें।

मिथुन : बॉस के रूप में

मिथुन बॉस एक ऐसा मालिक है जिसके दफ़्तर में कभी सन्नाटा नहीं रहता। वह तेज़ बोलता है, तेज़ सोचता है और चाहता है कि उसके आसपास सब कुछ उतनी ही तेज़ी से चले। उसके पास हर रोज़ एक नया विचार होगा, और कभी-कभी इतने सारे कि अधीनस्थ उलझ जाएँ कि किस पर अमल करें। वह औपचारिकता से ज़्यादा खुलेपन को पसंद करता है, और एक अच्छे विचार की क़द्र करता है, चाहे वह सबसे जूनियर कर्मचारी से ही क्यों न आया हो। उसके साथ काम करना थका देने वाला, पर कभी उबाऊ नहीं।

उसकी कमज़ोरी यह है कि वह एक योजना पर ज़्यादा देर टिक नहीं पाता। आज जिस परियोजना को लेकर वह उत्साहित था, हफ़्ते भर बाद उसका मन किसी और दिशा में भाग सकता है। इसलिए उसकी टीम में किसी एक स्थिर व्यक्ति का होना ज़रूरी है जो शुरू किए कामों को अंजाम तक पहुँचाए। पर मिथुन बॉस की खूबी यह है कि वह बदलते वक्त को सबसे पहले भाँप लेता है। जब बाक़ी लोग पुराने ढर्रे में फँसे होते हैं, वह नई राह पहले ही खोज चुका होता है।

मिथुन : कर्मचारी के रूप में

एक कर्मचारी के रूप में मिथुन तब तक अनमोल है जब तक उसका काम उसे चुनौती देता रहे और बदलता रहे। उसे एक ही ढर्रे का दोहराव वाला काम दे दीजिए, और वह कुछ ही दिनों में मुरझा जाएगा, उसका दिमाग खिड़की के बाहर भटकने लगेगा। पर उसे विविधता दीजिए — कई काम, कई लोग, कई विचार — और वह कमाल कर दिखाएगा। वह जल्दी सीखता है, अच्छा लिखता-बोलता है, और लोगों से तालमेल बिठाने में माहिर है। बिक्री, पत्रकारिता, शिक्षण, संचार जैसे क्षेत्र उसके लिए बने हैं।

उससे यह उम्मीद मत कीजिए कि वह सुबह नौ से शाम पाँच तक एक ही मेज़ पर सिर झुकाए बैठा रहेगा। उसे थोड़ी आज़ादी, थोड़ी आवाजाही चाहिए। वह अधूरे काम छोड़ने का आदी है, इसलिए उसके ऊपर किसी ऐसे व्यक्ति की निगरानी फ़ायदेमंद रहती है जो उसे अंत तक पहुँचने में मदद करे। पर जहाँ बात विचारों, संपर्कों और शब्दों की हो, वहाँ कोई उसका मुक़ाबला नहीं कर सकता। उसे प्रोत्साहन और तारीफ़ खूब भाती है — एक अच्छी बात कह दीजिए, और वह दुगुने उत्साह से जुट जाएगा।

प्रेम और विवाह

मिथुन से प्रेम करना एक रोमांचक खेल खेलने जैसा है, जहाँ नियम हर दिन बदलते हैं। वह प्रेम में दिमाग से उतरता है, दिल से बाद में। उसे ऐसा साथी चाहिए जो उसका बौद्धिक बराबरीदार हो, जिसके साथ वह घंटों बातें कर सके। केवल रूप या भावनाएँ उसे ज़्यादा देर नहीं बाँध सकतीं।

शुरुआती दिनों में वह बेहद रोमांटिक और चौकस होता है, पर एक बार दिनचर्या आते ही वह बेचैन हो सकता है। उसे जीतने का रहस्य है — हमेशा थोड़ा रहस्य बचाकर रखना, ताकि वह आपको खोजता ही रहे।

विवाह में उसकी सबसे बड़ी परीक्षा है — स्थिरता। उसका मन भटकता है, और कभी-कभी यह भटकाव सिर्फ़ कल्पना तक रहता है, तो कभी आगे बढ़ जाता है। पर इसका मतलब यह नहीं कि वह प्रेम नहीं करता; उसका प्रेम बस ठहरे हुए पानी की तरह नहीं, बहती नदी की तरह होता है। अगर आप उसे जकड़ने की कोशिश करेंगे, वह छटपटाएगा। पर अगर आप उसे आज़ादी के साथ अपनापन दें, उसकी हर नई दिलचस्पी में साथ चलें, तो वह जीवन भर का सबसे दिलचस्प साथी बन सकता है।

मिथुन के साथ रिश्ते में कभी नीरसता नहीं आती, बशर्ते आप उसकी गति के साथ चलना सीख लें। वह आपको हँसाएगा, चौंकाएगा, कभी झुँझलाएगा भी। झगड़े में वह तर्कों की बौछार कर देगा, पर बैर नहीं पालेगा — अगली सुबह सब भूलकर फिर मुस्कुरा देगा। उसकी कोमलता उसके मज़ाक की परतों के नीचे छिपी रहती है, और जो उसे ढूँढ निकालता है, उसे एक ऐसा प्रेमी मिलता है जो कभी बूढ़ा नहीं होता, जिसका दिल और दिमाग आख़िर तक एक जिज्ञासु बच्चे जैसा बना रहता है।

स्वास्थ्य

मिथुन की ऊर्जा उसके दिमाग से आती है, और यही उसकी सेहत की कुंजी भी है और चुनौती भी। उसका मन इतना तेज़ दौड़ता है कि शरीर कभी-कभी पीछे छूट जाता है। बेचैनी, बिखरी हुई नींद और थकान उसकी आम शिकायतें हैं, क्योंकि वह आराम के समय भी सोचना बंद नहीं करता। उसके लिए सबसे ज़रूरी है मन को थोड़ी देर के लिए शांत करना सीखना — गहरी साँसें, थोड़ा ध्यान, या बस एक शांत सैर। जब दिमाग को विश्राम मिलता है, तो उसका पूरा शरीर खिल उठता है।

वायु तत्व का प्रभाव उसके श्वसन और तंत्रिका तंत्र पर पड़ता है, इसलिए ताज़ी हवा और नियमित दिनचर्या उसके लिए बहुत लाभकारी है। उसे एक जगह बैठे-बैठे काम करने के बजाय बीच-बीच में हलचल चाहिए। संतुलित भोजन, पर्याप्त नींद और हाथों-कंधों की हल्की कसरत उसे चुस्त रखती है। सबसे बड़ी सलाह यही है कि वह एक काम पूरा करके ही दूसरे में हाथ डाले, ताकि अधूरेपन का मानसिक बोझ उसकी ऊर्जा न सोखे। शांत मन ही मिथुन की असली दवा है।

> प्रसिद्ध हस्तियाँ: राम मनोहर लोहिया, करण जौहर, अंजेलिना जोली, मर्लिन मनरो, बॉब डिलन, पॉल मेकार्टनी

खूबियाँ

- तेज़ और चपल बुद्धि
- बेहतरीन वक्ता और लेखक
- हाज़िरजवाब और मज़ाकिया
- जल्दी सीखने वाला
- हर माहौल में ढल जाने वाला
- जिज्ञासु और खुले विचारों वाला
- लोगों से तुरंत घुलने-मिलने वाला

सावधानियाँ

- मन का चंचल और अस्थिर होना
- काम अधूरे छोड़ देना
- जल्दी ऊब जाना
- एकाग्रता की कमी
- कभी-कभी दोहरी बातें करना
- भावनाओं से कतराना
- बेचैनी और छटपटाहट

हवा की तरह बहो ज़रूर, पर कभी-कभी ठहरकर एक काम को पूरा भी कर लो — तभी तुम्हारी प्रतिभा धार पकड़ेगी।

राशि 4

कर्क

Cancer • केकड़ा (The Crab)

तिथि	21 जून – 22 जुलाई
तत्व	जल
स्वामी ग्रह	चंद्रमा
स्वभाव	चर (Cardinal)
शुभ रंग	सफ़ेद, चाँदी
शुभ अंक	2, 7

क्या आपने कभी किसी ऐसे व्यक्ति को देखा है जो भरी महफ़िल में ज़ोर से हँस रहा हो, और अगले ही पल खिड़की के बाहर चाँद को ऐसे निहारने लगे जैसे कोई पुरानी, भूली हुई बात याद आ गई हो? जिसकी आँखें एक मिनट पहले शरारत से चमक रही थीं और अब हल्की नम हैं? अगर हाँ, तो ज़रा रुकिए — आपकी मुलाक़ात बहुत संभव है किसी कर्क राशि वाले से हुई है। ये लोग समुद्र की लहरों की तरह हैं, कभी ऊपर, कभी नीचे, पर भीतर हमेशा गहरे।

कर्क का प्रतीक केकड़ा है, और यह संयोग नहीं है। केकड़े की पीठ पर कठोर खोल होता है, पर भीतर का माँस नरम और कोमल। ठीक यही बात आपके कर्क मित्र पर भी लागू होती है। बाहर से वह रूखा, सतर्क, थोड़ा खींचा-खींचा सा लग सकता है — मानो कह रहा हो 'मुझे छुओ मत'। पर जिस दिन वह आप पर भरोसा कर ले, उस दिन आप पाएँगे कि इस खोल के नीचे दुनिया का सबसे स्नेही, सबसे देखभाल करने वाला दिल धड़क रहा था, जो आपकी ज़रा सी ठेस पर भी काँप उठता है।

इन पर चंद्रमा का शासन है — वही चाँद जो घटता है, बढ़ता है, और समुद्र के ज्वार-भाटे को अपनी उँगलियों पर नचाता है। इसलिए कर्क का मन भी चाँद की तरह बदलता रहता है। सुबह वह राजा होता है, दोपहर तक संन्यासी, और शाम ढलते-ढलते किसी कोने में बैठा एक भावुक कवि। इसे चंचलता मत समझिए। यह तो उनके भीतर बहता वह जल-तत्व है जो किसी एक रूप में बँधना ही नहीं जानता। उन्हें समझना है तो पहले लहरों की भाषा सीखनी होगी।

कैसे पहचानें

कर्क राशि वालों को पहचानना है? तो सबसे पहले उनकी आँखों में झाँकिए। वे आँखें अक्सर गोल, नम और थोड़ी स्वप्निल होती हैं — मानो किसी दूर की चीज़ देख रही हों जो आपको दिखाई नहीं देती। उनका चेहरा गोलाई लिए, चाँद जैसा भरा-भरा हो सकता है, और मुस्कान में एक झिझक रहती है, जैसे वे पूरी तरह खुलने से पहले आपको परख रहे हों। और हाँ, उनकी चाल पर ग़ौर कीजिए — सीधी रेखा में नहीं, बल्कि केकड़े की तरह थोड़ा तिरछी, थोड़ा घुमावदार, सीधे निशाने पर वार करने के बजाय किनारे से आती हुई।

बातचीत में आप एक और चीज़ देखेंगे। कर्क व्यक्ति सीधे 'हाँ' या 'नहीं' कहने से कतराता है। पूछिए कि खाने में क्या बनाऊँ, तो जवाब आएगा 'जो तुम्हें ठीक लगे'। पर ध्यान रहे — भीतर ही भीतर उसकी पसंद बिल्कुल पक्की है, बस वह सामने वाले को नाराज़ नहीं करना चाहता। वह पैसे का भी अद्भुत हिसाबी होता है; पुरानी रसीदें, बचपन की चिट्ठियाँ, टूटे खिलौने — सब सँभालकर रखता है। उसकी अलमारी खोलिए तो वहाँ बीते कल का पूरा संग्रहालय मिलेगा।

और सबसे बड़ी पहचान — खाना और घर। किसी कर्क के घर जाइए, और वह आपको बिना खिलाए-पिलाए जाने नहीं देगा; उसके लिए स्नेह बाँटने का सबसे सच्चा रास्ता रसोई से होकर गुज़रता है। 'माँ' का ज़िक्र आते ही उसकी आवाज़ नरम पड़ जाती है। अगर आपने किसी को पुराने गाने पर भावुक होते, बीते बचपन की बात पर आँखें भिगोते, और साथ ही पैसे-कौड़ी में बेहद चतुर देखा हो — तो समझ लीजिए, आपके सामने एक खाँटी कर्क बैठा है।

व्यक्तित्व

कर्क व्यक्ति की पहली और सबसे बड़ी विशेषता है उसकी संवेदनशीलता। वह दुनिया को त्वचा से नहीं, बल्कि सीधे दिल से महसूस करता है। किसी की एक कड़वी बात उसके भीतर हफ़्तों गूँजती रहती है, और एक नन्ही सी तारीफ़ उसका पूरा दिन रोशन कर देती है। यही कोमलता उसकी सबसे बड़ी ताक़त भी है और सबसे बड़ी कमज़ोरी भी। जब वह आहत होता है, तो लड़ता नहीं — चुपचाप अपने खोल में सिमट जाता है, और तब उसे बाहर खींचने के लिए दुनिया भर का प्यार भी कभी-कभी कम पड़ जाता है।

इन्हें सुरक्षा से गहरा लगाव है — आर्थिक, भावनात्मक, हर तरह की। कर्क व्यक्ति भविष्य की चिंता में आज का सुख कुर्बान कर सकता है। वह बारिश से पहले छाता खरीद लेता है, बुढ़ापे के लिए जवानी में ही बचत करने लगता है। पैसा उसे लालच के लिए नहीं, बल्कि उस अदृश्य भय से बचने के लिए चाहिए कि कहीं कल खाली हाथ न रह जाए। यही कारण है कि कर्क लोग अक्सर बेहद मितव्ययी होते हैं, पर अपनों के लिए, ख़ास मौक़े पर, वही हाथ खुलकर खर्च भी कर देते हैं।

स्मृति कर्क का सबसे बड़ा खज़ाना है और सबसे भारी बोझ भी। यह राशि अतीत में जीती है। बीते हुए दिन, पुराने रिश्ते, बचपन का घर, दादी के हाथ का अचार — सब कुछ इसके भीतर ज्यों का त्यों सँभला रहता है। यह अच्छी बातें भी याद रखती है और चोटें भी। किसी ने दस साल पहले जो कहा था, कर्क उसे आज भी अक्षरशः दोहरा सकता है। इसलिए इनसे रिश्ता निभाते समय शब्दों का ध्यान रखिए — आप भूल जाएँगे, पर ये नहीं भूलेंगे।

पर इस भावुक, सिमटे हुए स्वभाव के नीचे एक अद्भुत दृढ़ता छिपी है। चर राशि होने के कारण कर्क में नेतृत्व का बीज है, बस उसका तरीक़ा अलग है। वह सामने से आक्रमण नहीं करता, किनारे से, धैर्य से, चुपचाप अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता है — ठीक केकड़े की तरह जो शिकार को सीधे नहीं, घेरकर पकड़ता है। एक बार जिस चीज़ पर इसकी पकड़ बन गई, उसे छुड़ाना मुश्किल है। यही कोमल ज़िद कर्क को लहरों जैसा कमज़ोर दिखने के बावजूद चट्टान जैसा मज़बूत बना देती है।

कर्क पुरुष

कर्क पुरुष को समझना किसी पहेली को सुलझाने जैसा है। एक पल वह आपके सामने दिल खोलकर हँस रहा होगा, अगले पल अचानक चुप, गंभीर और दूर — और आप सिर खुजाते रह जाएँगे कि आख़िर हुआ क्या। दरअसल कुछ हुआ नहीं होता, बस उसके भीतर का चाँद अपनी कला बदल रहा होता है। वह बेहद महत्वाकांक्षी है, पर अपनी महत्वाकांक्षा को शोर मचाकर नहीं जताता। वह चुपचाप, बरसों की मेहनत से अपना साम्राज्य खड़ा करता है, और एक दिन आप पाते हैं कि यह शर्मीला सा आदमी कब इतनी ऊँचाई पर पहुँच गया।

इस पुरुष के दिल में दो स्त्रियाँ हमेशा सर्वोच्च स्थान पर रहती हैं — एक उसकी माँ, और दूसरी वह जिसे वह अपना घर सौंपता है। वह घर से बेहद जुड़ा होता है; उसके लिए दुनिया की सबसे सुंदर जगह उसकी अपनी रसोई की महक और परिवार की हँसी से भरा कमरा है। प्रेमी के रूप में वह सतर्क है, जल्दी भरोसा नहीं करता, और प्रस्ताव रखने से पहले सौ बार सोचता है। पर जिस दिन उसने दिल दे दिया, उस दिन वह जीवन भर का साथी बन जाता है — वफ़ादार, देखभाल करने वाला, और थोड़ा अधिकार जताने वाला भी।

उसकी एक आदत आपको कभी-कभी झुँझला सकती है — उसका मूड। ज़रा सी असुरक्षा महसूस होते ही वह अपने खोल में चला जाता है और रूठ जाता है, पर बताएगा कुछ नहीं। ऐसे में उससे ज़बरदस्ती सवाल मत कीजिए; बस उसे थोड़ा स्नेह, थोड़ा गरम खाना और यह भरोसा दिला दीजिए कि आप कहीं नहीं जा रहे — और देखिए, केकड़ा फिर से अपने खोल से बाहर निकल आएगा, पहले से भी ज़्यादा कोमल। उसकी रक्षात्मक प्रवृत्ति को बंधन मत समझिए; यह उसके गहरे प्रेम का ही दूसरा नाम है।

कर्क स्त्री

कर्क स्त्री में चाँद की पूरी रहस्यमयता बसती है। वह कोमल है, स्वप्निल है, और भीतर ही भीतर अद्भुत रूप से मज़बूत। उसकी आँखों में आपको एक साथ मासूमियत और गहराई दोनों मिलेंगी। वह जल्दी भावुक हो जाती है — कोई भावुक फ़िल्म, कोई पुराना गीत, या किसी अपने की हल्की सी उपेक्षा, और उसकी पलकें भीग जाती हैं। पर इस कोमलता को कमज़ोरी समझने की भूल मत कीजिए; जब बात अपने परिवार या अपनी संतान की आती है, तो यही नाज़ुक स्त्री शेरनी बन जाती है, जिससे टकराना किसी के बस की बात नहीं।

घर इस स्त्री का मंदिर है और वह उसकी पुजारिन। वह घर को सिर्फ़ साफ़-सुथरा ही नहीं रखती, बल्कि उसमें वह गर्माहट भरती है जो किसी थके-हारे को द्वार पर ही सुकून दे जाए। उसके हाथ का बना खाना, उसकी चिंता, उसकी देखभाल — ये सब उसके प्रेम जताने के तरीक़े हैं। वह बचत में

निपुण है, पैसे का हिसाब उसकी उँगलियों पर रहता है, और मुश्किल वक़्त के लिए वह चुपचाप कुछ न कुछ बचाकर रखती ही है। उसके साथ रहने वाला कभी आर्थिक रूप से असुरक्षित महसूस नहीं करता।

पर उसका मन समझना सीखना पड़ता है। वह सीधे नहीं कहेगी कि उसे क्या चाहिए या क्या चुभा है; वह संकेतों में बात करती है, और उम्मीद करती है कि आप समझ जाएँ। अगर वह अचानक चुप हो जाए, खोई-खोई रहने लगे, तो जान लीजिए कुछ गड़बड़ है। ऐसे में उसे डाँटिए मत, उसे थामिए। उसे बस यह आश्वासन चाहिए कि उसकी दुनिया सुरक्षित है और उसका प्रिय उसके साथ है। यह भरोसा दे दीजिए, और वह आपको ऐसा प्रेम लौटाएगी जो ज्वार-भाटे की तरह कभी न ख़त्म होने वाला है।

कर्क बालक

कर्क बच्चा घर का सबसे संवेदनशील नन्हा प्राणी होता है। वह दूसरों के मूड को बड़ी आसानी से भाँप लेता है — माँ उदास हो तो वह भी मुरझा जाता है, घर में हँसी हो तो उसकी किलकारी सबसे ऊँची। इसकी कल्पनाशक्ति अद्भुत होती है; यह परियों, राक्षसों और काल्पनिक दोस्तों की पूरी दुनिया अपने भीतर बसाए रखता है। इसे डराइए मत, ज़ोर से डाँटिए मत, क्योंकि एक कठोर शब्द भी इसके कोमल मन पर गहरी छाप छोड़ देता है, जिसे यह बरसों तक भूल नहीं पाता।

यह बच्चा अपनी चीज़ों और अपनों से बेहद जुड़ा होता है — पुराना खिलौना, फटी हुई किताब, माँ का आँचल। नई जगह, नए लोग इसे शुरू में डराते हैं, इसलिए इसे थोड़ा समय और भरपूर भरोसा दीजिए। एक बार सुरक्षित महसूस कर ले, तो यही शर्मीला बच्चा सबसे प्यारा, सबसे ख़याल रखने वाला साबित होता है — छोटे भाई-बहन की देखभाल करता, घर के सबका ध्यान रखता। इसे ढेर सारा स्नेह, गले लगना और यह भरोसा चाहिए कि घर हमेशा इसके लिए सुरक्षित बाँहों जैसा रहेगा।

कर्क : बॉस के रूप में

कर्क बॉस को आप पहले दिन समझ नहीं पाएँगे। वह सामने से हुक्म नहीं चलाता, मेज़ ठोककर आदेश नहीं देता। उसका तरीक़ा पिता या माँ जैसा है — वह आपका ख़याल रखता है, आपकी परेशानियाँ पूछता है, कभी-कभी तो आपकी निजी ज़िंदगी में इतनी दिलचस्पी ले लेता है कि आप थोड़ा असहज हो जाएँ। पर इस नरमी को कमज़ोरी मत समझिए। मुनाफ़े और ख़र्चे का उसका हिसाब चट्टान जैसा पक्का है, और जिस दिन उसे लगा कि आप संस्थान के प्रति समर्पित नहीं हैं, उसका वही कोमल चेहरा अचानक पत्थर जैसा सख़्त हो सकता है।

इस बॉस के मूड भी चाँद की तरह बदलते हैं, इसलिए महत्वपूर्ण बात करने से पहले उसका मिज़ाज भाँप लेना समझदारी है। अगर आप उसके प्रति वफ़ादार रहे, संस्थान को अपना घर समझा, तो वह आपको परिवार के सदस्य जैसा संभालेगा — मुश्किल वक़्त में साथ देगा, आपकी तरक़्क़ी में सच्ची ख़ुशी मनाएगा। उसे चापलूसी नहीं, सच्ची लगन और निष्ठा भाती है। उसके साथ धैर्य रखिए, उसकी भावनाओं का आदर कीजिए, और आप पाएँगे कि आपको इससे बेहतर, इससे ज़्यादा देखभाल करने वाला मालिक शायद ही कभी मिले।

कर्क : कर्मचारी के रूप में

कर्क कर्मचारी किसी भी संस्थान की रीढ़ बन सकता है — चुपचाप, बिना शोर मचाए। वह वफ़ादार है, मेहनती है, और एक बार जिस जगह को अपना मान ले, उसके लिए जी-जान लगा देता है। उसे बार-बार नौकरी बदलना पसंद नहीं; वह जड़ें जमाना चाहता है, स्थायित्व चाहता है। पैसों के मामले में वह बेहद ज़िम्मेदार होता है, इसलिए लेखा-जोखा, बजट और बचत से जुड़े काम उसे सहज ही भा जाते हैं। आप उसे कोई काम सौंप दीजिए, फिर निश्चिंत हो जाइए — वह उसे अपने बच्चे की तरह पूरी देखभाल से अंजाम तक पहुँचाएगा।

पर उसकी संवेदनशीलता का ध्यान रखना ज़रूरी है। भरी सभा में उसकी आलोचना कीजिए, और वह अंदर तक टूट जाएगा, हफ़्तों खोया-खोया रहेगा। उसे सुधारना हो तो अकेले में, नरमी से बात कीजिए — फिर वह दुगुनी लगन से जुट जाएगा। उसकी सच्ची तारीफ़, थोड़ी सी सराहना उससे चमत्कारी काम करवा सकती है। उसके मूड भी बदलते रहते हैं, कभी वह बेहद उत्साही, कभी चुपचाप अपने खोल में। ऐसे में उस पर भरोसा बनाए रखिए, उसे अपनापन दीजिए, और वह आपके संस्थान को कभी अकेला नहीं छोड़ेगा।

प्रेम और विवाह

कर्क के लिए प्रेम कोई हल्का-फुल्का खेल नहीं, बल्कि जीवन भर का गहरा बंधन है। वह जल्दी दिल नहीं देता; पहले परखता है, हिचकिचाता है, केकड़े की तरह आगे बढ़कर पीछे हटता है — मानो डर रहा हो कि कहीं चोट न लग जाए। पर जिस दिन उसने आपको अपना मान लिया, उस दिन

उसका समर्पण पूरा होता है। वह आपकी हर छोटी ज़रूरत का ख़याल रखेगा, बीमारी में रातें जागेगा, और आपके दुख को अपने दुख से बढ़कर महसूस करेगा। ऐसा कोमल, ऐसा निष्ठावान प्रेमी हर किसी के नसीब में नहीं होता।

पर इस प्रेम की एक क़ीमत भी है — कर्क को निरंतर आश्वासन चाहिए। वह असुरक्षा से जल्दी घबरा जाता है। अगर आपने उसकी उपेक्षा की, या किसी और की ओर ज़रा सा झुकाव दिखाया, तो वह सीधे झगड़ेगा नहीं, बस चुपचाप अपने खोल में सिमट जाएगा और भीतर ही भीतर घुलता रहेगा। उसे रोज़ छोटे-छोटे तरीक़ों से यह जताते रहिए कि वह आपके लिए ख़ास है। उसकी थोड़ी सी अधिकार-भावना और जलन को बोझ मत समझिए — यह तो बस उसके इस डर की परछाईं है कि कहीं वह आपको खो न दे।

विवाह में कर्क सबसे आदर्श साथियों में गिना जाता है, ख़ासकर जब बात घर-परिवार बसाने की हो। वह घर को सपनों का संसार बना देता है, संतान पर जान छिड़कता है, और अपने जीवनसाथी को पूरी दुनिया की आँधियों से बचाकर रखना चाहता है। बस उसे यह भरोसा चाहिए कि उसका घोंसला सुरक्षित है। उसे थोड़ा धैर्य, थोड़ी समझ और भरपूर स्नेह दीजिए, उसके बदलते मूड को लहरों की तरह आने-जाने दीजिए — और बदले में आपको ऐसा साथी मिलेगा जो आख़िरी साँस तक आपका हाथ नहीं छोड़ेगा।

स्वास्थ्य

कर्क व्यक्ति का शरीर उसके मन का दर्पण है। जब वह भावनात्मक रूप से परेशान होता है, चिंतित रहता है या रिश्तों में ठेस खाता है, तो उसका असर अक्सर सबसे पहले उसके पेट और पाचन पर दिखाई देता है। इसलिए इनके लिए मन की शांति शरीर की सेहत जितनी ही ज़रूरी है। जो कर्क प्रसन्न, सुरक्षित और प्रेम से भरा रहता है, वह आम तौर पर अधिक चुस्त और ऊर्जावान रहता है; और जो चिंता में डूबा रहता है, वह बिना किसी स्पष्ट कारण के थका-थका सा महसूस करने लगता है।

इस राशि के लोगों को अपनी भावनाओं को भीतर दबाकर रखने की आदत होती है, जो धीरे-धीरे बोझ बन जाती है। इसलिए इनके लिए सबसे अच्छी बात है — मन की बात किसी अपने से कह देना, और चिंता को रात भर सिरहाने रखकर सोने की आदत छोड़ देना। संतुलित दिनचर्या, पानी के पास कुछ शांत पल, हल्की सैर और भरपूर नींद इनके लिए वरदान साबित होती है। याद रखिए, कर्क का सबसे बड़ा टॉनिक कोई दवा नहीं, बल्कि वह एहसास है कि कोई उन्हें सच में चाहता है।

> प्रसिद्ध हस्तियाँ: एम. एस. धोनी, प्रियंका चोपड़ा, रणवीर सिंह, नेल्सन मंडेला, टॉम हैंक्स, डायना (प्रिंसेस ऑफ़ वेल्स)।

खूबियाँ

- गहरी संवेदनशीलता और सहानुभूति
- अटूट वफ़ादारी और समर्पण
- परिवार के प्रति गहरा प्रेम
- अद्भुत स्मृति और संग्रह-कौशल
- मितव्ययिता और आर्थिक सूझबूझ
- देखभाल और पोषण की सहज प्रवृत्ति
- कोमलता में छिपी दृढ़ इच्छाशक्ति

सावधानियाँ

- बदलता हुआ मूड और भावुकता
- अतीत से ज़रूरत से ज़्यादा लगाव
- जल्दी आहत हो जाना
- असुरक्षा और बेवजह की चिंता
- खोल में सिमटकर रूठ जाना
- अधिकार-भावना और हल्की जलन
- मन की बात सीधे न कहना

अपने कोमल मन को खोल में छिपाने के बजाय भरोसे के साथ खोलना सीखिए — लहर तभी सुंदर है जब वह किनारे तक पहुँचे।

राशि 5

सिंह

Leo • शेर (The Lion)

तिथि	23 जुलाई – 22 अगस्त
तत्व	अग्नि
स्वामी ग्रह	सूर्य
स्वभाव	स्थिर (Fixed)
शुभ रंग	सुनहरा, नारंगी
शुभ अंक	1, 4

किसी भीड़भाड़ वाले कमरे में अगर आपको ऐसा कोई व्यक्ति दिखे जो बिना कुछ कहे ही पूरे माहौल का केंद्र बन बैठा हो, जिसके चारों ओर लोग ऐसे जमा हों जैसे ठंड में कोई धूप के टुकड़े के पास सिमट आता है, तो ज़रा ठहरिए — आप शायद किसी सिंह राशि वाले से मिल रहे हैं। वह जान-बूझकर ध्यान नहीं खींचता; ध्यान खुद ही उसकी ओर खिंचा चला आता है। उसके चलने में एक अनकही शान होती है, मानो हर कमरा उसका दरबार हो और हर व्यक्ति वहाँ आया हुआ मेहमान।

सूर्य इनका स्वामी है, और यह संयोग नहीं है। जैसे सूर्य आकाश के बीचोबीच बैठकर बाकी सब को रोशनी बाँटता है, वैसे ही सिंह राशि वाला अपने आसपास के लोगों को गरमाहट देना अपना जन्मसिद्ध कर्तव्य समझता है। पर सावधान रहिए — सूर्य चाहता है कि आकाश उसी का रहे। आप इस व्यक्ति की उदारता पर मुग्ध तो हो जाएँगे, मगर उसे यह कभी मत भुलाइए कि अंततः रोशनी का स्रोत वही है, और इस बात की पहचान उसे आपसे चाहिए भी, और मीठे शब्दों में चाहिए।

इस गरजने वाले शेर के भीतर असल में एक बेहद कोमल, थोड़ा घमंडी और बहुत प्यारा दिल धड़कता है। वह डींग मारेगा, अकड़ दिखाएगा, अपनी तारीफ़ खुद ही कर बैठेगा — मगर अगर आप उसकी मुसीबत में काम आ जाएँ, तो वही शेर आपके लिए अपनी पूरी सल्तनत लुटा देगा। उसे समझने की कुंजी सीधी-सी है: उसकी अकड़ को मज़ाक में मत लीजिए, उसकी उदारता को हल्के में मत लीजिए, और उसके दिल को कभी छोटा मत आँकिए — वह आसमान जितना बड़ा है।

कैसे पहचानें

सिंह राशि वाले को पहचानना आमतौर पर मुश्किल नहीं होता, क्योंकि वह खुद चाहता है कि आप उसे पहचानें। उसकी पीठ हमेशा थोड़ी तनी रहती है, ठोड़ी ज़रा उठी हुई, और आँखों में वह आत्मविश्वास होता है जो कहता है — 'मैं यहाँ हूँ, और यह काफ़ी है।' देखिए उसके बालों पर भी ग़ौर कीजिए; अक्सर वे शेर की अयाल की तरह घने और सजे-सँवरे होते हैं, और वह उन्हें यूँ झटकता है मानो उनमें कोई जादू छिपा हो। चाल में आलस्य-भरी राजसी शान होती है, जल्दबाज़ी कतई नहीं।

बातचीत में आप उसे फ़ौरन पकड़ लेंगे। उसकी आवाज़ गर्म और भरी हुई होती है, हँसी खुलकर और दिल से आती है, और वह सलाह देना बेहद पसंद करता है — चाहे आपने माँगी हो या न माँगी हो। किसी समूह में अगर कोई व्यक्ति बड़े स्नेह से, मगर हुक्म जैसे अंदाज़ में सबको संभाल रहा हो, सबकी प्लेट भर रहा हो और साथ ही यह भी देख रहा हो कि उसकी इस उदारता को कोई देख रहा है या नहीं, तो वहाँ छिपे शेर को पहचान लीजिए। उपेक्षा उसे सबसे ज़्यादा खलती है।

पर असली परीक्षा तब होती है जब आप उसकी अनदेखी कर दें। उस पल वह आहत होकर चुप तो हो जाएगा, मगर वह चुप्पी भी इतनी भारी और नाटकीय होगी कि पूरा कमरा महसूस करेगा। थोड़ी देर बाद वह कोई शानदार किस्सा सुनाएगा, या कोई बड़ी-सी उदार पेशकश करेगा, ताकि सबका ध्यान फिर से उस तक लौट आए। यही उसकी सबसे प्यारी कमज़ोरी है — उसे ताली चाहिए, सच्ची और दिल से। आप जिस दिन यह समझ जाएँगे, उस दिन इस शेर का दिल आपकी मुट्ठी में आ जाएगा।

व्यक्तित्व

सिंह राशि वाले के व्यक्तित्व की धुरी है उसकी उदारता। यह व्यक्ति कंजूसी को लगभग पाप मानता है। वह दोस्तों के लिए महँगे तोहफ़े लाएगा, बिल चुकाने के लिए सबसे पहले आगे बढ़ेगा, और किसी ज़रूरतमंद को देखकर अपना पर्स खाली कर देगा — भले ही अगले दिन उसे खुद उधार माँगना पड़े। मगर इस दरियादिली के पीछे एक मीठी-सी शर्त छिपी रहती है: वह चाहता है कि उसकी इस बड़ाई को सराहा जाए, याद रखा जाए, और कभी-कभार दोहराया भी जाए। दिए हुए को भूल जाना उसे गहरे तक चोट पहुँचाता है।

इस अग्नि तत्व के जीव में जोश कूट-कूटकर भरा है। वह जो भी करता है, पूरी आग और भव्यता के साथ करता है — आधे-अधूरे मन से जीना उसके बस की बात नहीं। मगर साथ ही वह स्थिर राशि का है, इसलिए उसकी यह आग भड़ककर बुझती नहीं, बल्कि अंगारे की तरह देर तक दहकती रहती है। एक बार जो ठान लिया, उससे डिगाना लगभग नामुमकिन है। यही ज़िद कभी उसकी सबसे बड़ी ताक़त बनती है और कभी उसका सबसे बड़ा बोझ, क्योंकि गलत रास्ते पर भी वह उतनी ही शान से चलता रहता है।

उसका अहंकार उसका सबसे नाज़ुक और सबसे मज़बूत हिस्सा है, दोनों एक साथ। ज़रा-सी प्रशंसा से वह खिल उठता है, बच्चे की तरह; और ज़रा-सी उपेक्षा या अपमान से वह भीतर तक लहूलुहान हो जाता है, हालाँकि बाहर से वह हँसता ही रहेगा। उसे आलोचना बेहद चुभती है, खासकर सबके सामने की गई आलोचना। अगर आपको उसे कुछ समझाना हो, तो अकेले में, स्नेह से और थोड़ी तारीफ़ की चाशनी में लपेटकर कहिए — फिर देखिए, यह अकड़ू शेर कितनी आसानी से आपकी बात मान लेता है।

नेतृत्व उसकी रगों में बहता है। भीड़ में पीछे खड़े रहना उसे कभी रास नहीं आता; वह स्वभाव से ही आगे बढ़कर कमान संभालने वाला है। किसी पिकनिक का आयोजन हो या दफ़्तर की कोई बड़ी परियोजना, वह सहज ही केंद्र में आ जाता है और बाकी सब उसके पीछे चलने लगते हैं। यह दिखावा नहीं, उसका असली स्वभाव है — वह सचमुच मानता है कि चीज़ों को ठीक से करने का तरीका सिर्फ़ उसे आता है, और मज़े की बात यह है कि अक्सर वह सही भी निकलता है, बस इसे कहने का उसका अंदाज़ ज़रा राजसी होता है।

सिंह पुरुष

सिंह राशि का पुरुष पहली नज़र में ही अपनी राजसी उपस्थिति से छाप छोड़ देता है। वह आपके लिए दरवाज़ा खोलेगा, सबसे अच्छी मेज़ बुक कराएगा, और इस अंदाज़ में पेश आएगा मानो आप किसी राजकुमारी हों। उसकी तारीफ़ें दिल से निकलती हैं और भरपूर होती हैं। मगर याद रखिए — वह राजा है, और राजा को अपनी रानी पर गर्व तो होता है, पर सिंहासन के बारे में अंतिम फ़ैसला वह अपने पास ही रखना चाहता है। उसे संभालने का तरीका टकराव नहीं, बल्कि प्यार-भरी समझदारी है।

इस पुरुष से ईर्ष्या की उम्मीद रखिए, क्योंकि वह अपनी प्रिय वस्तुओं को लेकर बेहद अधिकारपूर्ण होता है। अगर किसी महफ़िल में कोई और आपकी ओर ज़्यादा देख ले, तो उसकी भौंहें तन जाएँगी। मगर इसी सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि वह आपकी रक्षा के लिए दीवार बनकर खड़ा हो जाएगा, आपके लिए दुनिया से लड़ जाएगा, और आपको ऐसा महसूस कराएगा कि आप उसके जीवन की सबसे क़ीमती धरोहर हैं। उसकी मालिकाना भावना के साथ-साथ चलती है एक गहरी, हड्डियों तक भीगी हुई वफ़ादारी।

उसकी फ़िज़ूलख़र्ची से कभी-कभी आपका बजट हिल जाएगा, क्योंकि वह सस्ते में जीना अपनी शान के ख़िलाफ़ समझता है — बढ़िया रेस्तराँ, अच्छे कपड़े, यादगार छुट्टियाँ। मगर इसकी एवज़ में वह आपके जीवन को एक भव्यता, एक गर्माहट और एक नाटकीय रंगत से भर देगा जो शायद ही कोई और दे सके। उसकी तारीफ़ करते रहिए, उसके गौरव का ख़याल रखिए, और बीच-बीच में उसे यह जताते रहिए कि वह आपका नायक है — फिर यह शेर जीवन भर आपके चरणों में अपनी पूरी दुनिया रख देगा।

सिंह स्त्री

सिंह राशि की स्त्री किसी कमरे में दाख़िल होती है तो हवा भी ज़रा रुककर उसे देखती है। उसमें एक सहज ठसक, एक रानी जैसा आत्मविश्वास होता है, चाहे वह साधारण साड़ी में हो या किसी भव्य गाउन में। वह चाहती है कि उसे सराहा जाए, चाहा जाए, और किसी आम स्त्री की तरह नहीं, बल्कि किसी विशेष हस्ती की तरह बरता जाए। उसकी तारीफ़ कीजिए, मगर झूठी चापलूसी से बचिए — यह तेज़ नज़रों वाली शेरनी नकली प्रशंसा और सच्ची सराहना का फ़र्क़ पल भर में पकड़ लेती है।

वह स्वभाव से उदार, गर्मजोश और वफ़ादार होती है। जिसे एक बार अपना मान लिया, उसके लिए वह आसमान से तारे तोड़ लाने को तैयार रहती है। अपने घर को वह किसी महल की तरह सजाएगी और मेहमानों का स्वागत किसी रानी की शान से करेगी। मगर उसे कभी हल्के में मत लीजिए,

उसे आदेश देने की कोशिश तो भूलकर भी मत कीजिए। वह बराबरी की साथी बनकर रहना चाहती है, किसी की दासी नहीं — और अगर उसके स्वाभिमान को ठेस लगी, तो वह कोमल बिल्ली से दहाड़ती शेरनी बनते देर नहीं लगाएगी।

प्रेम में यह स्त्री पूरी तरह समर्पित होती है, मगर बदले में वह भी पूरा सम्मान और भरपूर ध्यान चाहती है। उसे उपेक्षा से ज़्यादा कुछ नहीं तोड़ता; उससे झगड़ लीजिए, बहस कर लीजिए, मगर उसे अनदेखा कभी मत कीजिए। अगर आप उसके गौरव की रक्षा करते हैं, उसे सबके सामने सम्मान देते हैं और उसे यह यक़ीन दिलाते रहते हैं कि वह आपके जीवन की महारानी है, तो वह आपको ऐसा निष्कलंक प्रेम, ऐसी गहरी निष्ठा और ऐसी राजसी गर्माहट देगी जिसके आगे दुनिया की हर दौलत फीकी पड़ जाएगी।

सिंह बालक

सिंह राशि का बच्चा घर का छोटा-सा राजा होता है, और वह यह बात बखूबी जानता भी है। वह हँसमुख, गर्मजोश और बेहद प्यारा होता है, मगर उसे सबका ध्यान अपने ऊपर चाहिए। अगर मेहमान आएँ और उसकी तारीफ़ न करें, तो वह कोई न कोई करतब दिखाकर सबकी निगाहें खींच ही लेगा — कभी गाकर, कभी नाचकर, कभी ज़िद करके। उसे डाँट-फटकार से नहीं, बल्कि स्नेह और सराहना से सिखाइए, क्योंकि सबके सामने की गई फटकार उसके नन्हे गर्व को गहरी चोट पहुँचाती है।

इस बच्चे में नेतृत्व के बीज बचपन से ही दिखने लगते हैं। खेल के मैदान में वह अक्सर बाकी बच्चों का मुखिया बन बैठता है और नियम भी खुद ही तय करता है। उसे उदारता सिखाने की ज़रूरत कम पड़ती है, क्योंकि वह अपने खिलौने और मिठाइयाँ बाँटने में सहज ही ख़ुशी पाता है — बशर्ते बदले में उसे शाबाशी मिले। उसके आत्मविश्वास को पनपने दीजिए, मगर साथ ही उसे यह भी सिखाइए कि दुनिया में और लोगों का सूरज भी चमकता है। यह संतुलन ही उसे एक उदार और बड़े दिल वाला इंसान बनाएगा।

सिंह : बॉस के रूप में

सिंह राशि का बॉस अपने दफ़्तर को अपनी रियासत और कर्मचारियों को अपना परिवार समझता है। वह उदार होता है, तारीफ़ करने में दिल नहीं छोटा करता, और अगर आपने अच्छा काम किया तो सबके सामने आपकी पीठ थपथपाने में उसे सच्ची ख़ुशी मिलती है। वह बोनस देने, दावत कराने और अपने लोगों के पीछे खड़े होने वाला मालिक है। मगर बदले में वह चाहता है कि उसके अधिकार को चुनौती न दी जाए और उसके नेतृत्व को खुले दिल से स्वीकार किया जाए।

उसकी एक छोटी-सी कमज़ोरी यह है कि उसे थोड़ी चापलूसी अच्छी लगती है — असली तारीफ़ नहीं, बल्कि उसकी सूझबूझ और उसके फ़ैसलों की सराहना। अगर आप उसके किसी विचार पर सबके सामने खुलकर असहमति जताएँगे, तो शेर आहत होकर दहाड़ सकता है। मगर वही बात अगर आप अकेले में, अदब से और थोड़ी प्रशंसा के साथ रखें, तो वह न सिर्फ़ सुनेगा बल्कि बड़े दिल से मान भी लेगा। उसके लिए मेहनत कीजिए, उसका गौरव बनाए रखिए — वह आपको कभी अकेला नहीं छोड़ेगा।

सिंह : कर्मचारी के रूप में

सिंह राशि का कर्मचारी कभी भी सचमुच 'मातहत' जैसा महसूस नहीं करता — वह काम तो करेगा, मगर उस अंदाज़ में जैसे वह कोई एहसान कर रहा हो, या कम से कम कोई ज़िम्मेदारी निभा रहा हो। उसे छोटे-मोटे, बेरंग काम सौंपेंगे तो वह कुम्हला जाएगा। मगर अगर आप उसे कोई ऐसी ज़िम्मेदारी दें जिसमें चमक हो, लोगों से मेलजोल हो, और जिसमें उसके फ़ैसले की क़दर हो, तो वही व्यक्ति आपके लिए पहाड़ हिला देगा। उसे प्रोजेक्ट का मुखिया बना दीजिए, और देखिए वह कैसे खिल उठता है।

उसे सार्वजनिक प्रशंसा देना उसके वेतन से भी ज़्यादा मायने रखता है। दूसरों के सामने की गई एक सच्ची तारीफ़ उससे महीनों की वफ़ादारी ख़रीद लेती है, जबकि सबके बीच की गई फटकार उसे भीतर तक तोड़ देती है और वह चुपचाप किसी और दरबार की तलाश में लग जाता है। उस पर भरोसा कीजिए, उसे ज़िम्मेदारी दीजिए, और बीच-बीच में यह जताते रहिए कि उसके बिना काम अधूरा है — फिर यह शेर अपनी पूरी ताक़त, अपनी पूरी निष्ठा और अपना पूरा दिल आपके काम में लगा देगा।

प्रेम और विवाह

सिंह राशि वाला प्रेम को आधे-अधूरे मन से नहीं करता — वह इसे किसी भव्य नाटक की तरह जीता है, पूरी आग, पूरी रोशनी और पूरी नाटकीयता के साथ। जब वह किसी से प्रेम करता है, तो आपको ऐसा महसूस होगा मानो आप किसी कहानी की नायक या नायिका हैं। फूल, तोहफ़े, खुले-

दिल की तारीफ़ें, और भव्य घोषणाएँ — सब कुछ भरपूर मिलेगा। मगर वह यह सब वापस भी चाहता है: उसे प्रेम में भी सराहा जाना है, चाहा जाना है, और सबसे ख़ास महसूस कराया जाना है।

इस रिश्ते में वफ़ादारी रीढ़ की हड्डी है। सिंह राशि वाला अपने साथी के प्रति गहराई से समर्पित रहता है और बदले में उतनी ही निष्ठा चाहता है — उसकी मालिकाना भावना और ईर्ष्या को इसी रोशनी में समझिए। वह बेवफ़ाई को कभी माफ़ नहीं करता, क्योंकि वह इसे अपने गौरव पर सीधा हमला मानता है। मगर अगर आप उसके प्रति सच्चे रहें, उसका मान रखें और उसे अपने जीवन का केंद्र बनाए रखें, तो वह आपको ऐसा गर्म, सुरक्षित और भरा-पूरा प्यार देगा जिसमें कभी ठंडक नहीं आएगी।

विवाह में यह व्यक्ति एक शानदार जीवनसाथी साबित होता है — उदार, सुरक्षात्मक और अपने परिवार पर गर्व करने वाला। वह अपने घर को किसी महल की तरह सँवारना चाहता है और अपने प्रियजनों को दुनिया का सबसे अच्छा देना चाहता है। बस इतना याद रखिए कि उसके स्वाभिमान को कभी सबके सामने ठेस न पहुँचे, और उसे समय-समय पर यह यक़ीन दिलाते रहिए कि वह अब भी आपका नायक है। ऐसा करते रहिए, तो यह शेर जीवन भर अपनी पूरी गर्माहट और निष्ठा के साथ आपकी रक्षा में खड़ा रहेगा।

स्वास्थ्य

सिंह राशि वाले में आमतौर पर एक प्राकृतिक जीवंतता और ऊर्जा होती है जो उसे भीड़ में अलग दिखाती है। वह अक्सर तब तक थका हुआ नज़र नहीं आता जब तक वह सचमुच जलकर ख़ाली न हो जाए, क्योंकि वह अपनी कमज़ोरी दूसरों को दिखाना अपनी शान के ख़िलाफ़ मानता है। यही आदत कभी-कभी उसे आराम से दूर ले जाती है — वह बीमार पड़कर भी मुस्कुराता रहेगा और दहाड़ता रहेगा। उसके भीतर की यह आग उसकी सबसे बड़ी पूँजी है, बशर्ते वह इसे बीच-बीच में सँभलकर बरते।

इस व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी राहत आराम और मनोरंजन में छिपी रहती है। जब वह दिल खोलकर हँसता है, धूप सेंकता है, अच्छा संगीत सुनता है या किसी प्रिय व्यक्ति के साथ समय बिताता है, तो उसके भीतर की थकान अपने आप पिघलने लगती है। उसे यह सीखने की ज़रूरत होती है कि लगातार सबसे आगे, सबसे तेज़ और सबसे चमकदार बने रहना ज़रूरी नहीं — कभी-कभी थोड़ा ठहरकर, धीमे पड़कर अपने भीतर लौटना भी उतना ही शानदार होता है जितना दरबार के बीच चमकना।

> प्रसिद्ध हस्तियाँ: श्री कृष्ण जन्माष्टमी से जुड़े सिंह राशि के संदर्भ के अलावा — जयललिता, सानिया मिर्ज़ा, सैफ़ अली खान, बराक ओबामा, नेपोलियन बोनापार्ट और मैडोना।

खूबियाँ

- उदार और बड़ा दिल
- स्वाभाविक नेतृत्व-क्षमता
- गर्मजोश और जीवंत
- अटूट वफ़ादारी
- आत्मविश्वास से भरपूर
- रचनात्मक और भव्य सोच
- हिम्मती और सुरक्षात्मक

सावधानियाँ

- अहंकार और घमंड
- तारीफ़ की अति-भूख
- हठीला स्वभाव
- फ़िज़ूलख़र्ची की आदत
- ईर्ष्या और मालिकाना भाव
- आलोचना सहन न कर पाना
- हुक्म चलाने की प्रवृत्ति

जीवन-मंत्र: सच्चा राजा वही है जो दूसरों के सूरज को भी चमकने दे — रोशनी बाँटिए, मगर अकेले चमकने की ज़िद छोड़िए।

राशि 6

कन्या

Virgo • कुमारी (The Virgin)

तिथि	23 अगस्त – 22 सितंबर
तत्व	पृथ्वी
स्वामी ग्रह	बुध
स्वभाव	द्विस्वभाव (Mutable)
शुभ रंग	हरा, भूरा
शुभ अंक	5, 3

क्या आपने कभी किसी ऐसे व्यक्ति को देखा है जो भीड़भरी पार्टी में भी अपने कोट के बटन को सीधा करता रहता हो, और चलते-चलते मेज़ पर रखा टेढ़ा फूलदान चुपचाप सीधा कर दे? अगर हाँ, तो संभव है आप किसी कन्या राशि वाले से मिल चुके हैं। वे शोर नहीं मचाते, अपने बारे में बढ़-चढ़कर बातें नहीं करते, मगर कमरे में हर चीज़ धीरे-धीरे उनके आसपास व्यवस्थित होती जाती है। यह उनका स्वभाव है — दुनिया को थोड़ा साफ़, थोड़ा सही, थोड़ा बेहतर बना देना, बिना यह कहे कि उन्होंने ऐसा किया।

कन्या राशि का प्रतीक कुमारी है — हाथ में अनाज की बाली लिए, शांत और सजग। यह केवल पवित्रता का चिह्न नहीं, बल्कि उस सावधानी का है जो हर दाने को परखती है, हर गुठली को छानती है। बुध इनका स्वामी ग्रह है, इसलिए इनका मन हमेशा चलता रहता है — गिनता, तौलता, जाँचता। आप इन्हें घबराते हुए कम, मगर भीतर ही भीतर हिसाब लगाते हुए अक्सर पाएँगे। पृथ्वी तत्व इन्हें ज़मीन से जोड़े रखता है, और द्विस्वभाव होने के कारण इनमें लचीलापन भी है — पर वह लचीलापन हमेशा किसी तर्क के दायरे में ही घूमता है।

बहुत से लोग कन्या राशि वालों को आलोचक, मीन-मेख निकालने वाला, या ज़रूरत से ज़्यादा सतर्क समझ लेते हैं। मगर यह आधा सच है। असल में इनके भीतर सेवा की एक गहरी, मीठी इच्छा बसती है — किसी का काम आसान कर देना, किसी की दवा समय पर याद दिला देना, किसी के बिखरे कागज़ों को क्रम में लगा देना। ये दुनिया को सुधारने नहीं, सँभालने आए हैं। और जब आप इनकी इस आदत के पीछे छिपी कोमलता को पहचान लेते हैं, तो आपको समझ आता है कि इनकी हर 'टोका-टाकी' दरअसल फ़िक्र का एक चुपचाप तरीका है।

कैसे पहचानें

कन्या राशि वाले को पहचानना हो तो उसके हाथों और आँखों पर ध्यान दीजिए। हाथ अक्सर शांत और सधे हुए रहते हैं — न ज़रूरत से ज़्यादा हिलते, न नाटकीय। आँखें साफ़, सतर्क और जैसे हर चीज़ को नाप रही हों। चेहरे पर एक हल्की-सी चिंता की रेखा अक्सर बनी रहती है, मानो भीतर कोई छोटी-सी सूची लगातार दोहराई जा रही हो — 'यह करना है, वह जाँचना है।' इनकी मुस्कान धीमी आती है, पर जब आती है तो सच्ची होती है, बनावटी कभी नहीं।

इनके पहनावे में आपको दिखावा कम और सफ़ाई ज़्यादा मिलेगी। कपड़े चाहे साधारण हों, पर इस्त्री किए हुए; जूते चाहे पुराने हों, पर पोंछे हुए। इनकी मेज़ पर हर पेन अपनी जगह होता है, और अगर कोई उसे हिला दे तो ये बिना कुछ कहे उसे वापस रख देंगे। शोरगुल इन्हें थका देता है, इसलिए ये अक्सर किनारे की कुर्सी चुनते हैं, जहाँ से पूरा कमरा दिखे पर इन्हें कोई बार-बार न छेड़े। भीड़ में ये नायक नहीं, बल्कि वह सजग दर्शक होते हैं जो सब कुछ नोट करता रहता है।

बातचीत में कन्या राशि वाला हवा में बातें नहीं करता। ये 'शायद', 'लगभग', 'हो सकता है' जैसे शब्दों से बचते हैं और ठीक-ठीक तथ्य पसंद करते हैं। अगर आप इनसे कोई ढीली-ढाली, बढ़ा-चढ़ाकर कही बात कहेंगे, तो ये तुरंत भौंह उठाकर पूछ बैठेंगे — 'सच में? कैसे पता चला?' यह कोई बेअदबी नहीं, बल्कि इनका सच को छानने का तरीका है। और मज़े की बात यह कि अपनी इस आदत पर ये खुद भी हल्की-सी हँसी हँस लेते हैं, क्योंकि कहीं भीतर इन्हें पता है कि ये थोड़े ज़्यादा ही सतर्क हैं।

व्यक्तित्व

कन्या राशि वाले का मन एक सुव्यवस्थित आलमारी जैसा होता है, जहाँ हर भावना, हर विचार किसी खाने में करीने से रखा रहता है। ये बेतरतीबी से घबराते हैं — चाहे वह कमरे की हो या रिश्ते की। जब इनके आसपास सब कुछ अव्यवस्थित होता है, तो इनका भीतर का चैन भी डगमगा जाता है। यही कारण है कि ये योजना बनाते हैं, सूचियाँ लिखते हैं, और हर काम को छोटे-छोटे हिस्सों में बाँटकर करना पसंद करते हैं। पहाड़ जैसी समस्या भी इनके सामने आकर छोटे-छोटे कंकड़ों में बदल जाती है, जिन्हें ये एक-एक करके हटाते जाते हैं।

इनकी सबसे बड़ी ताक़त और सबसे बड़ी कमज़ोरी, दोनों एक ही जगह से निकलती हैं — विस्तार पर इनकी पैनी नज़र। जो खूबी इन्हें बेहतरीन सम्पादक, चिकित्सक, लेखाकार या शिल्पी बनाती है, वही कभी-कभी इन्हें छोटी-छोटी बातों में उलझा देती है। ये पूरी तस्वीर देखते हुए भी उस एक टेढ़े कोने पर अटक सकते हैं। आलोचना इनके स्वभाव में है — मगर याद रखिए, सबसे कड़ी आलोचना ये अपने ही ऊपर करते हैं। दुनिया से ये जो उम्मीद रखते हैं, उससे कहीं ऊँचा मापदंड ये खुद से रखते हैं, और इसी कारण भीतर अक्सर बेचैन रहते हैं।

धन और समय, दोनों के मामले में कन्या राशि वाले समझदार होते हैं। ये फ़िज़ूलखर्ची नहीं करते, पर कंजूस भी नहीं — बस हर पैसे का हिसाब रखना इन्हें सुकून देता है। अचानक मिले मौके पर ये कूद नहीं पड़ते; पहले देखेंगे, परखेंगे, फिर कदम बढ़ाएँगे। यही सावधानी इन्हें बड़े जोखिमों से बचाती है, पर कभी-कभी किसी सुनहरे मौके को हाथ से निकल भी जाने देती है। इनके लिए सुरक्षा हमेशा चमक से ऊपर रहती है, और एक भरी हुई पेंट्री इन्हें खाली घमंड से ज़्यादा प्यारी लगती है।

इन सबके बीच कन्या राशि वालों का एक कोमल पक्ष है जिसे लोग अक्सर अनदेखा कर देते हैं। ये किसी की बीमारी में सबसे पहले सूप बनाकर पहुँचने वाले होते हैं, बिना किसी प्रशंसा की उम्मीद के। दूसरों की सेवा करना इनके लिए दिखावा नहीं, बल्कि प्रेम जताने का सबसे स्वाभाविक तरीका है। ये कहेंगे नहीं 'मैं तुमसे प्रेम करता हूँ', मगर आपकी दवा का समय याद रखेंगे, आपके जूते के फटे फीते को बदल देंगे, और आपके खाते का गणित ठीक कर देंगे। इनके स्नेह को समझना हो तो शब्द नहीं, इनके छोटे-छोटे कामों को पढ़िए।

कन्या पुरुष

कन्या राशि का पुरुष पहली नज़र में ठंडा और दूरी बनाए रखने वाला लग सकता है। वह जल्दी दिल नहीं खोलता, और किसी को अपने जीवन में दाख़िल करने से पहले उसे काफ़ी देर तक जाँचता है — जैसे कोई सुनार सोने को कसौटी पर परखता हो। वह रोमांस के बड़े-बड़े वादे नहीं करता, चाँद-तारे तोड़ लाने की बातें उसके बस की नहीं। मगर अगर वह आपके लिए हर रोज़ समय पर पहुँचता है, आपकी छोटी-छोटी पसंद याद रखता है, और चुपचाप आपके काम आसान करता रहता है, तो समझ लीजिए कि उसका मौन ही उसका प्रेमगीत है।

इस पुरुष से यदि आप नाटकीय भावनाओं और बेवजह की चापलूसी की उम्मीद रखेंगी, तो निराश होंगी। वह व्यावहारिक है — वह आपको सच कहेगा, भले ही वह सच मीठा न हो। 'यह साड़ी तुम पर अच्छी नहीं लग रही' वह बिना झिझक कह देगा, और यही उसकी ईमानदारी है, बेरुख़ी नहीं। उसे साफ़-सुथरा माहौल, समय का पालन और तर्कसंगत बातें पसंद हैं। अव्यवस्था और बेपरवाही उसे भीतर तक असहज कर देती है। उसका दिल जीतना हो तो शोर नहीं, स्थिरता दिखाइए — वह भरोसे को सुंदरता से ज़्यादा महत्व देता है।

एक बार जब कन्या पुरुष किसी को अपना मान लेता है, तो वह जीवन भर का साथी बन जाता है — वफ़ादार, ज़िम्मेदार और देखभाल करने वाला। वह आपकी सेहत की चिंता करेगा, आपके खर्चों पर नज़र रखेगा, और मुश्किल वक़्त में बिना घबराए ठंडे दिमाग़ से रास्ता निकालेगा। हाँ, उसकी टोका-टाकी कभी-कभी आपको खलेगी, उसकी मीन-मेख थका देगी। पर जिस दिन आप बीमार पड़ेंगी, वही व्यक्ति बिना सोए रातभर आपके सिरहाने बैठा मिलेगा। उसका प्रेम भड़कीला नहीं, मगर गहरा और टिकाऊ है — ठीक उस पुरानी दीवार की तरह जो दिखावा नहीं करती, पर भूकंप में भी खड़ी रहती है।

कन्या स्त्री

कन्या राशि की स्त्री में एक शांत, सुलझी हुई गरिमा होती है। वह तेज़ आवाज़ में हँसने वाली, हर बात पर उछलने वाली नहीं; बल्कि वह वही स्त्री है जो शांति से कोने में बैठी सब देखती रहती है और ठीक समय पर सही बात कह देती है। उसका सौंदर्य सादगी में है — कम गहने, साफ़ कपड़े, और एक ऐसी सजगता जो उसकी आँखों से झलकती है। वह आपको लुभाने के लिए नहीं सजती, बल्कि अपने आत्मसम्मान के लिए सुथरी रहती है। उसके पास जो है, वह उसे करीने से सँभालकर रखती है, चाहे वह घर हो या भावनाएँ।

इस स्त्री से प्रेम पाना आसान नहीं, क्योंकि वह जल्दबाज़ी में दिल नहीं हारती। वह हर रिश्ते को बुद्धि की कसौटी पर तौलती है — 'क्या यह व्यक्ति भरोसेमंद है? क्या यह टिकाऊ है?' उसे चिकनी-चुपड़ी बातें नहीं, सच्चाई और निरंतरता चाहिए। मगर एक बार जब वह किसी को चुन लेती है, तो

वह सबसे समर्पित साथी बन जाती है। वह आपके सपनों को व्यावहारिक योजनाओं में बदल देगी, आपकी अव्यवस्थित ज़िंदगी को क्रम में लगा देगी, और चुपचाप आपकी हर ज़रूरत पहले से भाँप लेगी। उसका प्रेम सेवा के रूप में बहता है, शब्दों के रूप में कम।

उसकी एक कमज़ोरी यह है कि वह खुद से और अपने आसपास के लोगों से बहुत ऊँची उम्मीदें रखती है, जिससे वह कभी-कभी बेचैन और चिंतित रहती है। वह छोटी-छोटी कमियों को बड़ा कर लेती है और रात को सोने से पहले दिन भर की गलतियाँ गिनती है। ऐसी स्त्री को बस इतना चाहिए कि कोई उससे कहे — 'तुमने बहुत किया, अब थोड़ा आराम करो।' अगर आप उसे यह भरोसा दे सकें कि उसे हर वक़्त परिपूर्ण होने की ज़रूरत नहीं, तो आप उसके चेहरे पर वह दुर्लभ, खिलखिलाती मुस्कान देख पाएँगे जिसे वह आमतौर पर अपनी गंभीरता के पीछे छिपाए रखती है।

कन्या बालक

कन्या राशि का बच्चा अक्सर अपनी उम्र से ज़्यादा समझदार और साफ़-सुथरा होता है। वह वही बच्चा है जो अपने खिलौने खेलने के बाद खुद वापस डिब्बे में रख देता है, और अपनी पेंसिलों को रंग के हिसाब से जमाता है। उसके सवाल बहुत ठोस होते हैं — 'ऐसा क्यों होता है? यह कैसे काम करता है?' — और गोल-मोल जवाब उसे संतुष्ट नहीं करते। वह थोड़ा नकचढ़ा हो सकता है — खाने में नख़रे, कपड़ों में सलवटों से चिढ़ — पर यह उसके स्वभाव का हिस्सा है, ज़िद नहीं। उसे डाँटने से ज़्यादा समझाने पर वह जल्दी सीखता है।

ऐसे बच्चे को सबसे ज़्यादा भरोसे और प्रशंसा की ज़रूरत होती है, क्योंकि वह भीतर से बहुत आलोचक होता है — अपना ही। छोटी-सी गलती पर वह घंटों परेशान रह सकता है, और कोई काम पूरी तरह सही न होने पर खुद को कोसता है। माता-पिता को चाहिए कि उसकी मेहनत को सराहें, उसे यह सिखाएँ कि गलतियाँ करना सीखने का हिस्सा है, और उसे ज़रूरत से ज़्यादा परिपूर्ण होने के दबाव से बचाएँ। उसे ढेर सारी किताबें, छोटे-छोटे काम और एक व्यवस्थित दिनचर्या दीजिए — इन्हीं में वह सबसे ज़्यादा खिलता है और सुरक्षित महसूस करता है।

कन्या : बॉस के रूप में

कन्या राशि का बॉस वह व्यक्ति है जिसकी मेज़ पर हर फ़ाइल अपनी जगह होती है और जो आपकी रिपोर्ट में वह कमी भी पकड़ लेगा जिसे आपने खुद नहीं देखा। वह ज़ोर से नहीं डाँटता, मगर उसकी शांत, पैनी टिप्पणी कभी-कभी डाँट से ज़्यादा असर करती है। उससे चापलूसी से कुछ नहीं मिलेगा — उसे सिर्फ़ साफ़ काम, समय की पाबंदी और तथ्य चाहिए। वह आपको गुलाब के फूल नहीं देगा, पर अगर आपका काम बेदाग़ है, तो वह चुपचाप उसे नोट कर लेगा और मौक़े पर आपकी सच्ची तारीफ़ करने में कंजूसी नहीं करेगा।

ऐसे बॉस के साथ काम करने का राज़ यह है कि बहाने मत बनाइए और काम को अधूरा छोड़कर मत जाइए। वह बड़े-बड़े वादों से नहीं, छोटे-छोटे पूरे किए गए कामों से प्रभावित होता है। वह खुद बहुत मेहनती है, इसलिए वह आलस और लापरवाही को तुरंत भाँप लेता है। मगर उसके सख़्त बाहरी आवरण के भीतर एक देखभाल करने वाला व्यक्ति छिपा है — अगर आप सच में मुश्किल में हों, तो वही बॉस सबसे व्यावहारिक मदद लेकर सामने आएगा, बिना ढिंढोरा पीटे। उसका भरोसा कमाना कठिन है, पर एक बार कमा लिया तो वह आपकी सबसे मज़बूत ढाल बन जाता है।

कन्या : कर्मचारी के रूप में

कन्या राशि का कर्मचारी किसी भी संस्था का छिपा हुआ रत्न होता है। वह वह व्यक्ति है जो दूसरों की छोड़ी हुई गलतियाँ चुपचाप सुधार देता है, हर ब्योरे को दोबारा जाँचता है, और किसी काम को आधा-अधूरा छोड़ना उसके स्वभाव में ही नहीं। उसे सुर्ख़ियों में आने की भूख नहीं; वह पर्दे के पीछे रहकर पूरी मशीन को सुचारु रखने में संतोष पाता है। उसे जटिल, बारीक और व्यवस्थित काम दीजिए — हिसाब-किताब, सम्पादन, विश्लेषण, गुणवत्ता-जाँच — और वह उसमें ऐसी पूर्णता लाएगा जो दूसरों के लिए मुश्किल है।

हालाँकि, इस कर्मचारी का ध्यान रखना भी ज़रूरी है, क्योंकि वह अक्सर अपनी क्षमता से ज़्यादा बोझ उठा लेता है और शिकायत भी नहीं करता। वह 'ना' कहने में हिचकता है, इसलिए चुपचाप दूसरों का काम भी अपने सिर ले लेता है और भीतर ही भीतर थक जाता है। उसे बीच-बीच में यह बताना ज़रूरी है कि उसका काम दिखता है और सराहा जाता है, वरना वह यह मान बैठेगा कि कोई उसकी मेहनत की परवाह नहीं करता। उसे साफ़ निर्देश, उचित प्रशंसा और थोड़ी राहत दीजिए — बदले में वह आपको ऐसी निष्ठा और मेहनत देगा जिस पर आँख मूँदकर भरोसा किया जा सके।

प्रेम और विवाह

प्रेम में कन्या राशि वाला धीमी आँच पर पकने वाली रसोई की तरह होता है — जल्दी नहीं उबलता, मगर जो पकता है वह गहरा और टिकाऊ होता है। ये पहली नज़र के प्यार में कम ही पड़ते हैं; पहले देखेंगे, समझेंगे, परखेंगे, और तब जाकर दिल का दरवाज़ा खोलेंगे। इन्हें बड़े-बड़े रोमांटिक

नाटक असहज करते हैं — गुलाब की पंखुड़ियों भरा कमरा देखकर ये पहले यही सोच सकते हैं कि 'अब इसे साफ़ कौन करेगा।' इनका प्रेम दिखावे में नहीं, बल्कि छोटी-छोटी ज़िम्मेदारियों को निभाने में झलकता है।

अगर आप किसी कन्या राशि वाले से प्रेम करते हैं, तो याद रखिए — ये आपको 'प्रिय, तुम मेरी दुनिया हो' जैसे जुमले कम सुनाएँगे, पर आपकी हर छोटी ज़रूरत पहले से सँभाल लेंगे। आपकी दवा, आपका टिकट, आपका टूटा हुआ चश्मा — सब चुपचाप ठीक हो जाएगा। इनकी आलोचना से चोट मत खाइए; जब ये आपकी किसी आदत पर टोकते हैं, तो असल में ये आपको बेहतर देखना चाहते हैं, बस इनकी ज़ुबान सीधी है। इन्हें थोड़ा खुलकर भावनाएँ जताना सिखाइए, और बदले में इन्हें यह भरोसा दिलाइए कि आप टिककर रहने वाले हैं।

विवाह में कन्या राशि वाला एक अद्भुत साथी साबित होता है, बशर्ते आप इसके स्वभाव को समझ लें। यह घर को व्यवस्थित रखेगा, हिसाब सँभालेगा, बच्चों की ज़रूरतों पर पैनी नज़र रखेगा और मुश्किल वक़्त में घबराने के बजाय व्यावहारिक हल निकालेगा। इसकी एक ही माँग है — ईमानदारी और थोड़ी क़द्र। इसे यह अहसास दिलाते रहिए कि इसकी चुपचाप की गई सेवा अनदेखी नहीं जा रही। जिस रिश्ते में कन्या को सराहना और सम्मान मिलता है, वहाँ यह अपनी सारी चिंता पीछे छोड़कर सबसे कोमल, सबसे वफ़ादार और सबसे भरोसेमंद जीवनसाथी बन जाता है।

स्वास्थ्य

कन्या राशि वालों का सबसे बड़ा मित्र और सबसे बड़ा शत्रु, दोनों ही इनका अपना मन है। ये इतना सोचते हैं, इतना हिसाब लगाते हैं, हर बात को इतनी बार दोहराते हैं कि भीतर एक अनदेखी बेचैनी पलती रहती है। यही चिंता अक्सर इनके पेट और पाचन पर असर डालती है, क्योंकि ये अपनी सारी घबराहट भीतर ही समेट लेते हैं, बाहर शायद ही ज़ाहिर करें। इनके लिए सबसे ज़रूरी है मन को थमने देना — गहरी साँस लेना, थोड़ी देर के लिए सूचियों को किनारे रखना, और यह स्वीकार करना कि दुनिया हर वक़्त परिपूर्ण नहीं रह सकती।

सौभाग्य से, कन्या राशि वाले स्वभाव से ही स्वच्छता, संयम और अनुशासन के प्रति सजग होते हैं, जो इनके पक्ष में जाता है। ये सादा, साफ़ और समय पर भोजन पसंद करते हैं और अति से बचते हैं। इन्हें बस यह सीखना है कि आराम करना आलस नहीं, बल्कि ज़रूरत है। नियमित टहलना, बाग़बानी जैसे ज़मीन से जुड़े काम, और प्रकृति के बीच बिताया गया शांत समय इनके बेचैन मन को सबसे ज़्यादा सुकून देता है। जब कन्या राशि वाला अपने भीतर के आलोचक की आवाज़ धीमी कर लेता है, तो उसका तन और मन, दोनों खिल उठते हैं।

> प्रसिद्ध हस्तियाँ: मदर टेरेसा, ऋषि कपूर, भगत सिंह, अक्षय कुमार, माइकल जैक्सन, अगाथा क्रिस्टी।

खूबियाँ

- बारीकियों पर पैनी नज़र
- गहरी विश्वसनीयता
- व्यावहारिक बुद्धि
- अथक मेहनत
- निःस्वार्थ सेवाभाव
- स्वच्छता और अनुशासन
- तर्कसंगत सोच

सावधानियाँ

- ज़रूरत से ज़्यादा आलोचना
- लगातार बनी चिंता
- छोटी बातों में उलझना
- अति-परिपूर्णतावाद
- भावनाएँ जताने में हिचक
- खुद पर बहुत कठोर होना
- ज़िद्दी मीन-मेख

हर चीज़ को सही करने की दौड़ छोड़कर, कभी-कभी अधूरेपन की सुंदरता को भी जीना सीखिए।

राशि 7

तुला

Libra • तराज़ू (The Scales)

तिथि	23 सितंबर – 22 अक्टूबर
तत्व	वायु
स्वामी ग्रह	शुक्र
स्वभाव	चर (Cardinal)
शुभ रंग	नीला, गुलाबी
शुभ अंक	6

किसी भीड़भरी महफ़िल में अगर आपको ऐसा व्यक्ति दिखे जो हर किसी से मुस्कुराकर बात कर रहा हो, जिसकी आवाज़ में मखमल जैसी कोमलता हो और जो किसी का दिल दुखाए बिना दो लड़ते हुए लोगों को चुपचाप शांत करा दे, तो ठहर जाइए। आपके सामने संभवतः एक तुला राशि का जातक खड़ा है। शुक्र इनके सिर पर हाथ रखे रहता है, इसलिए सुंदरता, संतुलन और मीठी बातें इनके स्वभाव में ऐसे घुली हैं जैसे चाय में शक्कर। ये झगड़ा देखते ही असहज हो जाते हैं और हर हाल में बीच का रास्ता ढूँढ़ निकालते हैं।

तुला का प्रतीक है तराज़ू — और यही इस राशि की पूरी कहानी कह देता है। आप देखेंगे कि ये लोग ज़िंदगी भर किसी न किसी फ़ैसले के दोनों पलड़े तौलते रहते हैं। 'हाँ कहूँ या ना', 'यह पहनूँ या वह', 'उससे मिलूँ या नहीं' — इनके मन में हर पल एक नाज़ुक तुला झूलती रहती है। यह कोई कमज़ोरी नहीं, बल्कि न्याय की गहरी प्यास है। तुला जातक चाहता है कि हर चीज़ ठीक उतनी ही हो जितनी होनी चाहिए — न कम, न ज़्यादा, बिल्कुल बराबर और सुंदर।

इनके पास एक अजीब-सा जादू है। ये कमरे में दाख़िल होते हैं और हवा अपने आप हल्की हो जाती है। कठोर शब्द इनके मुँह से निकलते ही फूलों की तरह नरम हो जाते हैं। आप किसी तुला से नाराज़ होकर बात करने जाइए और दस मिनट बाद पाएँगे कि आप दोनों हँस रहे हैं और मूल झगड़ा कहीं पीछे छूट गया है। यही इनकी असली ताक़त है — वे लड़ाई जीतते नहीं, लड़ाई को ही पिघला देते हैं, और बदले में आपका दिल भी जीत लेते हैं।

कैसे पहचानें

तुला जातक को पहचानना कठिन नहीं। पहले उनकी मुस्कान देखिए — गालों में अक्सर हल्के गड्ढे पड़ते हैं और चेहरे पर एक स्वाभाविक माधुर्य रहता है जिसे देखकर अजनबी भी सहज महसूस करते हैं। इनकी आवाज़ शायद ही कभी ऊँची होती है; ये धीमे, सुरीले और तौलकर बोलते हैं। कपड़ों में आपको सलीका दिखेगा — रंग आपस में मिलते-जुलते, कुछ भी भड़कीला नहीं, सब कुछ सुरुचि से चुना हुआ। बेतरतीबी इन्हें भीतर तक खटकती है।

बातचीत में ध्यान दीजिए — ये कभी सीधे 'नहीं' नहीं कहेंगे। पहले आपकी बात से सहमत होंगे, फिर बड़ी मिठास से दूसरा पहलू सामने रखेंगे, और अंत में आपको ही लगेगा कि निर्णय आपने स्वयं लिया है। किसी विषय पर इनकी राय पूछिए तो अक्सर सुनेंगे — 'हाँ, यह भी ठीक है, पर वह भी तो ग़लत नहीं।' यह टालमटोल नहीं, बल्कि हर पक्ष को सच्चे मन से समझने की कोशिश है। दो विपरीत बातों को एक साथ देख पाना इनका सहज स्वभाव है।

इनके घर या मेज़ पर नज़र डालिए — कहीं कोई सुंदर तस्वीर, कोई कलात्मक वस्तु, ताज़े फूल या सुगंध ज़रूर मिलेगी। कुरूपता और शोर से इनका दम घुटता है। किसी बहस के बीच अगर कोई व्यक्ति अचानक असहज होकर माहौल बदलने की कोशिश करे, चाय मँगवा ले या हँसी-मज़ाक से तनाव हल्का कर दे — तो समझ जाइए वह तुला है। ये संतुलन के पुजारी हैं और असंतुलन इन्हें शारीरिक रूप से भी बेचैन कर देता है।

व्यक्तित्व

तुला जातक के भीतर एक न्यायाधीश बैठा रहता है जो लगातार दोनों पलड़े तौलता है। यही कारण है कि निर्णय लेना इनके लिए दुनिया का सबसे कठिन काम है। मेन्यू देखकर आधा घंटा सोचना, दुकान में दो शर्ट हाथ में लेकर देर तक खड़े रहना, और अंत में दोनों ख़रीद लेना या कुछ भी न ख़रीदना — यह बहुत स्वाभाविक है। पर एक बार जब ये सोच-समझकर फ़ैसला कर लेते हैं, तो उस पर इनकी पकड़ हैरान कर देने वाली होती है, क्योंकि वह फ़ैसला सच में संतुलित होता है।

ये जन्मजात राजनयिक हैं। किसी कमरे में तनाव हो तो ये उसे भाँप लेते हैं और चुपचाप पुल बनने लगते हैं। दो रूठे हुए दोस्तों को फिर से मिलाना, बॉस और कर्मचारी के बीच का खिंचाव कम करना, परिवार के झगड़े में बीच का रास्ता निकालना — इन सबमें तुला अद्वितीय है। पर इसकी एक क़ीमत है: सबको ख़ुश रखने की कोशिश में ये कभी-कभी अपनी असली राय दबा जाते हैं और बाद में भीतर ही भीतर कुढ़ते रहते हैं।

शुक्र का असर इन्हें सौंदर्य और आराम का प्रेमी बनाता है। अच्छा खाना, सुंदर कपड़े, मधुर संगीत, सलीकेदार घर — ये सब इनकी आत्मा का भोजन हैं। आलस्य भी इनके स्वभाव का हिस्सा है; कई बार ये नरम सोफ़े पर बैठकर 'बस अभी उठता हूँ' कहते-कहते घंटों बिता देते हैं। पर यह आलस धोखा देने वाला है — जब कोई बड़ा लक्ष्य या न्याय का सवाल सामने आता है, तो यही सुस्त दिखने वाला तुला अचानक अथक परिश्रमी बन जाता है।

इनका आकर्षण लगभग अनुचित हद तक प्रबल है। ये जानते हैं कि किस तरह देखकर, किस लहज़े में बोलकर सामने वाले को पिघलाना है, और अक्सर इसका इस्तेमाल भी करते हैं — पर शायद ही कभी क्रूरता से। तुला अकेलेपन से डरता है; इसे साथी चाहिए, संवाद चाहिए, किसी न किसी का साथ चाहिए। अकेले रहना इनके लिए सज़ा जैसा है। यही कारण है कि ये रिश्तों को बहुत संजोते हैं और हर हाल में उन्हें टूटने से बचाने की कोशिश करते हैं।

तुला पुरुष

तुला पुरुष से मिलिए — पहली ही मुलाक़ात में वह आपको ऐसा महसूस कराएगा जैसे आप वर्षों से उसके मित्र हों। उसकी बातों में तर्क और कोमलता दोनों होते हैं, और वह बहस को कला की तरह बरतता है — कभी आवाज़ ऊँची किए बिना अपनी बात मनवा लेता है। वह सुंदरता का पुजारी है, इसलिए सजी-सँवरी, सुसंस्कृत और बुद्धिमान साथी की ओर खिंचता है। पर सावधान — वह हर आकर्षक व्यक्ति की तारीफ़ करता है; इसका अर्थ बेवफ़ाई नहीं, बस सौंदर्य के प्रति उसका सहज सम्मान है।

निर्णय के मामले में यह पुरुष आपको पागल कर सकता है। फ़िल्म कौन-सी देखें, छुट्टी कहाँ बिताएँ, घर का परदा किस रंग का हो — इन सब पर वह इतना सोचता है कि आप ख़ुद थक जाएँगे। उससे साफ़ 'हाँ' या 'ना' खींचना तलवार की धार पर चलने जैसा है। पर जब निर्णय की ज़िम्मेदारी सच में उसके कंधों पर आती है, तब वही पुरुष आश्चर्यजनक रूप से न्यायप्रिय और संतुलित नेता बन जाता है, जिस पर हर पक्ष भरोसा करता है।

प्रेम में तुला पुरुष रोमांस का राजा है — फूल, कविता, मीठे शब्द, सुंदर रात्रिभोज, सब कुछ। वह झगड़ा नहीं चाहता; ज़ोर से चीख़ती-चिल्लाती साथी उसे भीतर तक तोड़ देती है। उसे चाहिए सौम्यता, संवाद और शांति। पर उसकी सबसे बड़ी कमज़ोरी है — सबको ख़ुश रखने की चाह में वह कभी-कभी दुविधाग्रस्त और टालमटोल करने वाला लगता है। यदि आप उसे शांत मन से प्यार और थोड़ा प्रोत्साहन दें, तो वह जीवन भर का सबसे निष्ठावान और मधुर साथी सिद्ध होगा।

तुला स्त्री

तुला स्त्री पहली नज़र में ही मन मोह लेती है — उसकी चाल में लय, बोली में माधुर्य और व्यवहार में एक स्वाभाविक शालीनता होती है। वह जहाँ बैठती है, वहीं सौंदर्य रच देती है। पर इस कोमल रूप के पीछे एक तेज़ बुद्धि और मज़बूत तार्किक मन छिपा रहता है, जिसे लोग अक्सर भाँप नहीं पाते। उसके सामने कमज़ोर मत समझिए — वह मीठी मुस्कान के साथ बहस भी जीत सकती है और आपको पता तक नहीं चलेगा कि कब आप उसकी बात मान बैठे।

उसे सुंदर वस्तुएँ बहुत प्रिय हैं — अच्छे कपड़े, गहने, सुसज्जित घर, और एक ऐसा साथी जिसके साथ वह गर्व से कहीं भी जा सके। फ़िज़ूलख़र्ची उसकी कमज़ोरी हो सकती है, पर वह पैसे को बदसूरती में नहीं, सुंदरता में लगाती है। निर्णय लेने में वह भी झूलती है — कभी-कभी इतना कि सामने वाला झुँझला जाए। पर यह उसकी अनिश्चितता नहीं, बल्कि हर चीज़ को ठीक-ठीक न्यायसंगत बनाने की चाह है।

प्रेम और विवाह में तुला स्त्री समर्पित और रोमांटिक होती है, पर उसे रूखा बर्ताव और लगातार झगड़ा बर्दाश्त नहीं। उसे चाहिए सम्मान, मधुर संवाद और बराबरी का साथ। यदि उसका साथी कठोर और लड़ाकू हो, तो वह धीरे-धीरे मुरझा जाती है। पर यदि आप उसे प्यार, सौंदर्य और शांति का संसार दें, तो वह आपके जीवन को इतनी कोमलता और संतुलन से भर देगी कि आप उसके बिना अपने दिन की कल्पना भी न कर पाएँगे।

तुला बालक

तुला शिशु अक्सर मुस्कुराता हुआ, सुंदर और सबको लुभाने वाला होता है। यह बच्चा झगड़े और ऊँची आवाज़ से डर जाता है; अगर घर में माँ-बाप झगड़ें तो यह भीतर तक असहज हो जाता है और शांति लौटाने की कोशिश में लग जाता है। इसे रंग, संगीत, कहानियाँ और सुंदर चीज़ें बहुत भाती हैं। दूसरे बच्चों के बीच यह स्वाभाविक मध्यस्थ बन जाता है — लड़ते हुए दोस्तों को मिलाना इसे अपने आप आ जाता है।

पर माता-पिता को इसकी एक आदत समझनी होगी — यह निर्णय लेने में बहुत हिचकिचाता है और कभी-कभी आलसी भी लगता है। इसे डाँटकर नहीं, प्यार और तर्क से समझाना ज़्यादा असरदार होता है, क्योंकि कठोरता इसका दिल बंद कर देती है। इसकी न्यायप्रियता को सराहिए, इसकी सुंदरता की समझ को बढ़ावा दीजिए, और इसे छोटे-छोटे फ़ैसले ख़ुद लेने दीजिए। इस तरह यह बच्चा आगे चलकर एक संतुलित, सुसंस्कृत और सबका प्रिय व्यक्ति बनेगा।

तुला : बॉस के रूप में

तुला बॉस के दफ़्तर में आप पाएँगे कि माहौल असामान्य रूप से सुखद है — दीवारों पर सुंदर तस्वीरें, मेज़ पर सलीका और बातचीत में मिठास। यह मालिक चीख़-पुकार से काम नहीं चलाता; वह मनाकर, समझाकर और सबकी राय लेकर निर्णय तक पहुँचता है। किसी कर्मचारी को डाँटना हो तो भी वह इतनी कोमलता से कहेगा कि सामने वाले को बुरा कम और सुधरने की इच्छा ज़्यादा होगी। न्याय इसका सबसे बड़ा मूल्य है — पक्षपात इसे भीतर तक खटकता है।

पर इसके साथ काम करने की एक चुनौती है — यह तुरंत फ़ैसले नहीं ले पाता। किसी प्रस्ताव पर 'मुझे सोचने दीजिए' कहकर यह दिनों टाल सकता है, क्योंकि वह हर पहलू तौलना चाहता है। यदि आप धैर्य रखें और उसे साफ़ तथ्य व विकल्प दें, तो वह अंततः बहुत संतुलित और निष्पक्ष निर्णय देता है। ऐसे बॉस के लिए मेहनत कीजिए, उसकी सौंदर्यदृष्टि का सम्मान कीजिए, और झगड़े से दूर रहिए — वह आपको हमेशा सराहेगा और बचाएगा।

तुला : कर्मचारी के रूप में

तुला कर्मचारी दफ़्तर की धड़कन होता है। वह सहकर्मियों के बीच पुल बनाता है, झगड़े शांत कराता है और तनाव भरे माहौल को हल्का कर देता है। ग्राहक हों या साथी — उसकी मधुर वाणी और सुलझा हुआ व्यवहार हर किसी को जीत लेता है। जहाँ टीम-वर्क, बातचीत, समझौता या सौंदर्य से जुड़ा काम हो, वहाँ वह चमकता है। उसे अकेले बंद कमरे में रूखा, मशीनी काम मत दीजिए — साथ और संवाद के बिना उसका मन मुरझा जाता है।

उसकी कमज़ोरी है निर्णय में देरी और कभी-कभी सुस्ती। समय-सीमा का दबाव उसे घबरा देता है, क्योंकि वह जल्दबाज़ी में ग़लत निर्णय नहीं लेना चाहता। यदि आप उसे शांत माहौल, स्पष्ट दिशा और थोड़ी प्रशंसा दें, तो वही सुस्त दिखने वाला तुला असाधारण लगन से काम करता है। उसकी न्यायप्रियता और कूटनीति उसे ऐसी जगहों के लिए आदर्श बनाती है जहाँ लोगों को साधना और संतुलन बिठाना ज़रूरी हो।

प्रेम और विवाह

तुला राशि शुक्र की संतान है, इसलिए प्रेम इनके लिए साँस लेने जैसा स्वाभाविक है। ये अकेले रहने के लिए बने ही नहीं — इन्हें एक साथी चाहिए जिसके साथ ये दुनिया देख सकें, बहस कर सकें और हँस सकें। प्रेम में ये रोमांटिक, कोमल और बेहद चौकस होते हैं; छोटी-छोटी बातों को याद रखते हैं और रिश्ते को सुंदर बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ते। पर इन्हें रूखापन, चीख़-पुकार और लगातार कलह सहन नहीं — झगड़ालू साथी इनकी आत्मा को थका देता है।

विवाह में तुला जातक संतुलन और साझेदारी का सच्चा प्रतीक होता है। ये रिश्ते को बराबरी का मानते हैं और चाहते हैं कि हर निर्णय मिल-बैठकर लिया जाए। पर इनकी एक आदत साथी को परेशान कर सकती है — सबको ख़ुश रखने की चाह में ये कभी-कभी दूसरों के साथ भी इतने मधुर हो जाते हैं कि साथी असुरक्षित महसूस कर सकता है। यह बेवफ़ाई नहीं, बस इनका स्वभाव है; इन्हें थोड़े भरोसे और थोड़ी समझ की ज़रूरत होती है।

यदि आप किसी तुला से प्रेम करते हैं, तो याद रखिए — कठोरता से नहीं, कोमलता से इनका दिल खुलता है। इनके सामने सुंदरता, शिष्टता और मधुर संवाद रखिए, झगड़े के बजाय बातचीत चुनिए, और इन्हें यह विश्वास दिलाइए कि घर शांति का आँगन है। ऐसा साथी पाकर तुला जातक खिल उठता है और बदले में आपको इतना प्यार, इतना समर्पण और इतनी सुंदरता देता है कि जीवन सचमुच एक संतुलित, सुरीला गीत बन जाता है।

स्वास्थ्य

तुला जातक की भीतरी स्थिति का सीधा संबंध मन की शांति से होता है। जब इनके आसपास झगड़ा, तनाव या असंतुलन होता है, तो ये बेचैन और थके हुए महसूस करते हैं; और जब माहौल सुंदर, शांत और सौहार्दपूर्ण होता है, तो ये खिल उठते हैं। इसलिए इनके लिए शांत, सुरुचिपूर्ण वातावरण, मधुर संगीत और सुकून भरे रिश्ते किसी औषधि से कम नहीं। मानसिक संतुलन ही इनकी सबसे बड़ी पूँजी है।

आराम और सौंदर्य के प्रति प्रेम कभी-कभी इन्हें आलस्य और मीठे-स्वादिष्ट भोजन की ओर खींच ले जाता है। इसलिए संयमित दिनचर्या, नियमित हल्की कसरत और संतुलित खान-पान इनके लिए विशेष रूप से लाभकारी रहते हैं। थोड़ी-सी प्रकृति की सैर, थोड़ा-सा संगीत और थोड़ा-सा अनुशासन — यही तीन चीज़ें मिलकर तुला जातक को भीतर-बाहर से सुंदर और ऊर्जावान बनाए रखती हैं। संतुलन इनका जीवन-सूत्र है, और यही इनकी तंदुरुस्ती की कुंजी भी।

> प्रसिद्ध हस्तियाँ: महात्मा गांधी, अमिताभ बच्चन, रेखा, सुष्मिता सेन, महात्मा गांधी जैसे शांति-दूत के साथ वैश्विक रूप से जॉन लेनन और ऑस्कर वाइल्ड।

खूबियाँ

- न्यायप्रिय और निष्पक्ष
- कुशल राजनयिक
- मधुर और आकर्षक
- सौंदर्य की गहरी समझ
- संतुलन बनाने में निपुण
- सौम्य और शिष्ट
- उत्तम मध्यस्थ

सावधानियाँ

- निर्णय में अति-दुविधा
- टालमटोल की आदत
- कभी-कभी आलस्य
- अति-सुख का मोह
- टकराव से बचने की ज़िद
- दूसरों पर निर्भरता
- फ़िज़ूलख़र्ची की प्रवृत्ति

हर पलड़ा तौलते रहोगे तो जीवन झूलता ही रह जाएगा — कभी मन की सुनकर एक छोर थाम लो, यही सच्चा संतुलन है।

राशि 8

वृश्चिक

Scorpio • बिच्छू (The Scorpion)

तिथि	23 अक्टूबर – 21 नवंबर
तत्व	जल
स्वामी ग्रह	मंगल / केतु
स्वभाव	स्थिर (Fixed)
शुभ रंग	गहरा लाल, काला
शुभ अंक	9, 8

किसी भीड़भाड़ वाले कमरे में जब सब हँस-बोल रहे हों, तब एक कोने में चुपचाप खड़ा वह व्यक्ति, जो कुछ नहीं कह रहा पर सब कुछ देख रहा है — आपने उसे महसूस कर लिया होगा। उसकी आँखों में एक ठहराव है, एक गहराई है, मानो किसी शांत झील के नीचे कोई पूरा समुद्र छिपा हो। यही है आपका वृश्चिक मित्र। वह शोर नहीं करता, फिर भी उसकी उपस्थिति कमरे की हवा बदल देती है। आप उसके पास जाएँगे तो भीतर तक झाँकी हुई-सी अनुभूति होगी।

वृश्चिक को समझना उतना ही कठिन है जितना मुट्ठी में पानी बाँधना। वह आपको अपनी सतह दिखाएगा — शांत, मधुर, संयमित — और आप सोचेंगे कि बस इतना ही है। पर भरोसा कीजिए, यह तो केवल पहला पर्दा है। इसके पीछे परत-दर-परत भावनाएँ हैं, जुनून है, और एक ऐसी इच्छाशक्ति है जो पहाड़ हिला दे। बिच्छू का प्रतीक यूँ ही नहीं चुना गया — छोटा-सा प्राणी, पर उसका डंक भुलाया नहीं जाता। वृश्चिक भी ऐसा ही है: कोमल भी, और घातक भी।

अगर आपके जीवन में कोई वृश्चिक है, तो आप जानते होंगे कि यह आधे-अधूरे रिश्तों में विश्वास नहीं रखता। या तो वह आपको पूरे दिल से अपनाएगा, या फिर पूरी तरह दूर हो जाएगा — बीच का रास्ता उसकी शब्दावली में नहीं है। उसका प्रेम जलते दीये-सा स्थिर होता है, और उसकी नाराज़गी बर्फ-सी ठंडी। पर जिस दिन वह आपको अपना मान लेता है, उस दिन आपको दुनिया का सबसे वफ़ादार साथी मिल जाता है। यही विरोधाभासों का सुंदर संसार है — वृश्चिक का संसार।

कैसे पहचानें

वृश्चिक को पहचानना है तो सबसे पहले उसकी आँखों में झाँकिए। वे आँखें भेदती हैं — मानो आपके भीतर का हर रहस्य पढ़ रही हों। उसकी नज़र में एक चुंबकीय खिंचाव है, जिससे नज़र हटाना कठिन हो जाता है। उसका चेहरा प्रायः शांत और संयत रहता है, भाव कम दिखते हैं, पर भीतर का तूफ़ान कभी-कभी होंठों की हल्की-सी सिकुड़न में झलक जाता है। वह ज़ोर से नहीं बोलता, फिर भी उसकी बात में एक धार होती है जो सीधे दिल में उतर जाती है।

उसकी चाल में एक सधा हुआ आत्मविश्वास होता है — न जल्दबाज़ी, न हड़बड़ी। वह कमरे में आता है तो ध्यान खींचे बिना भी ध्यान का केंद्र बन जाता है। वह बहुत कम सवाल पूछता है, पर जो पूछता है वह सीधे जड़ तक जाता है। छोटी-मोटी बातें उसे बोर करती हैं; उसे गहराई चाहिए, अर्थ चाहिए। अगर बातचीत सतही रही, तो आप उसकी आँखों में एक हल्की-सी ऊब देख लेंगे। पर किसी रहस्य की बात छेड़िए — और वह पूरी तरह जाग उठेगा।

एक और पहचान यह कि वृश्चिक कभी अपने पत्ते जल्दी नहीं खोलता। वह आपकी बातें सुनेगा, आपको आँकेगा, और तब तक अपने बारे में बहुत कम बताएगा जब तक उसे आप पर भरोसा न हो जाए। उसके चारों ओर एक रहस्य का घेरा रहता है जिसे भेदना आसान नहीं। उसे चोट पहुँचाइए, और वह तत्काल पलटवार नहीं करेगा — वह प्रतीक्षा करेगा, याद रखेगा। उसकी स्मृति बहुत लंबी होती है, अच्छे के लिए भी और बुरे के लिए भी।

व्यक्तित्व

वृश्चिक का व्यक्तित्व जुनून और नियंत्रण के बीच झूलता है। भीतर वह आग है, पर ऊपर से बर्फ़ की चादर ओढ़े रहता है। यही उसकी सबसे बड़ी ताक़त है — वह अपनी प्रबल भावनाओं को इतने संयम से थामे रखता है कि सामने वाले को भनक तक नहीं लगती। पर भीतर एक ज्वालामुखी पकता रहता है। जब वह फूटता है, तो आधे-अधूरे ढंग से नहीं फूटता। इसीलिए लोग उसे कभी देवदूत और कभी राक्षस तक कह देते हैं — सच तो यह है कि वह दोनों के बीच एक गहरा, जटिल मनुष्य है।

उसकी इच्छाशक्ति अद्भुत है। जो ठान लेता है, उसे पाकर ही दम लेता है — चाहे रास्ते में कितनी भी बाधाएँ क्यों न आएँ। हार मानना उसके स्वभाव में नहीं। यही ज़िद उसे सफलता के शिखर तक ले जाती है, पर कभी-कभी ज़िद हठ बनकर उसे ही नुक़सान पहुँचाती है। वह माफ़ कर सकता है, पर भूलता कभी नहीं। और जिसने उसका भरोसा तोड़ा, उसके लिए वृश्चिक के दिल में दोबारा जगह बनना लगभग असंभव हो जाता है।

रहस्य वृश्चिक का प्रिय साथी है। वह दूसरों के राज़ बहुत आसानी से जान लेता है, पर अपने राज़ कभी नहीं खोलता। उसमें एक जासूस-सा कौतूहल है — चीज़ों की तह तक जाने की भूख। सतही जवाब उसे संतुष्ट नहीं करते; वह जानना चाहता है कि असल में हो क्या रहा है, और क्यों। यही गुण उसे एक उत्कृष्ट खोजी, चिकित्सक, मनोवैज्ञानिक या अन्वेषक बनाता है। जहाँ दूसरे रुक जाते हैं, वृश्चिक वहीं से खुदाई शुरू करता है।

पर इस गहराई की एक क़ीमत भी है। वृश्चिक के भीतर ईर्ष्या और स्वामित्व की भावना प्रबल हो सकती है। जिसे वह प्रेम करता है, उस पर पूरा हक़ चाहता है। शक की एक छोटी-सी चिनगारी भी उसके मन में आग लगा सकती है। फिर भी, इन्हीं तीव्र भावनाओं के कारण वह सबसे गहरा प्रेमी, सबसे सच्चा मित्र और सबसे दृढ़ रक्षक बनता है। वृश्चिक को आधा-अधूरा जीना आता ही नहीं — वह या तो पूरी शिद्दत से जीता है, या जीता ही नहीं।

वृश्चिक पुरुष

वृश्चिक पुरुष पहली नज़र में रहस्य की एक चलती-फिरती किताब लगता है। वह बहुत बोलता नहीं, पर उसकी चुप्पी में भी एक चुंबक होता है। उसकी आँखें आपको पढ़ती रहती हैं, और आप जान नहीं पाते कि वह क्या सोच रहा है। आत्मविश्वास उसमें कूट-कूट कर भरा है, पर वह उसे दिखावे के रूप में नहीं, एक शांत निश्चय के रूप में पेश करता है। जिस लक्ष्य पर निगाह गड़ा दे, उससे भटकना उसके बस की बात नहीं — वह धैर्यपूर्वक, चुपचाप, अपनी मंज़िल की ओर बढ़ता रहता है।

प्रेम में यह पुरुष पूरी तरह समर्पित होता है, पर उसके साथ ही पूरी तरह अधिकार भी जताता है। वह आपको दुनिया की हर ख़ुशी देगा, पर बदले में पूरी वफ़ादारी चाहेगा — बँटवारा उसे स्वीकार नहीं। उसका प्रेम तीव्र, गहरा और कभी-कभी जलनशील भी होता है। अगर आपने उसे धोखा दिया, तो वह चीख-पुकार नहीं मचाएगा; वह बस ठंडा पड़ जाएगा, और वह ठंडापन किसी भी आग से ज़्यादा डरावना होता है। पर सच्चे साथी के लिए वह सात समंदर पार कर जाए, ऐसा उसका प्रण होता है।

वृश्चिक पुरुष से दोस्ती करना सौभाग्य की बात है। वह उन गिने-चुने लोगों में से है जो आपके बुरे वक़्त में आपका हाथ नहीं छोड़ेगा। उसकी सलाह दो-टूक और बेबाक होती है — वह मीठी झूठी बातें नहीं करता। उसे मूर्ख समझने की भूल कभी मत कीजिए; वह हर चाल पहले से भाँप लेता है। उसका ग़ुस्सा देर से आता है, पर जब आता है तो भुलाया नहीं जाता। फिर भी, उसके कठोर बाहरी आवरण के नीचे एक बेहद कोमल, संवेदनशील हृदय धड़कता है, जिसे वह संसार से छिपाए रखता है।

वृश्चिक स्त्री

वृश्चिक स्त्री एक पहेली है, जिसे सुलझाने में आप पूरी ज़िंदगी लगा दें और फिर भी पूरा न जान पाएँ। उसमें एक रहस्यमयी सुंदरता है — वह जो कहती नहीं, वही सबसे ज़्यादा खींचती है। उसकी आँखों में गहराई है, और उसकी मुस्कान में एक हल्की-सी पहेली। वह भीड़ में खोई नहीं रहती; अपनी एक अलग दुनिया रचती है, जहाँ हर किसी का प्रवेश वर्जित है। जिसे वह भीतर आने देती है, वह सचमुच भाग्यशाली होता है, क्योंकि उसका प्रेम पाना आसान नहीं।

इस स्त्री में अद्भुत आत्मबल और गरिमा होती है। वह झुकती है तो अपनी मर्ज़ी से, और टूटती तब भी झुककर नहीं। बाहर से वह शांत और संयत दिखती है, पर भीतर एक प्रबल भावनाओं का सागर लहराता है। वह नाटक नहीं करती, आँसू सबके सामने नहीं बहाती; अपना दर्द भी एकांत में पीती है। उसके मन को पढ़ पाना कठिन है, क्योंकि वह अपने असली विचार बहुत संभालकर रखती है। पर एक बार उसने आपको दिल दे दिया, तो वह दुनिया से लड़ जाएगी, आपके लिए।

प्रेम में वृश्चिक स्त्री वफ़ादारी की प्रतिमूर्ति है, पर बदले में वही वफ़ादारी माँगती भी है। बँटा हुआ प्रेम उसे मंज़ूर नहीं — या तो पूरा, या कुछ नहीं। ईर्ष्या उसकी कमज़ोरी भी है और प्रेम की गहराई का प्रमाण भी। उसे हलके में लेने की भूल कभी मत कीजिए; उसकी कोमलता को कमज़ोरी समझना सबसे बड़ी ग़लती होगी। वह माँ बने तो शेरनी-सी रक्षक, साथी बने तो अटूट सहारा। उसके साथ जीवन कभी नीरस नहीं होता — गहरा ज़रूर होता है, सच्चा ज़रूर होता है।

वृश्चिक बालक

वृश्चिक बच्चा शुरू से ही अपनी एक अलग दुनिया रखता है। उसकी आँखों में उम्र से कहीं ज़्यादा गहराई दिखती है, मानो वह आपसे ज़्यादा समझता हो। वह ज़िद्दी होता है, पर बेवजह नहीं; जो ठान ले उसे पाकर ही रहता है। उसकी भावनाएँ बहुत प्रबल होती हैं — प्यार करेगा तो पूरे दिल से, और नाराज़ होगा तो भी पूरी शिद्दत से। उसे डाँट-डपट से नहीं, बल्कि प्रेम और भरोसे से जीता जा सकता है। चिल्लाएँगे तो वह और भीतर सिमट जाएगा।

इस बच्चे के मन में हज़ारों सवाल पकते रहते हैं, पर वह सब पूछता नहीं — वह चुपचाप देखता और समझता रहता है। उसे अपनी निजता बहुत प्रिय है; उसकी डायरी या उसके कोने में बिना अनुमति झाँकना उसे गहरी चोट पहुँचा सकता है। उसे ऐसी जगह दें जहाँ वह अपनी भावनाओं को सुरक्षित महसूस करे। उसका भरोसा एक बार जीत लीजिए, तो वह आपके लिए सबसे वफ़ादार और संवेदनशील संतान बनेगा। बस याद रखिए — वह सब कुछ महसूस करता है, और कुछ भी नहीं भूलता।

वृश्चिक : बॉस के रूप में

वृश्चिक बॉस के नीचे काम करना एक अनुभव है जो आपको या तो निखार देगा या थका देगा। वह सब कुछ देखता है, हर बात भाँप लेता है, और दिखावे या बहानों से ज़रा भी प्रभावित नहीं होता। उसके सामने झूठ बोलना व्यर्थ है — वह सच को आँखों से पढ़ लेता है। वह बहुत बोलने वाला बॉस नहीं, पर उसका एक शांत वाक्य भी पूरे कमरे को सीधा कर देता है। काम में वह पूर्णता चाहता है, और आधे-अधूरे प्रयास को वह तुरंत पहचान लेता है।

पर अगर आप ईमानदार और मेहनती हैं, तो इससे बेहतर बॉस मिलना मुश्किल है। वह अपनी टीम की पूरी रक्षा करता है और वफ़ादारी का मोल खूब समझता है। एक बार उसका भरोसा जीत लिया, तो वह आपके लिए दीवार बनकर खड़ा हो जाएगा। वह कठोर निर्णय भी ले लेता है, पर कभी अन्यायपूर्ण नहीं होता। उसकी प्रशंसा कम मिलती है, इसलिए जब मिले तो उसे संजोकर रखिए — क्योंकि वृश्चिक तारीफ़ तभी करता है जब वह सचमुच दिल से उठती है।

वृश्चिक : कर्मचारी के रूप में

वृश्चिक कर्मचारी किसी भी संस्था के लिए वरदान है, बशर्ते आप उसकी क़द्र करना जानते हों। वह आधे मन से कुछ नहीं करता — जो काम सौंप दिया, उसे जड़ तक समझकर, पूरी निष्ठा से करेगा। मुश्किल और चुनौतीपूर्ण काम उसे और भी जोश से भर देते हैं; आसान, उबाऊ काम उसका दम घोंट देते हैं। वह चापलूसी नहीं करता, इसलिए कभी-कभी रूखा लग सकता है, पर उसकी वफ़ादारी पर कभी संदेह मत कीजिए। संकट के समय वही सबसे दृढ़ता से डटा रहेगा।

उसे सूक्ष्म निगरानी और बार-बार टोकाटाकी बिल्कुल पसंद नहीं। उस पर भरोसा कीजिए और काम की आज़ादी दीजिए — फिर देखिए वह कैसे कमाल करता है। उसका दिमाग़ रणनीतिक है; वह समस्या को सिर्फ़ सुलझाता नहीं, उसकी जड़ खोदकर निकाल देता है। पर सावधान रहिए — अगर उसके साथ अन्याय हुआ या उसकी मेहनत का श्रेय किसी और को मिला, तो वह चुपचाप सहेगा नहीं। वह अपना सम्मान सबसे ऊपर रखता है, और इसी सम्मान के लिए वह दुनिया से भिड़ने को तैयार रहता है।

प्रेम और विवाह

वृश्चिक का प्रेम किसी हलकी-फुलकी फुहार-सा नहीं, बल्कि गहरे समुद्र-सा होता है — विशाल, प्रबल और थोड़ा डरावना भी। जब वह किसी से प्रेम करता है, तो आधे-अधूरे ढंग से नहीं; वह अपना पूरा अस्तित्व उसमें झोंक देता है। उसके लिए प्रेम कोई खेल नहीं, एक पवित्र समर्पण है। वह आपको ऐसे चाहेगा कि आपको ख़ुद पर भी इतना यक़ीन न रहा हो। पर बदले में वह वही गहराई, वही समर्पण और वही पूर्ण वफ़ादारी माँगता है — इससे कम कुछ भी उसे अधूरा-सा लगता है।

विवाह में वृश्चिक एक अटूट साथी बनता है। वह सुख-दुख में, उतार-चढ़ाव में, हर मोड़ पर साथ खड़ा रहता है। उसका रिश्ता समय के साथ कमज़ोर नहीं पड़ता, बल्कि और गहरा होता जाता है। पर ईर्ष्या और स्वामित्व की भावना इस रिश्ते की सबसे बड़ी चुनौती है। उसे भरोसा चाहिए — खुला, साफ़, बिना किसी छिपाव वाला। अगर साथी पारदर्शी रहे और उसका विश्वास बनाए रखे, तो वृश्चिक के साथ बिताया जीवन एक ऐसी गहराई से भर जाता है जो बहुत कम लोगों के नसीब में होती है।

वृश्चिक से प्रेम पाने का एक ही मंत्र है — सच्चाई। उससे कभी झूठ मत बोलिए, क्योंकि वह झूठ की गंध दूर से पहचान लेता है, और एक बार भरोसा टूटा तो उसे जोड़ना बेहद कठिन होता है। उसकी भावनाओं का आदर कीजिए, उसकी निजता का सम्मान कीजिए, और उसे यह यक़ीन दिलाते रहिए कि आप उसके हैं। फिर देखिए — यही गहन, रहस्यमयी, कभी-कभी ज़िद्दी व्यक्ति आपके लिए सबसे कोमल, सबसे भावुक और सबसे वफ़ादार प्रेमी बन जाएगा।

स्वास्थ्य

वृश्चिक की सबसे बड़ी चुनौती उसकी अपनी भावनाएँ हैं। वह हर बात को बहुत गहराई से महसूस करता है, और अक्सर अपने ग़ुस्से, दुख या ईर्ष्या को भीतर ही दबाए रखता है। यही दबा हुआ तूफ़ान कभी-कभी उसकी मानसिक शांति को घेर लेता है। उसके लिए ज़रूरी है कि वह अपनी भावनाओं को किसी विश्वसनीय व्यक्ति के साथ बाँटे, या किसी रचनात्मक काम में उन्हें ढाले। मन का बोझ हलका रहे, तो वृश्चिक की ऊर्जा अद्भुत रूप से प्रबल और संतुलित बनी रहती है।

वृश्चिक में अपार ऊर्जा और सहनशक्ति होती है — वह थककर भी डटा रहता है। पर यही उसकी कमज़ोरी भी बन सकती है, क्योंकि वह आराम को अनदेखा कर देता है और ख़ुद को सीमा से ज़्यादा खींच लेता है। उसके लिए संतुलन सबसे बड़ा उपहार है — पर्याप्त विश्राम, पानी के पास बिताया समय, गहरी साँसें और ध्यान। जब वह अपने भीतर के तूफ़ान को शांत करना सीख लेता है, तो उसका तन और मन दोनों एक नई दृढ़ता और चमक से भर उठते हैं।

> प्रसिद्ध हस्तियाँ: इंदिरा गांधी, अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, बिल गेट्स, पाब्लो पिकासो, मैरी क्यूरी।

खूबियाँ

- गहन भावनात्मक तीव्रता
- अटूट वफ़ादारी
- अद्भुत इच्छाशक्ति
- साहस और निडरता
- तह तक जाने वाली अंतर्दृष्टि
- संकट में दृढ़ता
- जुनूनी समर्पण

सावधानियाँ

- अत्यधिक ईर्ष्या
- स्वामित्व की भावना
- बदले की प्रवृत्ति
- हठ और ज़िद
- अति-गोपनीयता
- शक्की स्वभाव
- भावनाओं को दबाना

अपने भीतर के सागर को बहने दीजिए — नियंत्रण छोड़ने में ही सच्ची शक्ति छिपी है।

राशि 9

धनु

Sagittarius • धनुर्धर (The Archer)

तिथि	22 नवंबर – 21 दिसंबर
तत्व	अग्नि
स्वामी ग्रह	गुरु (बृहस्पति)
स्वभाव	द्विस्वभाव (Mutable)
शुभ रंग	पीला, बैंगनी
शुभ अंक	3, 9

किसी भीड़भाड़ वाले रेलवे प्लेटफ़ॉर्म पर जब अचानक कोई हँसी का ठहाका गूँज उठे, और मुड़कर देखने पर आपको एक खुले चेहरे वाला, बेफ़िक्र-सा इंसान मिले जो अनजान सहयात्री से भी ऐसे बातें कर रहा हो जैसे बरसों की दोस्ती हो — तो समझ लीजिए, आपकी मुलाक़ात एक धनु राशि वाले से हो चुकी है। ये लोग कमरे में दबे पाँव नहीं आते; ये दरवाज़ा खोलते ही पूरी जगह को अपनी ऊर्जा से भर देते हैं, मानो ताज़ी हवा का एक झोंका खिड़की से अंदर आ गया हो।

धनु का प्रतीक है धनुर्धर — आधा मनुष्य, आधा घोड़ा, और हाथ में तीर हमेशा ऊपर, आसमान की ओर ताना हुआ। यही इस राशि की पूरी कहानी कह देता है। आप ज़मीन पर खड़े होकर भी कभी ज़मीन भर का सपना नहीं देखते; आपका तीर हमेशा क्षितिज के उस पार किसी अनदेखे पहाड़ की ओर लगा रहता है। और सबसे मज़ेदार बात? आप तीर छोड़ने से पहले ज़्यादा सोचते नहीं — पहले छोड़ देते हैं, फिर देखते हैं कि गिरा कहाँ।

स्वामी ग्रह बृहस्पति यानी गुरु ने आपको दो उपहार दिए हैं — असीम आशावाद और एक खुली, ईमानदार ज़ुबान। दूसरे लोग जहाँ चुप रहकर बात निगल जाते हैं, वहाँ आप सच को सीधे मेज़ पर रख देते हैं, कभी-कभी इतनी सादगी से कि सामने वाला तिलमिला जाए और आप हैरान रह जाएँ कि आख़िर बुरा क्या मान गया। पर आपकी इस बेबाकी में कोई ज़हर नहीं होता — बस एक बच्चे जैसी निश्छलता, जो दुनिया को वैसा ही कहती है जैसा वह देखती है।

कैसे पहचानें

धनु वाले को पहचानना मुश्किल नहीं — बस आँखें खुली रखिए और हँसी पर कान। इनकी चाल में एक खुलापन होता है, मानो हर कदम कहीं जाने की जल्दी में हो। बैठेंगे भी तो टाँग हिलाते, उँगलियाँ थिरकाते, या खिड़की से बाहर ताकते हुए — इनका शरीर एक जगह टिकना ही नहीं जानता। चेहरा अक्सर खुला और भरोसेमंद, माथा ऊँचा, और जब हँसते हैं तो पूरे दिल से, ठहाका लगाकर, जिसमें छुपाने जैसा कुछ भी नहीं होता।

बातचीत में ये सबसे जल्दी पहचाने जाते हैं। आपने अभी आधा वाक्य कहा नहीं कि धनु वाला उसका जवाब, उससे जुड़ा कोई किस्सा, और एक राय — तीनों एक साथ उछाल देगा। राय माँगिए मत, फिर भी मिलेगी; और इतनी साफ़ कि कभी-कभी आप सोचेंगे, 'इतना सच भी क्या कहना था।' झूठी तारीफ़ इनसे होती ही नहीं — अगर आपकी नई कमीज़ इन्हें जँची नहीं, तो ये मुस्कुराकर 'अच्छी है' कहने के बजाय सीधे 'ये रंग तुम पर नहीं फबता' बोल देंगे।

गौर कीजिए इनके सपनों पर — ये कभी छोटे नहीं होते। कोई धनु वाला कहेगा कि वह अगले साल हिमालय पार करेगा, फिर कोई व्यवसाय खड़ा करेगा, फिर शायद विदेश बस जाएगा — और यह सब एक ही साँस में, एक ही चाय की प्याली पर। योजनाएँ अधूरी छूट सकती हैं, पर सपना देखने का जज़्बा कभी कम नहीं होता। जहाँ बंधन दिखा, घुटन महसूस हुई, वहाँ ये बेचैन हो उठते हैं — पिंजरा चाहे सोने का क्यों न हो, धनुर्धर को तो खुला आसमान ही रास आता है।

व्यक्तित्व

धनु वाले के भीतर एक अजीब-सा द्वंद्व बसता है, जो इसके द्विस्वभाव से आता है। एक पल में ये गहरे दार्शनिक होते हैं — जीवन, ईश्वर, सत्य पर घंटों बोल सकते हैं — और अगले ही पल किसी फूहड़ चुटकुले पर बच्चों की तरह लोटपोट हो जाते हैं। यही इनका जादू है : गंभीरता और मस्ती के बीच ये बिना रुके आते-जाते रहते हैं, और दोनों में बराबर सच्चे रहते हैं। इन्हें समझना है तो इनकी किसी एक मुद्रा को पकड़कर मत बैठिए, क्योंकि वह अगले ही क्षण बदल चुकी होगी।

इनका सबसे बड़ा खज़ाना है इनकी ईमानदारी, और कभी-कभी यही इनकी सबसे बड़ी मुसीबत भी। धनु वाला झूठ बोलना जानता ही नहीं — और अगर मजबूरी में बोल भी दे, तो उसका चेहरा सब उगल देगा। यही खुलापन इन्हें भरोसेमंद बनाता है; लोग इनके पास इसलिए आते हैं क्योंकि जानते हैं कि यहाँ से मीठी मक्खन-मलाई नहीं, बल्कि साफ़ राय मिलेगी। बस इन्हें एक हुनर सीखने की ज़रूरत होती है — सच को थोड़ी नरमी की चादर में लपेटकर देना, ताकि वह घाव नहीं, मरहम बने।

आशावाद इनकी साँसों में बहता है। धनु वाले के लिए हर बंद दरवाज़े के पीछे एक खुली खिड़की होती है, और हर असफलता बस एक मज़ेदार किस्सा जो आगे चलकर सुनाया जाएगा। पैसे आज नहीं हैं तो क्या, कल तो आएँगे ही — और इसी भरोसे में ये कभी-कभी जेब से ज़्यादा खर्च कर बैठते हैं। पर ध्यान दीजिए, यह लापरवाही नहीं, एक गहरी आस्था है कि ब्रह्मांड कभी इनका बुरा नहीं चाहेगा। और हैरत की बात — अक्सर ब्रह्मांड इनकी इस उम्मीद को निभा भी देता है।

स्वतंत्रता इनके लिए हवा-पानी जैसी ज़रूरी है। किसी धनु वाले को बाँधने, टोकने, या 'ये मत करो, वो मत करो' कहने की कोशिश कीजिए — और आप देखेंगे कि वह खुला, हँसमुख इंसान अचानक चिड़चिड़ा और बेचैन हो उठा है। ये गुलामी के नहीं, साझेदारी के लोग हैं। इन्हें थामना है तो रस्सी से नहीं, बल्कि खुलेपन और भरोसे से थामिए — साथ चलने का न्योता दीजिए, पीछे घसीटने की कोशिश नहीं। तब आप पाएँगे कि यही आज़ाद पंछी अपनी मर्ज़ी से आपके कंधे पर बार-बार लौट आता है।

धनु पुरुष

धनु राशि का पुरुष एक चिरयुवा है, चाहे उसकी उम्र पच्चीस हो या पैंसठ। उसकी आँखों में हमेशा किसी अगली यात्रा, अगले विचार, अगले रोमांच की चमक रहती है। वह दिल का साफ़ और ज़ुबान का खरा होता है — आपसे प्रेम भी करेगा तो खुलकर, और मतभेद होगा तो वह भी सामने। उससे गोल-मोल बातों की उम्मीद मत रखिए; अगर उसने कहा 'चलो घूम आते हैं', तो सचमुच अगली सुबह बैग कंधे पर होगा। उसकी सहजता ही उसका सबसे बड़ा आकर्षण है।

प्रेम में यह पुरुष उदार और उत्साही प्रेमी होता है, पर उसे आज़ादी की हवा चाहिए। उसे यह एहसास मत दिलाइए कि अब उसके सारे रास्ते बंद हो गए, कि अब बस घर और दफ़्तर ही उसकी दुनिया है। जो स्त्री उसकी दोस्त बन सके, उसके सपनों में साथ हँस सके, उसके साथ नक़्शे पर उँगली रखकर अगली मंज़िल चुन सके — वही उसका दिल जीतती है। टोकने और पहरा बिठाने वाला रिश्ता उसके लिए धीरे-धीरे दम घोंटने वाला पिंजरा बन जाता है।

उसकी एक कमज़ोरी भी समझ लीजिए — वह वादे बड़े दिल से करता है, पर निभाने में कभी-कभी पीछे रह जाता है, इसलिए नहीं कि नीयत खराब है, बल्कि इसलिए कि उस वक़्त उसका दिल सचमुच वही चाहता था जो उसने कहा। उसके इस बचपने को गुस्से से नहीं, हल्के-से प्यार भरे इशारे से सँभालिए। और हाँ, जब वह सच बोलकर आपको चुभो दे, तो याद रखिए — उसके इरादे में चोट नहीं थी, बस एक बच्चे जैसी सीधी सच्चाई थी जो परदे डालना सीख ही नहीं पाई।

धनु स्त्री

धनु राशि की स्त्री एक खुली किताब है — हँसमुख, बेबाक और किसी भी बनावटी अदा से कोसों दूर। वह नज़रें झुकाकर, नाज़-नखरे दिखाकर दिल जीतने वालों में से नहीं; वह सीधे आँखों में देखकर, खुलकर हँसकर, और अपनी राय बेधड़क रखकर आपका मन मोह लेती है। उसके साथ कोई पहेली नहीं बूझनी पड़ती — वह जो है, वही दिखती है। उसकी इसी निश्छलता में एक ताज़गी है, जो दिखावे से थके इस ज़माने में किसी ठंडे झरने जैसी लगती है।

उसे बाँधने की कोशिश मत कीजिए। यह स्त्री घर भी सँभालेगी और सपने भी, पर उसे यह कभी महसूस न होने दीजिए कि उसकी दुनिया सिर्फ़ चार दीवारों तक सिमट गई है। उसे एक साथी चाहिए, मालिक नहीं; एक हमसफ़र, पहरेदार नहीं। अगर आप उसकी उड़ान पर भरोसा करेंगे, उसके

सपनों को अपनी हँसी से सींचेंगे, तो वह आपको ऐसी वफ़ादारी और गर्मजोशी देगी जिसकी कल्पना भी मुश्किल है। शक और कब्ज़े की ज़ंजीर उसके प्रेम को सबसे तेज़ी से ठंडा करती है।

उसकी सच बोलने की आदत कभी-कभी आपको असहज कर सकती है — वह आपकी ग़लती सीधे बता देगी, बिना किसी लाग-लपेट के। पर इसी ईमानदारी का दूसरा पहलू देखिए : वह आपके पीठ पीछे कभी कुछ नहीं कहेगी, कोई छुपा खेल नहीं खेलेगी। उसके साथ आप हमेशा जानते रहेंगे कि आप कहाँ खड़े हैं। ऐसी पारदर्शी, गर्मजोश और जीवन से लबरेज़ साथी हर किसी को नसीब नहीं होती — और जिसे होती है, वह सचमुच ख़ुशनसीब है।

धनु बालक

धनु राशि का बच्चा घर में हँसी और हलचल दोनों लेकर आता है। यह वही नन्हा होता है जो पालने से ही हाथ-पैर मारकर बाहर निकलने को बेचैन रहता है, और चलना सीखते ही पूरे घर को अपना मैदान बना लेता है। इसकी जिज्ञासा अथाह होती है — 'ऐसा क्यों', 'वैसा क्यों' के सवाल थमते ही नहीं। इसे डाँट-डपटकर चुप कराने के बजाय इसके सवालों को जगह दीजिए, क्योंकि इसी कौतूहल से आगे चलकर एक खुले, सोचने-समझने वाले इंसान का जन्म होता है।

यह बच्चा बेहद सच्चा होता है — कभी-कभी इतना कि मेहमानों के सामने आपको शर्मिंदा भी कर दे, जब वह मासूमियत से कोई ऐसी बात कह दे जिसे बड़े लोग दबाकर रखते। इसे झूठ बोलना सिखाने के बजाय, सच को नरमी से कहना सिखाइए। इसे खुली जगह, खेल, और घूमने-फिरने के मौके चाहिए; बंद कमरे और सख़्त बंदिशें इसका दम घोंटती हैं। प्यार और थोड़ी आज़ादी की धूप में यह नन्हा धनुर्धर सबसे सुंदर ढंग से खिलता है।

धनु : बॉस के रूप में

धनु राशि का बॉस दफ़्तर में किसी तूफ़ानी हवा जैसा होता है — बड़े सपने, बड़ी योजनाएँ, और एक छूत की तरह फैलने वाला उत्साह। वह छोटी-छोटी बातों में उलझना पसंद नहीं करता; वह आपको लक्ष्य बताएगा और फिर भरोसे के साथ रास्ता आपके हाथ में छोड़ देगा। उसके नीचे काम करना मुक्तिदायक लगता है, क्योंकि वह पीठ पर साँस लेकर खड़ा नहीं रहता। बस इतना ध्यान रखिए — उसके सामने बहाने मत गढ़िए, क्योंकि झूठ उसे फ़ौरन सूँघ लेता है।

उसकी ईमानदारी कभी-कभी सीधी और चुभने वाली होती है — अगर आपका काम कमज़ोर है, तो वह सबके सामने भी कह सकता है, बिना यह सोचे कि आपको कैसा लगेगा। पर इसमें कोई दुर्भावना नहीं होती; अगले ही पल वह आपकी पीठ थपथपाकर हौसला भी बढ़ा देगा। वह दिल का उदार है, गलतियाँ जल्दी माफ़ कर देता है, और मेहनत को खुलकर सराहता है। उसके साथ तरक़्क़ी करनी है तो उसके बड़े सपनों में सच्चे साथी बनिए — वह आपको अपने साथ ऊपर ले जाएगा।

धनु : कर्मचारी के रूप में

धनु राशि का कर्मचारी ऊर्जा और विचारों का भंडार होता है, पर उसे एक जंजीर से बँधी मेज़ पर बिठाकर घंटों गिनवाना उसकी आत्मा को कुचलने जैसा है। उसे चुनौती दीजिए, घूमने-मिलने का काम दीजिए, नए लोगों और नई जगहों से जोड़िए — और देखिए कैसे वह खिल उठता है। बंधे-बँधाए, उबाऊ काम में वह जल्दी थक जाता है और बेचैन हो उठता है; पर जहाँ खुलापन और रोमांच है, वहाँ वह अपनी पूरी जान लगा देता है।

उससे झूठी हाँ-में-हाँ की उम्मीद मत रखिए — अगर बैठक में किसी योजना में कमी दिखी, तो वह खुलकर बोल देगा, चाहे सामने कितना भी बड़ा अफ़सर क्यों न हो। यही उसे एक ईमानदार और भरोसेमंद सलाहकार बनाता है। उसमें थोड़ी अनुशासनहीनता और समय की ढिलाई हो सकती है, इसलिए उसे सख़्ती से नहीं, बल्कि लक्ष्य की चमक दिखाकर साधिए। एक प्रेरित धनु कर्मचारी पूरी टीम में जोश की लहर दौड़ा देता है।

प्रेम और विवाह

धनु वाले से प्रेम करना किसी रोमांचक यात्रा पर निकलने जैसा है — रास्ता कभी सीधा नहीं होता, पर ऊबाऊ भी कभी नहीं रहता। ये दिल से प्रेम करते हैं, खुलकर, बिना किसी छल के; पर इन्हें वह प्रेम चाहिए जो साँस लेने की जगह दे। इन्हें घेरने, टोकने और हर पल का हिसाब माँगने की कोशिश कीजिए, और आप देखेंगे कि यह गर्मजोश पंछी धीरे-धीरे दूर खिसकने लगा है। भरोसा ही वह डोर है जिससे आप इन्हें बाँध सकते हैं — और वह डोर जितनी ढीली, उतनी मज़बूत।

विवाह में धनु वाले को एक प्रेमी से ज़्यादा एक दोस्त चाहिए। ऐसा साथी जिसके साथ वे जी भरकर हँस सकें, बेझिझक बहस कर सकें, और कंधे से कंधा मिलाकर नए सपने बुन सकें। नीरस, बँधी-बँधाई गृहस्थी इन्हें घुटन देती है; पर अगर रिश्ते में हँसी, घुमक्कड़ी और कुछ नया सीखते रहने की हवा बहती रहे, तो ये उम्र भर के सबसे वफ़ादार और जीवंत साथी साबित होते हैं। इनके लिए रिश्ता एक बंधन नहीं, साथ-साथ चलती एक खुली राह है।

इनकी एक बात समझ लेना ज़रूरी है — कभी-कभी ये बेमौके सच बोलकर रिश्ते में हलचल मचा देते हैं, या जोश में ऐसा वादा कर बैठते हैं जो बाद में निभा नहीं पाते। पर इनके दिल में खोट कभी नहीं होता। प्यार और थोड़ी समझदारी से इनके इस बचपने को सँभालिए, इनके सच को बुरा मत मानिए, और इनकी आज़ादी पर भरोसा रखिए — बदले में आपको एक ऐसा साथी मिलेगा जो रिश्ते में रोज़ नई ताज़गी, हँसी और गर्मजोशी भरता रहेगा।

स्वास्थ्य

धनु वालों की जीवनी-शक्ति अक्सर ग़ज़ब की होती है — इनके भीतर एक चश्मा-सा फूटता रहता है जो इन्हें चलते-फिरते, हँसते-घूमते रखता है। पर यही ऊर्जा कभी-कभी इन्हें ज़रूरत से ज़्यादा कर डालने की ओर ले जाती है; ये आराम को समय की बर्बादी समझकर खुद को थका डालते हैं। इनके लिए सबसे अच्छी बात यही है कि अपनी इस फुर्ती को संतुलन की लगाम दें — दौड़ने और रुकने, दोनों की कला सीखें, ताकि उत्साह की लौ देर तक जलती रहे।

खुली हवा, घूमना-फिरना और शारीरिक हलचल इनके स्वभाव को सबसे ज़्यादा रास आते हैं — बंद कमरे में बैठे रहना इन्हें भीतर से बेचैन कर देता है। चूँकि इनका मन अक्सर भविष्य की उड़ानों में रहता है, इसलिए वर्तमान में ठहरकर साँस लेना, थोड़ी देर शांत बैठना और मन को सुस्ताने देना इनके लिए किसी औषधि से कम नहीं। हँसी इनकी सबसे बड़ी ताक़त है, और जब तक वह ठहाका गूँजता रहे, धनु वाला भीतर से जवान बना रहता है।

> प्रसिद्ध हस्तियाँ: अमिताभ बच्चन, धीरूभाई अंबानी, राजनीकांत, विंस्टन चर्चिल, वॉल्ट डिज़्नी, मार्क ट्वेन।

खूबियाँ

- बेबाक ईमानदारी
- अटूट आशावाद
- खुला और उदार दिल
- रोमांच और जिज्ञासा
- गर्मजोश हास्य
- स्वतंत्र सोच
- दार्शनिक गहराई

सावधानियाँ

- बेमौके मुँहफटपन
- बेचैनी और अधीरता
- वादे करके भूल जाना
- बंधनों से घबराहट
- ज़रूरत से ज़्यादा खर्च
- बातों में अतिशयोक्ति
- विस्तार पर कम ध्यान

अपने तीर को ऊँचा ताने रखो, पर छोड़ने से पहले एक पल ठहरकर देख लो — सच को मरहम बनाओ, घाव नहीं।

राशि 10

मकर

Capricorn • मगर/बकरा (The Sea-Goat)

तिथि	22 दिसंबर – 19 जनवरी
तत्व	पृथ्वी
स्वामी ग्रह	शनि
स्वभाव	चर (Cardinal)
शुभ रंग	काला, गहरा भूरा
शुभ अंक	8, 10

जब आप पहली बार किसी मकर राशि वाले से मिलते हैं, तो आपको लगेगा कि कमरे में कोई बहुत समझदार बुज़ुर्ग बैठा है — भले ही उसकी उम्र पच्चीस साल हो। उसकी आँखों में एक शांत गंभीरता तैरती रहती है, मानो उसने ज़िंदगी की हर परीक्षा पहले से ही पढ़ रखी हो। वह जल्दबाज़ी में हँसता नहीं, बेवजह बोलता नहीं, और हवा में किले नहीं बनाता। शनि उसका स्वामी है — वही धीमा, धैर्यवान, अनुशासनप्रिय गुरु जो किसी को मुफ़्त में कुछ नहीं देता, पर मेहनत करने वालों को अंत में सब कुछ सौंप देता है।

मकर का प्रतीक है पर्वतीय बकरा — वही ज़िद्दी जीव जो ऊँची-से-ऊँची चट्टान पर चढ़ता चला जाता है, फिसलता है, फिर सँभलता है, और चुपचाप एक कदम और ऊपर रख देता है। वह पीछे मुड़कर शिकायत नहीं करता कि रास्ता कठिन था। आप उसे दौड़ते हुए कभी नहीं देखेंगे, पर एक दिन अचानक पाएँगे कि वह शिखर पर खड़ा है, और बाक़ी सब अब भी नीचे साँस फुला रहे हैं। यही मकर की असली कहानी है — धीमा आरंभ, पक्का अंत।

इस राशि वाले को समझना आसान नहीं, क्योंकि वह अपने भीतर की दुनिया को ताले में रखता है। ऊपर से वह व्यावहारिक, संयमी और थोड़ा रूखा-सा लगेगा, पर भीतर एक कोमल, थोड़ा उदास, और हैरानी की बात — बेहद मज़ाकिया इंसान छिपा बैठा है। उसका हास्य सूखा होता है, धीरे से चुभने वाला, और अक्सर देर से समझ आता है। उससे दोस्ती करने में वक़्त लगता है, पर एक बार जब वह आपको अपना मान ले, तो समझिए आपके पास ज़िंदगी भर के लिए एक चट्टान-सा सहारा आ गया है।

कैसे पहचानें

मकर राशि वाले को पहचानना हो तो भीड़ में उस व्यक्ति को ढूँढिए जो सबसे कम बोल रहा हो, पर जिसकी हर बात में वज़न हो। उसका चेहरा अक्सर हड्डियों वाला, थोड़ा लंबा और संजीदा होता है, माथे पर सोच की एक हल्की लकीर हमेशा रहती है। चलते समय वह सीधा और संयत रहता है, हाथ-पैर हवा में नहीं उड़ाता। आप उसे किसी पार्टी के बीचोबीच नाचते नहीं पाएँगे — वह कोने में, किसी एक भरोसेमंद आदमी से धीमी आवाज़ में बात करता मिलेगा, और उसकी आँखें पूरे कमरे का हिसाब रख रही होंगी।

उसकी बातचीत में आपको कभी फ़िज़ूल का दिखावा नहीं मिलेगा। वह वादे कम करता है, पर जो करता है उसे पत्थर पर लकीर मान लीजिए। पैसे के मामले में वह सावधान है — कंजूस नहीं, पर हर रुपये का हिसाब उसके दिमाग़ में दर्ज रहता है। आप उसे महँगी चीज़ ख़रीदते देखेंगे, पर वह घटिया चीज़ नहीं, टिकाऊ चीज़ चुनेगा। 'यह कितने साल चलेगा' — यह सवाल उसके मन में हर ख़रीद से पहले आता है, चाहे वह जूता हो या रिश्ता।

और एक पक्की निशानी — समय। मकर वाला वक़्त का पाबंद होता है, अपने भी और दूसरों के भी। देर से आने वालों को वह माफ़ कर देगा, पर भूलेगा कभी नहीं। उसे अनुशासन, परंपरा और मर्यादा से गहरा लगाव है। बड़ों का आदर, नियमों का पालन, और 'ऐसा होना चाहिए' की एक भीतरी आवाज़ — ये सब उसके स्वभाव में बुने हुए हैं। अगर कोई जवान आदमी आपसे चालीस साल के बुज़ुर्ग जैसी समझदारी से बात करे, तो ज़रा उसकी जन्मतिथि पूछ लीजिए।

व्यक्तित्व

मकर की आत्मा महत्वाकांक्षा से बनी है, पर यह वह शोर मचाने वाली महत्वाकांक्षा नहीं जो सिंह राशि में दिखती है। यह चुपचाप, ठंडे दिमाग़ से ऊपर चढ़ने वाली भूख है। वह जानता है कि उसे कहाँ पहुँचना है, और वह दस-बीस साल का लंबा रास्ता बिना उकताए चलने को तैयार है। दूसरे लोग शॉर्टकट ढूँढते हैं, मकर वाला सीढ़ियाँ गिनकर चढ़ता है। उसे भरोसा है कि मेहनत और धैर्य से कमाई हुई ऊँचाई ही असली होती है, और किस्मत से मिला कुछ भी टिकता नहीं।

उसकी सबसे बड़ी ताक़त है — ज़िम्मेदारी उठाने की आदत। बचपन से ही वह घर का वह बच्चा होता है जिस पर सब भरोसा करते हैं। बड़ा होकर वह वही कंधा बन जाता है जिस पर पूरा परिवार, दफ़्तर या समाज टिक जाता है। पर इस बोझ की एक क़ीमत है — मकर वाला अक्सर अंदर से अकेला और थका हुआ महसूस करता है, और किसी से कहता नहीं। वह 'मुझे मदद चाहिए' कहना सबसे मुश्किल काम मानता है, क्योंकि उसे लगता है कि सब उसी के सहारे खड़े हैं।

एक हैरान करने वाली बात — मकर वाला उम्र के साथ जवान होता जाता है। बचपन में वह बूढ़ों जैसा गंभीर रहता है, बीमारियों और चिंताओं से घिरा। पर जैसे-जैसे साल बीतते हैं, उसका बोझ हल्का होता है, चेहरा खिलता है, और साठ की उम्र में वह उस उत्साह से हँसता है जो उसने तीस की उम्र में दबा रखा था। शनि अपने भक्तों को पहले तपाता है, फिर पूरी उम्र इनाम देता है। यही वजह है कि मकर वाले अक्सर लंबी और सम्मानित ज़िंदगी जीते हैं।

पर इसी सब के बीच उसका एक कमज़ोर पहलू भी है — निराशा। जब चीज़ें उसके सोचे मुताबिक़ नहीं चलतीं, तो वह बाहर ग़ुस्सा नहीं करता, बल्कि भीतर एक गहरे, मटमैले कुएँ में उतर जाता है। वह अपने को नालायक़ समझने लगता है, सब कुछ काला दिखने लगता है। ऐसे समय में उसे उपदेश नहीं, बस एक भरोसेमंद हाथ चाहिए जो कहे — 'तुमने अब तक जो किया, वह कम नहीं था।' इतना सुनते ही वह फिर चट्टान पर चढ़ने को तैयार हो जाता है।

मकर पुरुष

मकर राशि का पुरुष शुरू में आपको थोड़ा ठंडा और दूरी बनाए रखने वाला लगेगा। वह तुरंत दिल नहीं खोलता, और भावुक बातें करने में उसे शर्म-सी आती है। पर यह मत समझिए कि उसके भीतर भावनाएँ नहीं हैं — बल्कि इतनी गहरी हैं कि वह उन्हें बाहर लाने से डरता है। वह प्यार जताने के बजाय करके दिखाता है — आपकी ज़रूरतें चुपचाप पूरी करके, आपके भविष्य के लिए ज़मीन तैयार करके। उससे 'आई लव यू' सुनना दुर्लभ है, पर उसका हर भरोसेमंद काम वही बात कह रहा होता है।

अपने करियर को लेकर वह बेहद गंभीर है, कभी-कभी इतना कि घर उसे दफ़्तर के बाद की बात लगने लगती है। उसकी पत्नी या साथी को यह समझना होगा कि उसकी महत्वाकांक्षा कोई स्वार्थ नहीं — वह दरअसल अपने परिवार के लिए एक सुरक्षित, सम्मानजनक जीवन बुन रहा है। वह दिखावे की बजाय जड़ों में यक़ीन रखता है। आपको हीरे रोज़ नहीं मिलेंगे, पर एक ऐसा घर ज़रूर मिलेगा जिसकी नींव कभी नहीं हिलेगी, और एक ऐसा आदमी जो मुश्किल वक़्त में सबसे आख़िर तक खड़ा रहेगा।

इस पुरुष के साथ रहने का सबसे बड़ा सुख यह है कि वह वक़्त के साथ खिलता है। शादी के शुरुआती साल थोड़े संयमी, थोड़े रूखे हो सकते हैं। पर जैसे-जैसे उसे आप पर भरोसा होता है, उसकी वह सूखी हँसी अधिक खुलने लगती है, और भीतर का कोमल इंसान धीरे-धीरे बाहर आता है। बुढ़ापे में वह सबसे प्यारा साथी साबित होता है — वफ़ादार, समझदार, और हैरानी की बात कि अब वह आपके बेतुके मज़ाक़ों पर सबसे ज़ोर से हँसता है। बस उसे थोड़ा वक़्त, और बहुत-सा भरोसा दीजिए।

मकर स्त्री

मकर राशि की स्त्री देखने में कोमल और शांत लग सकती है, पर भीतर से वह फ़ौलाद की बनी है। वह बेवकूफ़ी और दिखावे को एक झटके में पहचान लेती है, और बेकार के लोगों पर अपना वक़्त बर्बाद नहीं करती। उसके सपने ऊँचे हैं — चाहे वह घर हो या करियर, वह जो करेगी, बेहतरीन करेगी। वह उस तरह की औरत नहीं जो किसी मनचले के पीछे दौड़े; वह चाहती है एक स्थिर, सम्मानित, और भरोसेमंद साथी, जो ज़िंदगी में कहीं पहुँचने की नीयत रखता हो।

उसके प्रेम में नाटक कम और निष्ठा ज़्यादा होती है। वह बार-बार 'मैं तुम्हें कितना चाहती हूँ' नहीं दोहराएगी, पर एक बार वचन दे दिया तो उसे जीवन भर निभाएगी, चाहे तूफ़ान आए या सूखा। वह अपने परिवार की रीढ़ बन जाती है — बच्चों को अनुशासन सिखाती है, घर का हिसाब चुस्त

रखती है, और मुश्किल वक़्त में सबसे संयत रहती है। उसका प्यार दिखावटी फूलों जैसा नहीं, बल्कि उस पुराने बरगद जैसा है जिसकी छाँव में पूरा कुनबा बेफ़िक्र सो सकता है।

पर इस मज़बूत स्त्री को भी एक चीज़ की सख़्त ज़रूरत है — सराहना। वह अपनी थकान और चिंता किसी से नहीं कहेगी, इसलिए उसके साथी को ख़ुद ही समझना होगा कि कब उसके कंधे झुक रहे हैं। उसे कभी-कभी यह सुनना ज़रूरी है कि वह काफ़ी है, कि उसकी मेहनत दिखती है, कि घर उसी की वजह से चल रहा है। इतना कह दीजिए, और यह संयमी स्त्री अचानक नरम पड़ जाएगी, उसकी आँखों में वह दुर्लभ चमक आ जाएगी जो वह बहुत कम लोगों को दिखाती है।

मकर बालक

मकर राशि का बच्चा अक्सर अपनी उम्र से बड़ा लगता है। वह दूसरे बच्चों की तरह हर बात पर मचलता नहीं, बल्कि एक कोने में बैठकर बड़ों को गौर से देखता रहता है, मानो दुनिया का हिसाब-किताब समझ रहा हो। उसे फ़ालतू के खिलौनों से ज़्यादा उन कामों में मज़ा आता है जिनमें कोई असली मक़सद हो। वह जल्दी ज़िम्मेदार बन जाता है, छोटे भाई-बहनों का ख़याल रखता है, और अक्सर माँ-बाप उस पर बड़ों जैसा भरोसा करने लगते हैं — जो ठीक है, पर थोड़ा संभलकर।

ऐसे बच्चे को ज़रूरत है कि उसे बचपन जीने दिया जाए। उस पर जल्दी बोझ मत डालिए, और उसकी छोटी-छोटी सफलताओं को खुलकर सराहिए, क्योंकि वह भीतर से ख़ुद को कम आँकने वाला होता है। उसकी संजीदगी का मज़ाक़ मत उड़ाइए, बल्कि उसके सूखे, समझदार मज़ाक़ों पर हँसिए — इससे उसका भरोसा बढ़ेगा। उसे साफ़ नियम, स्थिर दिनचर्या और प्यार भरा अनुशासन दीजिए। यह बच्चा डाँट से नहीं, भरोसे से खिलता है, और बड़ा होकर वही बनता है जिस पर पूरा परिवार गर्व करता है।

मकर : बॉस के रूप में

मकर राशि का मालिक आपको पहले दिन शायद सख़्त और अनमना लगे। वह तारीफ़ों में कंजूस है, हँसी में संयमी, और काम में बेहद सटीक। पर इस रूखेपन के पीछे एक न्यायप्रिय, मेहनत को पहचानने वाला इंसान बैठा है। वह दिखावा करने वालों से चिढ़ता है और चुपचाप काम करने वालों को धीरे-धीरे ऊपर उठाता है। उसके यहाँ तरक़्क़ी जल्दी नहीं मिलती, पर जो मिलती है वह पक्की होती है — और एक बार उसका भरोसा जीत लिया तो वह जीवन भर आपकी पीठ थपथपाता रहेगा।

उसके साथ काम करना हो तो दो बातें गाँठ बाँध लीजिए — समय पर आइए और बहाने मत बनाइए। वह आपकी ग़लती माफ़ कर देगा अगर आप ईमानदारी से मान लें, पर झूठ और टालमटोल उसे भीतर तक खटकती है। उसे शोर नहीं, नतीजे चाहिए। अगर आप शांति से, लगातार, अच्छा काम करते रहें, तो यह बॉस आपका सबसे बड़ा संरक्षक बन सकता है। वह आपको आसमान के सपने नहीं दिखाएगा, पर ज़मीन पर एक मज़बूत करियर ज़रूर खड़ा करवा देगा।

मकर : कर्मचारी के रूप में

मकर राशि का कर्मचारी किसी भी मालिक का सपना होता है। वह सुबह सबसे पहले आता है, शिकायत किए बिना मुश्किल काम उठाता है, और बिना देखरेख के भी पूरी ईमानदारी से जुटा रहता है। उसे ज़िम्मेदारी से डर नहीं लगता, बल्कि वह उसी में फलता-फूलता है। वह जल्दी तरक़्क़ी के लिए चापलूसी नहीं करेगा; उसका भरोसा है कि अच्छा काम ख़ुद बोलता है। और अक्सर वह सही साबित होता है — धीरे-धीरे वह उस मुक़ाम पर पहुँच जाता है जहाँ बाक़ी लोग जल्दबाज़ी में पहुँचना चाहते थे।

पर इस मेहनती कर्मचारी की एक बात समझ लीजिए — वह चुपचाप ऊपर की कुर्सी की ओर देख रहा है। उसकी महत्वाकांक्षा शांत है, पर गहरी है। अगर आप उसकी मेहनत की क़द्र करें, साफ़ रास्ता दिखाएँ और समय पर सम्मान दें, तो वह आपकी संस्था की रीढ़ बन जाएगा। पर अगर उसे लंबे समय तक अनदेखा किया गया, तो वह शोर नहीं मचाएगा — बस एक दिन शांति से इस्तीफ़ा रखकर किसी बेहतर शिखर की चढ़ाई शुरू कर देगा। उसकी वफ़ादारी अनमोल है, पर मुफ़्त नहीं।

प्रेम और विवाह

मकर राशि वाले का प्रेम आतिशबाज़ी नहीं, अँगीठी की धीमी आँच जैसा होता है — जो शोर नहीं करती, पर पूरी रात गर्म रखती है। वह पहली नज़र में दिल नहीं हारता; पहले परखता है, भरोसा बनाता है, फिर धीरे-धीरे क़दम बढ़ाता है। उसके लिए प्रेम कोई खेल नहीं, एक गंभीर वचन है।

इसलिए अगर मकर वाला आपको चुन ले, तो समझिए उसने आपको पूरी सोच-समझकर, जीवन भर के लिए चुना है। ऐसे प्रेमी मिलते कम हैं, पर जो मिलते हैं वे टूटते नहीं।

विवाह को यह राशि सबसे पवित्र संस्था मानती है। मकर वाला घर बसाने को एक मक़सद की तरह लेता है — स्थिर, सुरक्षित और सम्मानित। वह बेवफ़ाई और बिखराव से दूर रहता है, और अपने साथी से भी वही निष्ठा चाहता है। उसके प्रेम का इज़हार रोज़मर्रा की उन छोटी, ठोस बातों में छिपा रहता है — समय पर लौट आना, हर वादा निभाना, मुश्किल में चट्टान बनकर खड़े रहना। जो साथी इन इशारों को पढ़ना सीख ले, उसे इससे वफ़ादार जीवनसाथी ढूँढना मुश्किल होगा।

पर इस प्रेम का एक राज़ है, जो हर साथी को जान लेना चाहिए — मकर वाले को भावनाओं में थोड़ी गर्मजोशी और खुलकर सराहना की भूख है, जिसे वह कभी ज़ुबान पर नहीं लाता। अगर आप उसके संयमी खोल को धैर्य से थोड़ा-थोड़ा खोलें, उसके भीतर के अकेलेपन को बिना मज़ाक़ उड़ाए सहेजें, तो आप पाएँगे कि इस गंभीर इंसान के सीने में एक बेहद कोमल, वफ़ादार और हास-परिहास से भरा प्रेमी छिपा है। उसे जीतने में वक़्त लगता है, पर एक बार जीत लिया तो वह जीवन भर का है।

स्वास्थ्य

मकर राशि वालों का शरीर अक्सर दुबला और सख़्त-जान होता है, और वे उम्र के साथ और मज़बूत होते जाते हैं। उनका सबसे बड़ा बोझ शरीर पर नहीं, मन पर रहता है — चिंता, ज़िम्मेदारी और भीतर की गंभीरता उन्हें भीतर-ही-भीतर थका देती है। वे आराम करना अपराध समझते हैं, और छुट्टी पर भी दिमाग़ काम में लगा रहता है। उनके लिए सबसे ज़रूरी आदत है — रुककर साँस लेना, थोड़ा हँसना, और यह मान लेना कि दुनिया उनके बिना भी एक दिन चल सकती है।

उनकी सेहत का असली नुस्ख़ा है — खुलकर हँसी, अपनों का साथ, और मन के बोझ को बाँटना। जो मकर वाला अपनी थकान और उदासी किसी भरोसेमंद से कह पाता है, वह कहीं ज़्यादा हल्का और स्वस्थ रहता है। नियमित दिनचर्या, थोड़ी धूप, खुली हवा में टहलना और प्रकृति के बीच वक़्त बिताना उनके स्वभाव से ख़ूब मेल खाता है। और सबसे बड़ी बात — उन्हें यक़ीन करना सीखना होगा कि ख़ुश रहना कमज़ोरी नहीं, बल्कि लंबी और सम्मानित ज़िंदगी का सबसे पक्का रास्ता है।

> प्रसिद्ध हस्तियाँ: ए० आर० रहमान, दीपिका पादुकोण, जावेद अख़्तर, आइज़क न्यूटन, मार्टिन लूथर किंग जूनियर, मोहम्मद अली

खूबियाँ

- अटूट धैर्य और लगन
- गहरी ज़िम्मेदारी की भावना
- व्यावहारिक और ठंडा दिमाग़
- अनुशासन और समय की पाबंदी
- वफ़ादारी और भरोसा
- शांत महत्वाकांक्षा
- मुश्किल में चट्टान-सा संयम

सावधानियाँ

- ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता
- निराशा में डूब जाना
- भावनाएँ छिपाना
- अकेले बोझ ढोने की ज़िद
- बदलाव से हिचक
- ख़ुद को कम आँकना
- काम में ज़रूरत से ज़्यादा डूबना

हर शिखर एक कदम से शुरू होता है — चढ़ते रहिए, पर बीच-बीच में रुककर हँसना मत भूलिए।

राशि 11

कुंभ

Aquarius • जल वाहक (The Water Bearer)

तिथि	20 जनवरी – 18 फ़रवरी
तत्व	वायु
स्वामी ग्रह	शनि / राहु
स्वभाव	स्थिर (Fixed)
शुभ रंग	नीला, फ़िरोज़ी
शुभ अंक	4, 7

जब आप किसी भीड़ भरे कमरे में जाएँ और किसी ऐसे व्यक्ति से मिलें जो सबसे बात करता हो, सबको जानता हो, फिर भी जिसे आप वास्तव में नहीं जानते — तो आप शायद किसी कुंभ राशि वाले से मिले हैं। वह आपका हाथ गर्मजोशी से थामेगा, आपकी आँखों में झाँककर मुस्कुराएगा, और अगले ही पल किसी दूर खड़े अजनबी की ओर बढ़ जाएगा। आप सोचते रह जाएँगे कि इतना अपनापन देने वाला यह इंसान आख़िर भीतर से इतना दूर क्यों लगता है।

कुंभ का प्रतीक जल वाहक है, और यह बात गहरी है। वह घड़ा भरकर सबको पानी पिलाता है, मगर ख़ुद प्यासा रहकर भी किसी से नहीं कहता। आप उससे जितना जुड़ना चाहेंगे, वह उतनी ही नरमी से किनारा कर लेगा — रूखेपन से नहीं, बल्कि किसी अनकही जिज्ञासा के साथ, मानो वह आपको दूर से अधिक स्पष्ट देख पाता हो। उसकी मित्रता विशाल है, पर उसका मन एक बंद किताब, जिसके पन्ने वह बहुत चुनकर खोलता है।

आप उसे परंपरा के दायरे में बाँधना चाहेंगे, और वह हँसकर बाहर निकल जाएगा। वायु तत्व उसे विचारों के आकाश में उड़ाए रखता है, जबकि शनि का गाम्भीर्य उसे एक अजीब-सी दृढ़ता देता है। यही विरोधाभास उसका आकर्षण है — सनकी मगर तार्किक, सबका मित्र मगर नितांत एकाकी, भविष्य में जीने वाला मगर अतीत को कभी न भूलने वाला। एक बार उसे समझ लेंगे, तो पाएँगे कि कुंभ जैसा अनोखा साथी आपको शायद ही कहीं और मिले।

कैसे पहचानें

कुंभ राशि वाले को पहचानना मुश्किल भी है और आसान भी। उसकी आँखों में अक्सर एक दूरस्थ-सी चमक होती है, जैसे वह आपकी बात सुनते हुए भी मन ही मन कोई और हिसाब लगा रहा हो। माथा चौड़ा, चाल में एक लापरवाह-सी सहजता, और पहनावे में कुछ ऐसा ज़रूर होगा जो भीड़ से अलग दिखे — चाहे अनोखे रंग का दुपट्टा हो या किसी और ज़माने की घड़ी। वह फैशन का अनुसरण नहीं करता; वह उसे चौंकाता है।

उसकी बातें आपको चक्कर में डाल देंगी। एक क्षण वह गंभीर दार्शनिक होगा, अगले ही पल बच्चों जैसी शरारत पर उतर आएगा। वह आपसे ऐसे प्रश्न पूछेगा जो किसी और के मन में आते ही नहीं — 'आख़िर लोग ऐसा क्यों करते हैं?' अजनबियों से वह घुलमिल जाता है, पर पुराने रिश्तों में थोड़ी दूरी रखता है। यदि आपको कोई व्यक्ति मिले जो सबका दोस्त हो मगर किसी का ख़ास न लगे, तो समझ लीजिए वहाँ कुंभ का वायु बह रहा है।

उसकी सबसे बड़ी पहचान है उसका अप्रत्याशित होना। आप जब उससे एक प्रतिक्रिया की उम्मीद करेंगे, वह ठीक उलटा कर बैठेगा — केवल इसलिए कि अनुमान लगाया जाना उसे पसंद नहीं। वह नियमों को प्रश्नों की तरह देखता है, उत्तरों की तरह नहीं। फिर भी जिस बात पर एक बार अड़ जाए, उसे डिगाना पहाड़ हिलाने जैसा है। स्थिर स्वभाव की यही ज़िद उसकी मित्रता को अटल और उसकी राय को चट्टान बना देती है।

व्यक्तित्व

कुंभ का मन एक ऐसी प्रयोगशाला है जहाँ विचार लगातार उबलते रहते हैं। वह वर्तमान में कम और भविष्य में अधिक रहता है — आपकी आज की समस्या सुनते हुए भी वह उसका कल का हल सोच रहा होगा। मानवता से उसे गहरा प्रेम है, पर व्यक्तियों से वह थोड़ा सतर्क रहता है। वह पूरे संसार को अपना परिवार मानेगा, मगर अपने सगे भाई को भी पूरी तरह भीतर नहीं आने देगा। यह कोई बेरुख़ी नहीं, बस उसके स्वभाव की एक मीठी विडंबना है।

उसकी स्वतंत्रता उसके लिए साँसों जितनी ज़रूरी है। आप उस पर जितने बंधन डालेंगे, वह उतना ही फिसलता जाएगा। उसे आज़ादी दीजिए, और वह आपके प्रति सबसे वफ़ादार साथी बन जाएगा। उसके भीतर एक विद्रोही बैठा है जो हर 'ऐसा ही होता आया है' को चुनौती देता है। पर यह विद्रोह शोरगुल वाला नहीं — यह शांत, ज़िद्दी और अंदर तक तार्किक होता है। वह क्रांति बंदूक से नहीं, बल्कि एक नए विचार से करना चाहता है।

भावनाओं के मामले में कुंभ थोड़ा ठंडा लग सकता है, मगर यह बर्फ़ नहीं, दूरी है। वह अपनी भावनाओं को तर्क की छलनी से छानकर बाहर लाता है, इसलिए उसके आँसू कम और मुस्कानें अबूझ होती हैं। वह आपसे प्यार करेगा अपने ही ढंग से — किसी अजीब वक़्त पर अचानक कुछ ऐसा कह देगा या कर देगा जिससे आपका दिल भर आए। उसकी ममता दिखावे में नहीं, बल्कि उन छोटी-छोटी अनोखी बातों में छिपी रहती है जो वह बिना कहे करता है।

कुंभ वाला सच्चाई का दीवाना है, भले वह सच कितना ही असुविधाजनक क्यों न हो। वह झूठी तारीफ़ नहीं करेगा और दिखावे से चिढ़ेगा। उसकी स्मृति हाथी जैसी है — एक बार किसी ने धोखा दिया, तो वह माफ़ भले कर दे, भूलेगा कभी नहीं। पर वही व्यक्ति जब किसी ज़रूरतमंद को देखता है, तो अपना सब कुछ बाँट देने को तैयार रहता है। यह उदारता और यह सतर्कता, दोनों एक साथ उसके भीतर बसती हैं, बिना किसी टकराव के।

कुंभ पुरुष

कुंभ राशि का पुरुष आपको पहली मुलाक़ात में ही उलझन में डाल देगा। वह आकर्षक है, बातूनी है, और हर किसी से ऐसे मिलता है मानो वर्षों से जानता हो। पर जब आप सोचेंगे कि अब वह आपका हो गया, तो वह किसी ख़याल में खोकर मीलों दूर निकल जाएगा। उससे प्रेम करना मतलब एक बादल को थामने की कोशिश करना है — वह आपके चारों ओर रहेगा, आपको भिगोएगा भी, पर मुट्ठी में कभी न आएगा। और यही उसका सबसे बड़ा आकर्षण है।

ईर्ष्या और अधिकार-भाव उसे बेहद नापसंद हैं। यदि आप उससे यह उम्मीद रखेंगी कि वह हर पल आपके इर्द-गिर्द मँडराए, तो आप निराश होंगी। उसे दोस्तों का झुंड चाहिए, नए विचारों की हवा चाहिए, और थोड़ा-सा अकेलापन भी, जहाँ वह अपने सपनों से बात कर सके। पर यदि आपने उसकी इस आज़ादी का सम्मान किया, तो वह आपको ऐसी वफ़ादारी देगा जो शोर नहीं मचाती, बस चुपचाप जीवन भर साथ निभाती है।

उसके भीतर एक भोला बच्चा और एक बूढ़ा दार्शनिक एक साथ रहते हैं। वह आपको अचानक सितारों के बारे में घंटों समझाएगा, फिर किसी अनजान भिखारी को अपना कोट दे आएगा। पैसे का उसे लोभ नहीं, पर सपनों का अंबार उसके पास है। उससे जुड़ी स्त्री को धैर्य रखना होगा और उसे एक मित्र की तरह समझना होगा, मालिक की तरह नहीं। तब यह अनोखा पुरुष उसे ऐसी अद्भुत दुनिया दिखाएगा जो दूसरे पुरुष कभी कल्पना तक नहीं कर पाते।

कुंभ स्त्री

कुंभ राशि की स्त्री एक सुलझी हुई पहेली है — जिसे आप जितना सुलझाएँगे, वह उतनी ही दिलचस्प होती जाएगी। वह सुंदर हो सकती है, पर उसकी असली ख़ूबसूरती उसकी अप्रत्याशितता में है। आज वह आपके साथ चाँदनी में कविता पढ़ेगी, कल किसी आंदोलन में आगे खड़ी मिलेगी। उसे पाँचों उँगलियों में बाँधने की कोशिश मत कीजिए; वह कोई पालतू चिड़िया नहीं, खुले आकाश की मुक्त उड़ान है, जो लौटती भी अपनी ही मर्ज़ी से है।

वह हर पुरुष से सहज भाव से मित्रता कर लेती है, और इससे आप कभी-कभी असुरक्षित महसूस कर सकते हैं। पर उसके लिए मित्रता और प्रेम दो अलग बातें हैं। जिसे वह दिल से चुन लेती है, उसके प्रति वह आश्चर्यजनक रूप से समर्पित रहती है — भले उसका जताने का ढंग अजीब हो। वह आपको रोज़ 'मैं तुमसे प्यार करती हूँ' शायद न कहे, पर किसी थके हुए दिन वह कुछ ऐसा कर देगी जिससे आपको उसके प्रेम की गहराई समझ आ जाएगी।

इस स्त्री से विवाह करने वाले को संकीर्ण सोच छोड़नी होगी। वह रसोई और घर तक सिमटने वाली नहीं; उसके सपने दीवारों से बड़े हैं। उसे एक साथी चाहिए, न कि कोई आदेश देने वाला स्वामी। यदि आपने उसके मन की उड़ान का सम्मान किया, तो वह आपके घर को विचारों, हँसी और अनोखे मेहमानों से भर देगी। उसके साथ जीवन कभी उबाऊ नहीं होगा — थोड़ा अव्यवस्थित ज़रूर होगा, पर हर दिन किसी नई संभावना से जगमगाता रहेगा।

कुंभ बालक

कुंभ राशि का बच्चा आपको रोज़ चौंकाएगा। वह वही प्रश्न पूछेगा जिनके उत्तर बड़ों के पास भी नहीं होते — 'आकाश कहाँ ख़त्म होता है?', 'लोग झूठ क्यों बोलते हैं?' वह नियमों को बिना कारण मानने से इनकार करेगा, पर तर्क समझा दीजिए तो सहर्ष मान लेगा। उसके मित्रों की कोई कमी नहीं होगी, चाहे वह पड़ोस का कुत्ता हो या स्कूल का सबसे अलग-थलग बच्चा। उसका दिल इतना बड़ा है कि उसमें सबके लिए जगह है।

इस बच्चे को कभी 'ऐसा इसलिए क्योंकि मैं कहता हूँ' कहकर मत दबाइए — यह उसकी जिज्ञासा का गला घोंट देगा। उसे प्रयोग करने दीजिए, टूटी चीज़ें खोलकर देखने दीजिए, सवाल पूछने दीजिए। उसकी कल्पना को पंख दीजिए, पर साथ ही उसे यह भी सिखाइए कि भावनाओं को महसूस करना कमज़ोरी नहीं है। यदि आपने उसकी अनोखी सोच को डर से नहीं, प्रेम और समझ से सींचा, तो यही बच्चा एक दिन ऐसा कुछ रच सकता है जो पूरी दुनिया की सोच बदल दे।

कुंभ : बॉस के रूप में

कुंभ राशि का बॉस किसी आम मालिक जैसा नहीं होगा। वह आपको पद से नहीं, विचार से प्रभावित करना चाहता है। दफ़्तर में वह सबसे अनौपचारिक मगर सबसे अप्रत्याशित व्यक्ति होगा — चपरासी से लेकर बड़े अधिकारी तक सबसे एक-सा बर्ताव करता हुआ। वह पुरानी घिसी-पिटी प्रणालियों से चिढ़ता है और हमेशा कुछ नया, कुछ बेहतर आज़माना चाहता है। उसके अधीन काम करना रोमांचक है, बशर्ते आप उसकी अचानक बदलती योजनाओं के साथ क़दम मिला सकें।

वह आपको आज़ादी देगा और आपसे मौलिक सोच की अपेक्षा रखेगा। चापलूसी उसके सामने बेकार है — वह सच्चाई और काम को महत्व देता है। यदि आपके पास कोई नया विचार है, तो वह सबसे ध्यान से सुनने वाला बॉस होगा, भले ही वह आपसे कनिष्ठ हो। पर उसकी एक बात याद रखिए — वह न्याय का पक्का है। अनुचित व्यवहार या भेदभाव उसे क्रोधित कर देता है। उसकी टीम अक्सर एक परिवार जैसी लगती है, जहाँ ओहदे से ज़्यादा विचारों की क़द्र होती है।

कुंभ : कर्मचारी के रूप में

कुंभ राशि का कर्मचारी आपकी कंपनी में नए विचारों की हवा लेकर आता है। वह वही काम पुराने ढर्रे पर करने से ऊब जाता है और हमेशा कोई बेहतर तरीक़ा खोजता रहता है। उसे बँधे-बँधाए नियमों की जंजीर में मत जकड़िए; उसे थोड़ी आज़ादी और अपनी बुद्धि लगाने का अवसर दीजिए, फिर देखिए वह कैसे चमत्कार करता है। वह घड़ी देखकर काम करने वाला नहीं — किसी समस्या में डूब जाए तो समय का होश ही नहीं रहता।

उससे यह उम्मीद मत रखिए कि वह बेवजह के औपचारिक रीति-रिवाज निभाएगा। वह बॉस को भी पहले नाम से बुला सकता है और सीधी बात कहने से नहीं हिचकेगा। पर उसकी ईमानदारी और मौलिकता हर रूखेपन पर भारी पड़ती है। साथी कर्मचारियों में वह बेहद लोकप्रिय रहता है, क्योंकि वह सबको समान भाव से देखता है। बस उसकी प्रशंसा करना मत भूलिए और उसे कुछ नया गढ़ने की छूट देते रहिए — वफ़ादारी में फिर उसका कोई सानी नहीं।

प्रेम और विवाह

कुंभ राशि वाले से प्रेम करना एक अनोखा अनुभव है, जिसके लिए तैयारी चाहिए। वह प्रेम को भी मित्रता की तरह देखता है — पहले मन मिलना चाहिए, फिर दिल। उसे ऐसा साथी चाहिए जो उसका सबसे अच्छा दोस्त भी बने, जिससे वह घंटों दुनिया-जहान की बातें कर सके। यदि आप केवल भावुक प्रेम-प्रसंगों की उम्मीद रखते हैं, तो थोड़ी निराशा हो सकती है। पर यदि आप उसके मन के साथी बन गए, तो उसका प्रेम किसी गहरी, स्थिर नदी की तरह जीवन भर बहता रहेगा।

विवाह में वह वफ़ादार रहता है, मगर अपनी शर्तों पर। उसे अपनी आज़ादी और अपने मित्र-समूह की ज़रूरत बनी रहती है, और एक समझदार साथी इसे ख़तरा नहीं मानता। ईर्ष्या और शक उसके प्रेम की जड़ को सबसे जल्दी सुखाते हैं। उसे जगह दीजिए, उसके अजीब शौक़ों को

अपनाइए, और उसकी अप्रत्याशितता का आनंद लीजिए। वह रोज़ गुलाब तो नहीं लाएगा, पर किसी बेमौके दिन वह कुछ ऐसा ले आएगा जो आपके वर्षों के सपने को छू ले।

उसकी भावनाएँ सतह पर कम, गहराई में अधिक रहती हैं। वह 'मैं तुम्हारे बिना नहीं रह सकता' जैसे जुमले शायद ही कहे, पर उसके चुप कर्म बहुत कुछ कह जाते हैं। उससे झगड़े में जीतने की कोशिश मत कीजिए, क्योंकि उसका स्थिर स्वभाव झुकना नहीं जानता; उसे तर्क और स्नेह से जीतिए। यदि आपने उसके अकेलेपन का सम्मान किया और उसकी विशाल मित्रता पर भरोसा रखा, तो आपको ऐसा जीवनसाथी मिलेगा जो हर दिन को थोड़ा अलग, थोड़ा जादुई बना देगा।

स्वास्थ्य

कुंभ राशि वाले की ऊर्जा का स्रोत उसका मन है — जब विचार ताज़े और प्रसन्न हों, तो उसका पूरा अस्तित्व खिल उठता है। पर जब वह तनाव या ऊब में फँस जाता है, तो थकान उसके चेहरे पर साफ़ झलकने लगती है। उसे नियमित दिनचर्या से चिढ़ है, फिर भी थोड़ा अनुशासन उसके लिए वरदान साबित होता है। ताज़ी हवा, खुली जगहें और मित्रों का संग उसे तरोताज़ा कर देते हैं। बैठे-बैठे घंटों सोचते रहना उसकी सबसे बड़ी आदत है, जिससे थोड़ा बचना ही भला।

उसे अपनी नींद और आराम को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि उसका सक्रिय मन रात में भी चलता रहता है। थोड़ा घूमना-टहलना, मनपसंद संगीत और हँसी-मज़ाक उसकी सबसे अच्छी दवाएँ हैं। जब वह भावनाओं को भीतर दबाकर केवल तर्क के सहारे जीने लगता है, तो बेचैनी बढ़ जाती है; इसलिए मन की बात किसी अपने से कह देना उसके लिए ज़रूरी है। संतुलित जीवनशैली और अपनों का साथ — यही दो चीज़ें इस वायु-संतान को सबसे अधिक हल्का और प्रसन्न रखती हैं।

> प्रसिद्ध हस्तियाँ: अब्राहम लिंकन, चार्ल्स डार्विन, थॉमस एडिसन, ओपरा विनफ़्रे, अब्दुल कलाम, बॉब मार्ली।

खूबियाँ

- मौलिक और दूरदर्शी सोच
- गहरी मानवीय संवेदना
- अटल मित्रता और वफ़ादारी
- स्वतंत्र और निडर स्वभाव
- सच्चाई के प्रति निष्ठा
- तीव्र बौद्धिक जिज्ञासा
- उदार और परोपकारी हृदय

सावधानियाँ

- भावनाओं से दूरी रखना
- ज़िद्दी और अड़ियल होना
- अप्रत्याशित और अनिश्चित व्यवहार
- बंधन से अत्यधिक चिढ़
- मन ही मन अलग-थलग रहना
- बातों में टालमटोल करना
- ज़रूरत से ज़्यादा विश्लेषण

जीवन-मंत्र: आकाश को छूने का सपना देखो, पर अपनों के हृदय का हाथ थामे रहो।

राशि 12

मीन

Pisces • दो मछलियाँ (The Fishes)

तिथि	19 फ़रवरी – 20 मार्च
तत्व	जल
स्वामी ग्रह	गुरु (बृहस्पति)
स्वभाव	द्विस्वभाव (Mutable)
शुभ रंग	समुद्री हरा, बैंगनी
शुभ अंक	3, 7

किसी भीड़ भरी पार्टी में जब आप एक ऐसे व्यक्ति से मिलें जो कमरे के कोने में खड़ा होकर सबको देख रहा हो, पर ऐसे जैसे वह वहाँ है भी और नहीं भी — तब समझ जाइए कि आप एक मीन राशि वाले से मिल रहे हैं। उसकी आँखों में एक धुँधला-सा सपना तैरता रहता है, मानो वह आपकी बात सुन भी रहा हो और साथ ही किसी दूर समुद्र की लहरों पर भी बहा जा रहा हो। आप उससे बात करते रहिए, और वह मुस्कुराकर ऐसे सिर हिलाएगा कि आपको लगेगा वह दुनिया का सबसे अच्छा श्रोता है।

मीन वालों के बारे में सबसे पहली बात जो आपको समझनी होगी, वह यह कि वे इस ठोस, खुरदुरे संसार के लिए नहीं बने हैं। उन्हें कीचड़ भरी सच्चाइयों से उतनी ही चिढ़ होती है जितनी एक कवि को बही-खाते से। दो मछलियाँ उनका प्रतीक हैं — एक ऊपर की ओर, स्वर्ग की ओर बहती हुई, और दूसरी नीचे की ओर, गहराइयों में। और यही दो दिशाएँ उनके पूरे जीवन को खींचती रहती हैं। आप कभी पूरी तरह नहीं जान पाएँगे कि आज कौन-सी मछली आगे तैर रही है।

इन कोमल, स्वप्निल लोगों के पास एक ऐसा हृदय है जो दूसरों का दर्द ऐसे सोख लेता है जैसे रेत पानी को। आप अपनी दुखभरी कहानी सुनाइए, और मीन वाला सचमुच आपके साथ रो देगा। फिर अगले ही पल वह किसी मज़ाक पर ऐसे खिलखिलाएगा कि लगेगा अभी-अभी रोया ही नहीं था। गुरु इनका स्वामी है, इसलिए इनमें एक गहरी करुणा और बुद्धिमत्ता बसी रहती है — पर वह करुणा अक्सर इन्हें ही डुबो देती है, क्योंकि ये दूसरों के लिए तैरते-तैरते अपना किनारा भूल जाते हैं।

कैसे पहचानें

मीन वाले को पहचानना हो तो उसके चलने का ढंग देखिए — वह कभी सैनिक की तरह कदम नहीं रखता, बल्कि ऐसे चलता है मानो हवा उसे धीरे-धीरे आगे बहा रही हो। उसके हाव-भाव में एक तरलता होती है, हाथ ऐसे हिलते हैं जैसे पानी में तैरती मछली के पंख। उसकी आवाज़ अक्सर मुलायम और थोड़ी सपनीली होती है, और जब वह आपकी ओर देखता है तो ऐसा लगता है मानो वह आपके चेहरे के पार, आपकी आत्मा तक देख रहा हो। ज़ोर-ज़ोर से बोलना या धक्का-मुक्की उसके स्वभाव में ही नहीं है।

इनकी आँखों पर ध्यान दीजिए — वे अक्सर बड़ी, द्रवित और थोड़ी उदास-सी होती हैं, जिनमें एक हल्की चमक तैरती रहती है। मीन वाले विवादों से ऐसे बचते हैं जैसे बिल्ली पानी से। यदि माहौल तनावपूर्ण हो जाए, तो वे चुपचाप किनारे हो जाएँगे, या किसी बहाने से कमरे से निकल जाएँगे। आप उन्हें कभी सीधा 'नहीं' कहते कम ही सुनेंगे — वे टालते हैं, मुस्कुराते हैं, बात घुमा देते हैं, और आप यही सोचते रह जाते हैं कि आख़िर उन्होंने हाँ कहा था या ना।

घर या मेज़ पर इनकी निशानियाँ बिखरी मिलेंगी — कोई अधूरी कविता, संगीत का कोई वाद्य, इत्र की कोई शीशी, या समुद्र की कोई तस्वीर। इन्हें रंग, संगीत, सुगंध और कोमल स्पर्श बहुत प्रिय होते हैं। समय का इन्हें कोई ख़ास भान नहीं रहता — मिलने के लिए दिया गया समय इनके लिए केवल एक सुझाव-भर होता है। पर जब आप दुखी हों, तब यही मीन वाला सबसे पहले आपका हाथ थामेगा, बिना कुछ कहे, और आपको लगेगा कि किसी ने आपके भीतर का हाल बिन पूछे ही समझ लिया।

व्यक्तित्व

मीन वालों के भीतर एक अद्भुत कल्पनाशक्ति बसती है — वे साधारण-सी बात में भी जादू देख लेते हैं। एक टपकती बूँद उनके लिए संगीत बन जाती है, और बादलों में उन्हें आकृतियाँ दिखाई देती हैं जो किसी और को नहीं दिखतीं। यही वजह है कि इनमें इतने कलाकार, कवि, संगीतकार और कहानीकार पैदा होते हैं। पर इसी कल्पना का एक स्याह पक्ष भी है — ये अपनी ही बनाई दुनिया में इतने खो जाते हैं कि असली जीवन के बिल और ज़िम्मेदारियाँ इन्हें किसी कठोर पहरेदार जैसे लगने लगती हैं, जिनसे ये भागते फिरते हैं।

इनकी सबसे बड़ी ताक़त और सबसे बड़ी कमज़ोरी एक ही है — दूसरों के मन को पढ़ लेने की क्षमता। मीन वाला कमरे में घुसते ही भाँप लेता है कि कौन उदास है, कौन नाराज़, कौन झूठ बोल रहा है। यह संवेदनशीलता इतनी गहरी होती है कि कई बार उन्हें यह तक नहीं पता चलता कि कौन-सा भाव उनका अपना है और कौन-सा उन्होंने किसी और से उधार लिया। भीड़ में रहकर ये थक जाते हैं, और तब इन्हें अकेलेपन की उतनी ही ज़रूरत होती है जितनी मछली को पानी की।

मीन वालों में अहंकार बहुत कम होता है — वे शायद ही कभी आगे बढ़कर श्रेय लेने की होड़ में पड़ते हैं। बल्कि कई बार तो वे अपनी प्रतिभा को ही कम आँकते हैं और दूसरों को आगे कर देते हैं। पैसे के मामले में इनका हाथ ढीला रहता है — कमाना इन्हें कठिन लगता है, पर खर्च करना और किसी ज़रूरतमंद को दे देना बेहद आसान। आप इन्हें कंजूस कभी नहीं पाएँगे; हाँ, महीने के आख़िर में जेब ज़रूर खाली मिल सकती है, और इस पर इन्हें कोई ख़ास पछतावा भी नहीं होगा।

इनके स्वभाव में एक रहस्यमयी गहराई है, जैसे समुद्र की सतह शांत दिखती है पर नीचे न जाने कितने संसार बसे होते हैं। मीन वाला आपको कभी पूरी तरह नहीं खुलता — एक हिस्सा हमेशा छिपा रहता है, सपनों और भावनाओं के किसी कोने में। द्विस्वभाव होने के कारण इनका मन क्षण-क्षण बदलता है; अभी हँसी, अभी आँसू, अभी उत्साह, अभी उदासी। इन्हें समझने की कोशिश करना लहरों को मुट्ठी में बाँधने जैसा है — पर जो धैर्य से इनके साथ बहना सीख जाता है, उसे जीवन का सबसे कोमल साथी मिल जाता है।

मीन पुरुष

मीन राशि का पुरुष किसी और ही दुनिया का बाशिंदा लगता है। वह व्यावहारिक संसार की दौड़ में सबसे आगे रहने का सपना नहीं देखता; उसके सपने कहीं और बसते हैं — कला में, संगीत में, किसी आदर्श में, या किसी ऐसे प्रेम में जो असल ज़िंदगी से कहीं बड़ा हो। आप उसे महत्वाकांक्षा का पाठ पढ़ाते रह जाएँगे और वह मुस्कुराकर खिड़की के बाहर देखता रहेगा। पर उसके इसी कोमल, कल्पनाशील स्वभाव में वह आकर्षण है जिसके आगे कठोर, सफल पुरुष भी कई बार फीके पड़ जाते हैं।

प्रेम में यह पुरुष बेहद रोमांटिक और संवेदनशील होता है। वह आपके मूड को बिना बताए पढ़ लेगा, ठीक वही गीत चला देगा जो आपके मन में था, और ऐसे शब्द कहेगा जो सीधे हृदय को छू जाएँ। पर उससे यह उम्मीद मत रखिए कि वह घर की मरम्मत या बैंक के झंझटों में माहिर होगा — ये सांसारिक बातें उसे बोझ लगती हैं। उसे एक ऐसी संगिनी चाहिए जो धीरे से उसका हाथ थामकर उसे ज़मीन पर लाए, पर इतनी सख़्ती से नहीं कि उसके पंख ही कतर जाएँ।

इस पुरुष की सबसे बड़ी चुनौती है — पलायन की प्रवृत्ति। जब जीवन बहुत कठोर हो जाता है, तो वह किसी न किसी सपने, शौक़, या कभी-कभी ग़लत रास्ते की ओर बहने लगता है। उसे चाहिए एक प्रेमपूर्ण किनारा, एक ऐसा घर जहाँ कोई उसकी प्रतिभा पर विश्वास करे। जिस दिन उसे यह भरोसा मिल जाता है, यही स्वप्निल पुरुष आश्चर्यजनक ऊँचाइयाँ छू सकता है — क्योंकि उसकी कल्पना की उड़ान की कोई सीमा नहीं, बस उसे एक मज़बूत डोर थामने वाला हाथ चाहिए।

मीन स्त्री

मीन राशि की स्त्री किसी पुरानी कविता की नायिका जैसी लगती है — कोमल, रहस्यमयी और थोड़ी-सी असहाय, जो हर पुरुष के भीतर के रक्षक को जगा देती है। उसकी आँखों में वह नमी है जो बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह देती है। वह आपकी हर बात ध्यान से सुनती है, आपके सपनों में सच्ची रुचि लेती है, और आपको ऐसा महसूस कराती है मानो आप ही उसकी दुनिया के केंद्र हों। उसके इसी समर्पण भरे स्वभाव में वह मिठास है जो आज की कठोर दुनिया में दुर्लभ होती जा रही है।

पर इस कोमलता को कमज़ोरी समझने की भूल मत कीजिए। मीन स्त्री के भीतर एक गहरी सहनशक्ति और लचीलापन है — वह तूफ़ानों के सामने अकड़कर नहीं, बल्कि पानी की तरह झुककर बच निकलती है, और फिर अपना रूप ले लेती है। वह व्यावहारिक झगड़ों से दूर रहना पसंद करती

है, और यदि घर में तनाव हो तो चुपचाप उदास हो जाती है। उसे डाँट या तर्क से नहीं, बल्कि कोमलता और समझ से जीता जा सकता है — कठोर शब्द उसे ऐसे चोट पहुँचाते हैं जैसे फूल पर पत्थर।

यह स्त्री अद्भुत माँ और साथी सिद्ध होती है, क्योंकि वह दूसरों की भावनाओं को अपनी भावनाओं जैसा जीती है। पर उसे अपनी ही करुणा से बचाने की ज़रूरत होती है — वह इतना दे देती है कि कभी-कभी अपने लिए कुछ बचाती ही नहीं। उसे एक ऐसा साथी चाहिए जो उसकी संवेदनशीलता का सम्मान करे, उसके सपनों का मज़ाक न उड़ाए, और कभी-कभी उसके बहते मन को धीरे से किनारे पर ले आए। बदले में वह आपको एक ऐसा प्रेम देगी जो शर्तों से परे, समुद्र जितना गहरा होगा।

मीन बालक

मीन राशि का बच्चा सपनों की दुनिया में रहने वाला नन्हा कलाकार होता है। वह अकेले बैठकर घंटों खिलौनों से कहानियाँ बुनता रहेगा, या खिड़की के बाहर देखकर कल्पनाओं में खो जाएगा। उसके काल्पनिक मित्र हो सकते हैं, परियों और राक्षसों की उसकी अपनी दुनिया हो सकती है। यह बच्चा बेहद संवेदनशील होता है — घर में ज़रा-सा तनाव भी उसे बीमार कर सकता है, और कठोर डाँट उसके कोमल मन पर गहरी छाप छोड़ देती है। उसे प्यार, सुरक्षा और अपनी कल्पना के लिए थोड़ी आज़ादी चाहिए।

इस बच्चे के साथ झूठ या डर का व्यवहार कभी मत कीजिए — वह सच को भाँप लेता है और भय उसे और भीतर समेट देता है। उसकी कल्पनाशक्ति को हँसी में मत उड़ाइए, बल्कि उसे संगीत, चित्रकला, कहानियों और पानी के खेलों की ओर मोड़िए, जहाँ उसकी प्रतिभा खिल उठेगी। उसे यह सिखाना ज़रूरी है कि सपनों के साथ-साथ असली दुनिया का सामना करना भी ज़रूरी है, वरना वह अपनी ही कल्पना में सिमटकर रह जाएगा। कोमलता और भरोसे से यह बच्चा एक संवेदनशील, सृजनशील व्यक्ति बनकर निखरता है।

मीन : बॉस के रूप में

मीन राशि का बॉस सुनने में किसी परीकथा जैसा लगता है — वह चिल्लाता नहीं, धमकाता नहीं, और आपकी निजी परेशानियों को सचमुच समझता है। यदि आपकी माँ बीमार हैं या आपका मन उदास है, तो यही बॉस सबसे पहले आपको छुट्टी दे देगा। वह आदेश कम देता है, सुझाव ज़्यादा, और अक्सर ऐसे घुमा-फिराकर बात कहता है कि आपको ख़ुद समझना पड़ता है कि उसका मतलब क्या था। उसके अधीन काम करना सुकून भरा होता है, बशर्ते आप उसकी अनिश्चितता और बदलते मूड के साथ बहना सीख लें।

पर इस कोमल मुखौटे के पीछे एक गहरी अंतर्दृष्टि छिपी होती है। मीन बॉस लोगों को पढ़ने में माहिर है — वह जान जाता है कि कौन सच्चा है और कौन दिखावा कर रहा है। वह सीधे टकराव से बचता है, इसलिए कभी-कभी कठोर निर्णय टालता रहता है, जिससे काम लटक सकते हैं। पर रचनात्मक कामों में उसका मार्गदर्शन अनमोल होता है, क्योंकि वह वहाँ संभावनाएँ देख लेता है जहाँ बाक़ी केवल समस्याएँ देखते हैं। उसके प्रति वफ़ादार रहिए, और बदले में आपको एक ऐसा बॉस मिलेगा जो आपको इंसान समझता है, मशीन नहीं।

मीन : कर्मचारी के रूप में

मीन राशि का कर्मचारी सख़्त समय-सारणी और रूखे नियमों की दुनिया में थोड़ा बेमेल-सा लगता है। उसे नियत समय पर मेज़ से चिपके रहना, या घंटों के हिसाब-किताब में बँधना अखरता है। पर यदि आप उसे ऐसा काम दें जिसमें कल्पना, संवेदना या सृजन हो — डिज़ाइन, लेखन, संगीत, परामर्श, सेवा — तो वही व्यक्ति आपको चौंका देगा। वह ग्राहकों और सहकर्मियों के मन को पढ़कर ऐसा माहौल बना देता है जो किसी और से नहीं बनता। उसे दबाव और कटु आलोचना से नहीं, प्रोत्साहन से सबसे अच्छा काम मिलता है।

इस कर्मचारी के साथ संख्याओं और सख़्त समयसीमाओं को लेकर थोड़ा धैर्य रखना पड़ता है — वह कभी-कभी विवरणों में उलझ जाता है या भूल जाता है। पर उसकी निष्ठा और सहानुभूति किसी ख़ज़ाने से कम नहीं। वह दफ़्तर के झगड़ों से दूर रहता है और श्रेय की होड़ में नहीं पड़ता, इसलिए कई बार उसकी मेहनत किसी और के खाते में चली जाती है। यदि आप उसकी प्रतिभा को पहचानकर उसे सही दिशा दें, तो वह आपके लिए ऐसा काम करेगा जो दिल से किया गया होगा — और दिल से किया काम हमेशा अलग चमकता है।

प्रेम और विवाह

प्रेम में मीन राशि वाले उसी तरह डूब जाते हैं जैसे नदी समुद्र में — पूरी तरह, बिना किसी हिसाब-किताब के। उनके लिए प्रेम कोई समझौता नहीं, बल्कि आत्मा का मिलन है, किसी पुरानी प्रेमकथा जैसा आदर्श। वे अपने प्रिय की हर इच्छा भाँप लेते हैं, बिन कहे ही उसका मन समझ लेते हैं,

और ऐसी कोमलता से प्रेम करते हैं कि सामने वाले को लगता है उसे पहली बार सचमुच समझा गया है। पर इसी गहराई में एक ख़तरा भी है — वे प्रेम में अपनी पहचान तक खो बैठते हैं।

विवाह में मीन वाले समर्पित और संवेदनशील साथी बनते हैं, पर उन्हें एक ऐसे जीवनसाथी की ज़रूरत होती है जो उन्हें ज़मीन से जोड़े रखे। यदि साथी बहुत व्यावहारिक और रूखा हो, तो वे सिमटकर अपनी ही दुनिया में चले जाते हैं; और यदि साथी बहुत कमज़ोर हो, तो दोनों मिलकर सपनों के सागर में बह जाते हैं। आदर्श वह रिश्ता है जहाँ कोई उनके सपनों का आदर करे, पर साथ ही बिल भरना और दरवाज़ा बंद करना भी याद दिलाता रहे — कोमलता और स्थिरता का संतुलन।

इन्हें जीतना हो तो याद रखिए — कठोरता और तर्क इनके आगे बेकार हैं। इन्हें कविता, संगीत, कोमल शब्द और सच्ची समझ चाहिए। यदि आप इनकी भावनाओं का मज़ाक उड़ाएँगे या इन्हें बार-बार आहत करेंगे, तो ये चुपचाप दूसरी दिशा में तैर जाएँगे, बिना कोई शोर मचाए। पर यदि आप इनके भीतर के संसार में सच्ची रुचि लें, इनके आँसुओं और हँसी दोनों के साथी बनें, तो आपको एक ऐसा प्रेम मिलेगा जो शर्तों, समय और तर्क — तीनों से परे, समुद्र जितना अथाह होगा।

स्वास्थ्य

मीन राशि वालों का मन और शरीर एक अदृश्य धागे से बँधे होते हैं — जब मन उदास या चिंतित होता है, तो शरीर भी थका-थका, सुस्त-सा महसूस करने लगता है। इन पर भावनाओं का असर बहुत गहरा पड़ता है, इसलिए तनावपूर्ण माहौल और कटु रिश्ते इन्हें भीतर तक थका देते हैं। इनके लिए सबसे ज़रूरी है — मन की शांति, अच्छी नींद और पर्याप्त एकांत। संगीत, प्रकृति और पानी के पास बिताया गया समय इनके लिए किसी औषधि से कम नहीं, क्योंकि यहीं इनका बेचैन मन सबसे जल्दी ठहरता है।

इन्हें अपनी संवेदनशीलता को बोझ नहीं, उपहार समझना सीखना चाहिए, और उसके लिए स्वस्थ सीमाएँ बनानी चाहिए — हर किसी का दुख अपने कंधों पर उठाना ज़रूरी नहीं। थोड़ा नियमित व्यायाम, संतुलित दिनचर्या और मन की बात किसी अपने से साझा करना इनके लिए राहत भरा होता है। नकारात्मक विचारों और बहुत अधिक एकांत में डूबने से बचना चाहिए, क्योंकि ये उसी में खोते चले जाते हैं। जब मीन वाले अपने मन को सुलझा हुआ और हल्का रखते हैं, तो उनकी पूरी जीवन-ऊर्जा ही खिल उठती है।

> प्रसिद्ध हस्तियाँ: अल्बर्ट आइंस्टीन, स्टीव जॉब्स, शशि कपूर, आमिर ख़ान के जन्मदिवस के निकट जन्मे अनेक कलाकार, शाहिद कपूर, और महान संगीतकार जॉर्ज हैरिसन।

खूबियाँ

- गहरी करुणा और सहानुभूति
- अद्भुत कल्पनाशक्ति
- कलात्मक और सृजनशील प्रतिभा
- दूसरों के मन को पढ़ने की क्षमता
- कोमल और निःस्वार्थ प्रेम
- लचीलापन और सहनशीलता
- आध्यात्मिक गहराई और अंतर्ज्ञान

सावधानियाँ

- वास्तविकता से पलायन की प्रवृत्ति
- अति-संवेदनशीलता
- निर्णय लेने में अनिश्चितता
- आसानी से प्रभावित हो जाना
- आत्म-विश्वास की कमी
- व्यावहारिक मामलों में लापरवाही
- बहुत जल्दी आहत हो जाना

जीवन-मंत्र: सपने देखना अच्छा है, पर कभी-कभी किनारे पर लौटकर ज़मीन को छूना भी सीखिए।

अंतिम बात

हर राशि अपने आप में सुंदर है — किसी में आग है, किसी में जल, किसी में हवा की उड़ान और किसी में धरती की स्थिरता। न कोई राशि 'अच्छी' है, न कोई 'बुरी'; हर राशि के पास अपनी खूबियाँ और अपनी चुनौतियाँ हैं।

असली ज्योतिष का उद्देश्य भविष्य का डर बेचना नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानना है। जब हम अपनी प्रवृत्तियों को समझ लेते हैं, तो अपनी खूबियों को निखार सकते हैं और कमज़ोरियों पर काम कर सकते हैं। यही इस पुस्तक की सबसे बड़ी कामना है।

सितारे राह दिखा सकते हैं, पर चलना हमें ही है। आपकी राशि चाहे जो हो — आपके भीतर अपनी क़िस्मत गढ़ने की पूरी ताक़त मौजूद है।

✦ *शुभम भवतु* ✦

आध्यात्मिक यात्रा एवं तीर्थ-दर्शन के लिए — **The Temple Tours**

thetempletours.com • +91 89207 91374 • wa.me/918920791374